वार्षिकप्रतिवेदन
2022-23

ANNUAL REPORT
2022-23

राष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालय

(केंद्रीयविश्वविद्यालय)

तिरुपति – 517 507 (आंध्रप्रदेश)

NATIONAL SANSKRIT UNIVERSITY

(Central University)

TIRUPATI – 517 507 (Andhra Pradesh)

तमसोमाज्योतिर्गमय

कुलसचिव,

राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित

(केंद्रीय विश्वविद्यालय), तिरूपति।

Ph.: 0877-2286799;

E-mail: registrar@nsktu.org;
Website: www.nsktu.ac.in

प्रस्तावना

यह वास्तव में इस प्रतिष्ठित संस्कृत संस्थान के इतिहास में एक उल्लेखनीय मील का पत्थर और सफल उपलब्धि है, जिसमें पूर्व में, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ,संसद द्वारा केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम 2020 के अधिनियमन के साथ 30.04.2020 से भारत एक प्रभावी केंद्रीय विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (एनएसयू), तिरूपति में विकसित हुआ। मुझे सभी संबंधित पक्षों के समक्ष वर्ष 2022-23 के लिए राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (एनएसयू), तिरूपति की कुछ महत्वपूर्ण पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों वाली वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का सम्मान मिला है। वर्ष 2022-23 के दौरान हुए शैक्षणिक कार्यक्रमों, अनुसंधान गतिविधियों, सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर घटनाओं पर एक नज़र डालने से विश्वविद्यालय के लक्ष्यों और उद्देश्यों के अनुरूप शिक्षण और प्रशासन दोनों क्षेत्रों में बहु-आयामी अभ्यास का पता चलता है। यह जानकर संतुष्टि हो रही है कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान कार्यक्रमों और शैक्षणिक और बुनियादी सुविधाओं के कारण, रिपोर्ट के तहत वर्ष के दौरान छात्रों का नामांकन बढ़ गया है।

शिक्षकों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों और सम्मेलनों में भाग लिया है और अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए हैं। विश्वविद्यालय ने दुनिया भर में संस्कृत साहित्य और भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिवेदन के तहत वर्ष के दौरान कई मानक प्रकाशन निकाले हैं। प्रतिवेदन के तहत वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय शिक्षण और अनुसंधान में भी प्रगति कर रहा है।

संबंधित वर्ष की सबसे खास बात यह है कि कई छात्रों ने नेट उत्तीर्ण किया और उनमें से कुछ ने जेआरएफ प्राप्त किया है जिसके लिए उन्हें प्रोत्साहित किया गया है और अपने शैक्षणिक मिशन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया है। विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण विद्यार्थियों का देश के विभिन्न संस्थानों में प्लेसमेंट अत्यंत उत्साहवर्धक रहा है। हमारे छात्रों को शारीरिक शिक्षा के साथ-साथ योग कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करके उनके शरीर, दिमाग और आत्मा के सामंजस्यपूर्ण विकास को सुनिश्चित करने पर बहुत ध्यान दिया गया है।

कुल मिलाकर, सभी संबंधित पक्षों द्वारा पूरे दिल से दिए गए सहयोग के कारण विश्वविद्यालय परिसर में सौहार्दपूर्ण माहौल बना हुआ है। इसने प्रशासन को देश की पारंपरिक संस्कृत शिक्षा और समय-परीक्षणित सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लक्ष्य और उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद की है, जिसके लिए विश्वविद्यालय की स्थापना मुख्य रूप से की गई है।

संस्थान ने ओएच-31, 35 और 36 शीर्षकों के तहत शिक्षा मंत्रालय और यूजीसी की वित्तीय सहायता से बुनियादी ढांचे के विकास के मामले में अभूतपूर्व प्रगति का अनुभव किया है। विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के लिए समय-समय पर कई कल्याणकारी उपाय किए जाते हैं। .

एक बार फिर, मैं उन लोगों के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं जिन्होंने सभी क्षेत्रों में सफलता हासिल करने में विश्वविद्यालय की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है।

प्रो जी. एस. आर. कृष्ण मूर्ति
कुलपति

विषय सूची

वार्षिक प्रतिवेदन

विषयों		पृष्ठ संख्या
प्रस्तावना		**3**
विषय सूची		**4**
विश्वविध्यालय का परिचय		**5-12**
निधि प्रवाह एवं सांविधिक लेखा परीक्षा		**13**
कार्यकारी परिषद के सदस्य		**14-15**
अकादमिक परिषद के सदस्य		**16-18**
वित्त समिति के सदस्य		**19**
चिकित्सा सलाहकार समिति के सदस्य		**20**
योजना एवं निगरानी बोर्ड के सदस्य		**21**
भवन निर्माण समिति के सदस्य		**22-23**
विश्वविद्यालय के अधिकारी		**24**
स्कूल के डीन		**25**
विभागाध्यक्ष		**26-27**
विश्वविद्यालय विभाग		**28**
शिक्षण एवं गैर-शिक्षण स्टाफ की सूची		**29-36**
विभागों का परिचय		**37-44**
I. शैक्षणिक कार्यक्रम		**45-57**
	A. शिक्षण	
	B. अनुसंधान	
	C. प्रकाशनों	
	D. प्रशिक्षण	
II.	सह पाठ्यक्रम गतिविधियां	58-73
III.	पाठ्येतर गतिविधियां	74-88
IV.	सेमिनारों /सम्मेलनों /कार्यशालायों में संकाय द्वारा भाग ग्रहण	89-115
V.	विशेष लक्षण	116-133
VI.	परियोजनाएँ	134-136
VII.	आधारभूत संरचना	**137-145**

विश्वविद्यालय के बारे में

तिरुमला पहाड़ियों की पवित्र तलहटी में स्थित, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय पिछले छह दशकों से संस्कृत शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों और विद्वानों के लिए गंतव्य रहा है। एक वास्तविक लघु भारत, विश्वविद्यालय हमारे देश के सभी कोनों से छात्रों को आकर्षित कर रहा है, जो विभिन्न क्षेत्रों, भाषाओं और पंथों से संबंधित हैं, क्योंकि यह अध्ययन और अनुसंधान के लिए आदर्श सुविधाएं और अनुकूल वातावरण प्रदान कर रहा है। इसके अलावा, अभिनव, और अंतःविषय पाठ्यक्रम और अत्याधुनिक कंप्यूटर सुविधाओं ने इसे संस्कृत अध्ययन के लिए एक बहुत अधिक मांग वाला संस्थान बना दिया है। तिरुपति शहर के केंद्र में स्थित यह परिसर लंबे छायादार पेड़ों और अच्छी तरह से पोषित उद्यानों के साथ बहुत आकर्षक है।

1950 के दशक के दौरान भारत सरकार द्वारा नियुक्त केंद्रीय संस्कृत आयोग की सिफारिशों पर, पारंपरिक संस्कृत शिक्षा के संरक्षण और प्रचार के लिए 1961 में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा तिरुपति में एक केंद्रीय संस्कृत संस्थान की स्थापना की गई थी। भारत सरकार ने संस्था के प्रशासन के लिए 'केंद्रीय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति सोसाइटी' नामक एक स्वायत्त पंजीकृत निकाय का गठन किया। केंद्रीय संस्कृत विद्यापीठ की आधारशिला 4 जनवरी 1962 को भारत के तत्कालीन उपराष्ट्रपति डॉ. एस. राधाकृष्णन द्वारा रखी गई थी। तत्कालीन कार्यकारी अधिकारी डॉ. सी. अन्ना राव की अध्यक्षता वाले प्रतिष्ठित तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ट्रस्ट बोर्ड द्वारा भवनों के निर्माण के लिए 10 लाख रुपये के दान के साथ लगभग 42 एकड़ भूमि पट्टे पर दी गई थी।

विद्यापीठ सोसाइटी के लगातार अध्यक्ष ों के रूप में प्रतिष्ठित विद्वानों और राजनेताओं की एक आकाशगंगा रही है, अर्थात् श्री पतंजलि शास्त्री, भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश, इसके बाद प्रोफेसर वी राघवन, एक प्रतिष्ठित इंडोलॉजिस्ट और श्री एम अनंतशयनम अयंगर, लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष। शर्मा 1962 से 1970 तक संस्थान के पहले निदेशक थे। श्री वेंकट राघवाचार्य, डॉ. मंडन मिश्रा, डॉ. आर. करुणाकरन, डॉ. एम. डी. बालासुब्रमण्यम और प्रोफेसर एन. एस. रामानुज ताताचार्य ने प्राचार्य की क्षमता में संस्था की सेवा की और काफी हद तक अपने शैक्षिक और प्रशासनिक अनुभव का योगदान दिया।

केंद्रीय संस्कृत विद्यापीठ अप्रैल, 1971 में शिक्षा मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय - राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के तत्वावधान में आया। 1987 में रजत जयंती समारोह के दौरान, भारत सरकार के तत्कालीन केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री पीवी नरसिम्हा राव ने यूजीसी अधिनियम 1956 की धारा 3 के तहत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सिफारिशों पर विद्यापीठ को मानित विश्वविध्यालय के रूप में घोषित किया। (दिनांक 16-11-1987 की राजपत्र अधिसूचना सं.एफ.9-2/85 यू-3 के तहत)। मानित विश्वविध्यालय का औपचारिक उद्घाटन 26 अगस्त 1989 को भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति श्री आर वेंकटरमन द्वारा किया गया था। विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक वर्ष 1991-92 से राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के नाम से एक मानित विश्वविद्यालय के रूप में कार्य करना शुरू कर दिया था। अप्रैल 2020 में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम, 2020 के संसद द्वारा अधिनियमन के साथ विद्यापीठ को राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के नाम पर केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में अपग्रेड किया गया है।

इसकी शानदार यात्रा में, प्रख्यात व्यक्तित्व महामहोपाध्याय श्री पट्टाभिराम शास्त्री, प्रोफेसर रामरंजन मुखर्जी और डॉ वीआर पंचमुखी कुलाधिपति थे। पद्म भूषण के प्राप्तकर्ता और भारत के पूर्व मुख्य

चुनाव आयुक्त श्री एन गोपालस्वामी को 21 अक्टूबर 2015 को विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में नियुक्त किया गया था, और वह प्रतिवेदन के तहत वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय के प्रमुख बने हुए हैं।

प्रोफेसर एन.एस.रामानुज ताताचार्य, प्रो.एस.बी. रघुनाथाचार्य और प्रो डी प्रहलाद चार ने कुलपति के रूप में विश्वविद्यालय की सेवा की। प्रो के ई गोविंदन ने अप्रैल 2006 तक दो वर्षों के लिए कुलपति के रूप में कार्य किया।प्रो हरे कृष्ण सतपथी ने 2006 से 2016 तक कुलपति के रूप में कार्य किया।प्रो एस.एस. मूर्ति और प्रो एम. एल. एन. मूर्ति ने 2016 से 2017 तक प्रभारी कुलपतियों के रूप में कार्यभार संभाला। प्रो वी. मुरलीधर शर्मा 15.01.2017 से 13.01.2022 तक की अवधि के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में कार्य किया। प्रो राधाकांत ठाकुर 15.01.2022 से 05.08.2023 तक प्रभारी कुलपति थे।प्रो ई. सुरेश कुमार, कुलपति, अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद ने 06.08.2022 से 09.09.2022 तक संक्षिप्त कार्यकाल के लिए इस विश्वविद्यालय के कुलपति के पद का अतिरिक्त प्रभार संभाला। प्रो जी.एस.आर. कृष्ण मूर्ति, प्रोफेसर और डीन, स्कूल ऑफ साहित्य और संस्कृति को विश्वविद्यालय के नियमित कुलपति के रूप में नियुक्त किया गया, और वर्तमान में उन्होंने पदभार संभाला।

विश्वविद्यालय में 214 की कुल स्वीकृत संख्या है (शिक्षण: 109 और गैर-शिक्षण: 105)। वर्ष के दौरान, 2001 छात्रों ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम, तिरुपति ने वर्ष के दौरान 13.60 सेंट की अतिरिक्त भूमि पट्टे पर ली और विश्वविद्यालय ने मई 2022 में भूमि का अपना लिया।

वर्ष 2022-23 के दौरान विश्वविद्यालय में हुई महत्वपूर्ण गतिविधियों का विवरण नीचे दिया गया है:

- माननीय कुलपति ने 24 फरवरी 2023 को हमारे परिसर में आगमा प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। इस अवसर पर आगमा विभाग द्वारा पुण्यह्वाचनम, होम विग्रहप्रतिष्टपन और अभिशेक भी किया गया।
- दिनांक 27 मई, 2022 के कार्यालय संख्या 69 के तहत केंद्रीय लोक सूचना अधिकारियों को आरटीआई मामलों के परंतुक पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया।
- 28 मई 2022 को केंद्रीय लोक सूचना अधिकारियों, उनके सहायक कर्मचारियों, सभी ग्रुप-ए अधिकारियों और कुलपति और वित्त अधिकारी के निजी सचिवों को आरटीआई मामलों के परंतुक पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया.
- उगादि पंचांग श्रवणम और सांस्कृतिक कार्यक्रम 2 अप्रैल 2022 को आयोजित किया गया था।
- डॉ बी आर अम्बेडकर जयंती 14 अप्रैल 2022 को 131 वें जन्म को चिह्नित करने के लिए मनाई गई।
- 01 अप्रैल 2022 को ओडिशा चेयर द्वारा उत्कल दिवस का आयोजन किया गया।
- 01 जुलाई 2022 को विश्वविद्यालय परिसर में भगवान श्री जगन्नाथ रथयात्रा उत्सव मनाया गया।
- 14-28 सितंबर 2022 के दौरान हिंदी विभाग द्वारा हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया
- विश्वविद्यालय द्वारा 26.11.2022 को राष्ट्रीय संविधान दिवस मनाया गया।
- 26.04.2022 को स्वर्गीय प्रो वी. मुरलीधर शर्मा की स्मृति में 5 वीं शास्त्रार्थ गोष्ठी आयोजित की गई।
- 15.05.2022 को श्री आदिशंकराचार्य जयंती के अवसर पर अद्वैत वेदांत विभाग और शा स्त्र परिरक्षण केंद्र द्वारा एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- 22 मई 2022 को एनएसयू द्वारा गूगल क्राउडसोर्स पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया.
- बंगाल सेतु कार्यक्रम 27 मई 2022 को बंगाली छात्रों और शिक्षकों द्वारा आयोजित किया गया था।
- 05 जून 2022 को विश्वविद्यालय द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया था।

- 06 से 10 जून 2022 के दौरान ऑनलाइन टेक्स्ट एडिटिंग पर पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 11 जून 2022 को श्री अभिनवगुप्त जयंती पर साहित्य विभाग द्वारा एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गय।
- 15 जून 2022 को सामाजिक सुधार पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया।
- 21 जून 2022 को एनएसयू के योग विज्ञान विभाग द्वारा 8 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया था।
- विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस 14 अगस्त 2022 को आयोजित किया गया था।
- कई संकाय सदस्यों ने विभिन्न संस्थानों से पुरस्कार प्राप्त किए।
- प्रो ई.सुरेश कुमार, कुलपति, अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद ने 06 अगस्त 2022 को एनएसयू, तिरुपति के कुलपति के रूप में अतिरिक्त प्रभार संभाला।
- 13 जुलाई 2022 को विश्वविद्यालय द्वारा गुरुपूर्णिमा कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।
- खेल जागरूकता कार्यक्रम जुलाई 2022 के महीने में आयोजित किया गया था।
- 15 अगस्त 2022 को विश्वविद्यालय द्वारा 76 वें स्वतंत्रता दिवस का आयोजन किया गया था।
- 29 अगस्त 2022 को शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया था।
- सरस्वती पूजा 30 सितंबर 2022 को आयोजित की गई थी।
- पर्यावरण के अनुकूल परिसर के हिस्से के रूप में, इंडोर स्टेडियम में 30 सितंबर 2022 को माननीय कुलपति प्रोजीएसआर कृष्ण मूर्ति द्वारा विश्वविद्यालय के छात्रों को 40 साइकिलें प्रदान की गईं।
- विश्व हृदय दिवस, एनएसएस स्थापना दिवस, स्वच्छ भारत अभियान 2.0, विश्व खाद्य दिवस, विश्व दृष्टि दिवस, आदि विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाइयों द्वारा आयोजित किए गए थे।
- राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की महामहोपाध्याय श्री पट्टाभिराम शास्त्री व्याख्यान श्रृंखला का उद्घाटन 21 सितंबर 2022 को किया गया।
- संस्कृत सप्ताह समारोह 10 से 16 अगस्त 2022 तक आयोजित किया गया।
- 31 अक्टूबर 2022 को विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन किया गया था।
- महिलाओं के खिलाफ हिंसा के उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस, 25 नवंबर 2022 को राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति द्वारा आयोजित किया गया था.
- टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप के सहयोग से राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति ने 24 नवंबर 2022 को विद्वानों की पुस्तकों और ओपन एक्सेस को प्रकाशित करने के तरीके पर एक कार्यशाला आयोजित की।
- 15 नवंबर 2022 को विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय आदिवासी दिवस आयोजित किया गया था.
- विश्वविद्यालय के गणित विभाग ने 9 से 11 दिसंबर 2022 के दौरान एपीटीएसएमएस की XXXI वार्षिक कांग्रेस और वर्तमान डिजिटल रुझानों के लिए प्राचीन गणित की प्रासंगिकता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।
- शिक्षा विभाग ने इंडोर स्टेडियम में 14 दिसंबर 2022 को अपने इंटर्नशिप कार्यक्रम के लिए छात्र शिक्षकों द्वारा तैयार किए गए मॉडल, चार्ट और शिक्षण सहायता को प्रदर्शित करने के लिए एक प्रदर्शनी का आयोजन किया।
- 1 दिसंबर 2022 को राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा विश्व एड्स दिवस पर एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

- भारतीय भाषा उत्सव 11 दिसंबर 2022 को आयोजित किया गया था।
- 74th गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2023 को मनाया गया।
- 27 से 28 मार्च 2023 के दौरान मीमांसा विभाग द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया.
- पहला अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा महोत्सव 19 से 22 फरवरी 2023 के दौरान आयोजित किया गया था.
- शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को वर्तमान से अगले स्तर पर पदोन्नत किया जाता है।
- कई कंप्यूटर, फर्नीचर, लैपटॉप और एसी आदि खरीदे और उपयोग किए जाते हैं। खरीद का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:

खरीद का विवरण	आदेशों की सांख्य	कुल मूल्य (रु)	प्रतिशत
जीईएम के माध्यम से माल और सेवाएं (जीएफआर -149)	163	2,79,50,291.31	70.59
एल पी सी के माध्यम से माल और सेवाएं (जी एफ आर -155)	96	1,16,43,722.00	29.41

7. कुलसचिव का नाम - कमांडर चल्ला वेंकटेश्वर

परिचय

राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, केंद्रीय विश्वविद्यालय संस्कृत अध्ययन, पारंपरिक शास्त्र और संस्कृत शिक्षक शिक्षा में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रमुख संस्थान है। यह यूजीसी के माध्यम से शिक्षा मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित है। संस्कृत शिक्षा की सेवा में विश्वविद्यालय का एक लंबा इतिहास रहा है।

विश्वविद्यालय की स्थापना 1961 में भारत सरकार द्वारा संस्कृत आयोग (1957) की सिफारिशों पर केंद्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति सोसाइटी के नाम से एक स्वायत्त निकाय के रूप में तिरुपति (आंध्र प्रदेश) में की गई थी। भारत के तत्कालीन उपराष्ट्रपति एस. राधाकृष्णन ने 4 जनवरी 1962 को विद्यापीठ की आधारशिला रखी। विद्यापीठ की स्थापना का मूल उद्देश्य संस्कृत शिक्षक शिक्षा प्रदान करना और सुधारना, उच्च संस्कृत सीखने की गति में तेजी लाना और आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान के साथ पारंपरिक संस्कृत शिक्षा को जोड़ना है।

बाद में, केंद्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति अप्रैल 1971.In 1987 में शिक्षा मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के प्रशासनिक नियंत्रण में आ गया, विद्यापीठ को संस्कृत शिक्षा के उद्देश्य के लिए इसकी सेवा, अनुसंधान और प्रकाशनों में इसकी उपलब्धियों और सामान्य प्रगति को देखते हुए भारत सरकार द्वारा डीम्ड-टू-बी-यूनिवर्सिटी के रूप में घोषित किया गया था। इसका औपचारिक उद्घाटन 26 अगस्त 1989 को भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति श्री आर वेंकटरमन द्वारा किया गया था। पारंपरिक शास्त्र में अनुसंधान के लिए अपनी उपलब्धियों और क्षमता को ध्यान में रखते हुए, विश्वविद्यालय को दसवीं, ग्यारहवीं और बारहवीं योजनाओं के दौरान पारंपरिक शास्त्र में उत्कृष्टता केंद्र का दर्जा दिया गया था।

संस्कृत और पारंपरिक शास्त्र के क्षेत्र में विद्यापीठ की उपलब्धियों को ध्यान में रखते हुए, विद्यापीठ को मार्च 2020 के महीने में संसद के एक अधिनियम द्वारा भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय) के रूप में उन्नत किया गया है और विश्वविद्यालय अब 30 अप्रैल 2020 से राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के रूप में कार्य कर रहा है।

स्थान

विश्वविद्यालय में **41** एकड़ का एक विशाल परिसर है और यह तिरुमला पहाड़ियों भगवान श्री वेंकटेश्वर (बालाजी) का निवास की तलहटी में अलपिरी के निकट स्थित है। एसवीआईएमएस (श्री वेंकटेश्वर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज) से सटे विश्वविद्यालय परिसर, रेलवे स्टेशन और एपीएसआरटीसी बस स्टेशन से **4** किलोमीटर की दूरी पर है। रिसरवॉइर रोड और बालाजी कॉलोनी के माध्यम से यहां पहुंचा जा सकता है।

प्रतीक

प्रतीक तमसो मा ज्योतिर्गमाया पर आदर्श वाक्य उस दृष्टि और आदर्शवाद की बात करता है जिसके लिए विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी। प्रतीक में एक वृत्त, एक आयताकार आधार, किनारे पर दो दीपक, ताड़ के पत्तों का एक गुच्छा, एक कमल की पंखुड़ियां शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक का अत्यधिक महत्व है। इसके अलावा, इसमें सूर्य की किरणें शामिल हैं जिन्हें रचनात्मक विचारों के बारहमासी स्रोत का प्रतिनिधित्व करने के लिए माना जाता है।

आधारभूत संरचना

1. प्रशासनिक भवन: प्रशासनिक आवश्यकताओं के लिए विश्वविद्यालय में दो मंजिला इमारत है।
2. **शैक्षणिक भवन:** दो जुड़े ब्लॉकों के साथ एक अलग इमारत का उपयोग केवल शिक्षण और अनुसंधान के लिए किया जा रहा है। इसका नाम एक प्रसिद्ध विद्वान के नाम पर रखा गया है; विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति पद्मभूषण महामहोपाध्याय नवलपक्कम सतकोपा रामानुज ताताचार्य। एचईएफए के वित्त पोषण से निर्मित डॉ चेलिकानी अन्ना राव के नाम पर नए शैक्षणिक भवन को वर्ष के दौरान चालू कर दिया गया है।
3. **पुस्तकालय भवन:** पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए विशेष व्यवस्था के साथ पुस्तकालय को एक विशाल दो मंजिला इमारत में समायोजित किया गया है।
4. **शिक्षाशास्त्र भवन :** शिक्षा शास्त्र स्कूल, एक स्वतंत्र दो मंजिला इमारत में स्वतंत्र रूप से कार्यरत है।
5. **ट्रांजिट हॉस्टल/गेस्ट हाउस:** विश्वविद्यालय में दो मंजिला ट्रांजिट हॉस्टल/गेस्ट हाउस है।
6. **छात्रावास:** विश्वविद्यालय अपने परिसर में नौ छात्रावासो है। लड़कों के लिए पांच, लड़कियों के लिए तीन और शोध छात्रों के लिए एक।
7. **स्टाफ क्वार्टर:** विश्वविद्यालय में अपने शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए सीमित क्वार्टर हैं।
8. **आश्रम प्रकार के अध्ययन केंद्र:** विश्वविद्यालय में शास्त्र वृधि कार्यक्रम के तहत निर्मित महान ऋषियों और आचार्यों के नाम पर आश्रम प्रकार के अध्ययन केंद्र हैं।
9. खेल का मैदान: खेल का मैदान आठ लेन **400** मीटर रनिंग ट्रैक के साथ सभी बाहरी खेल और खेल गतिविधियों का ख्याल रखता है।

10. इंडोर स्टेडियम: बैडमिंटन, टेबल टेनिस, शतरंज, कैरम जैसे इनडोर खेलों के लिए सभी सुविधाओं के साथ एक इंडोर-स्टेडियम स्थापित किया गया है।

11. मल्टी जिम: छात्रों के लाभ के लिए एक मल्टी जिम की स्थापना की गई है, महिलाओं के छात्रावास में लड़कियों के लिए एक जिम भी स्थापित किया गया है।

12. संस्क-नेट केंद्र: परिसर में एक संस्कार-नेट केंद्र कार्य कर रहा है।

13. ई-क्लास रूम: ई-क्लास रूम एक नई अवधारणा है जो छात्रों की जरूरतों को पूरा करती है।

14. उन्नत कंप्यूटर केंद्र: ई-लर्निंग आवश्यकताओं के लिए उन्नत कंप्यूटर केंद्र स्थापित किया गया है।

15. आईसीटी संसाधन केंद्र: विश्वविद्यालय ने अकादमिक भवन में 60 कंप्यूटर सिस्टम के साथ "सूचना और संचार प्रौद्योगिकी संसाधन केंद्र" की स्थापना की।

16. मॉडल कैरियर सेंटर: विश्वविद्यालय में यह केंद्र युवाओं को विभिन्न प्रकार की सरकारी संबंधित सेवाएं प्रदान करने के लिए श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय कैरियर सेवा परियोजना के तत्वावधान में स्थापित किया गया है।

17. एमएआईएमटी के लिए कंप्यूटर लैब: प्राचीन भारतीय प्रबंधन तकनीक (एमएआईएमटी) के छात्रों में परास्नातक के लिए एक कंप्यूटर लैब स्थापित की गई है।

18. प्रोफेसर एसबीआर ओपन एयर ऑडिटोरियम: पूर्व कुलपति स्वर्गीय प्रोफेसर एसबी रघुनाथाचार्य की सेवाओं को मनाने के लिए ओपन-एयर ऑडिटोरियम का नाम "प्रोफेसर एसबीआर ओपन-एयर ऑडिटोरियम" रखा गया है, जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

19. रमारंजन मुखर्जी सभागार: इस सभागार का उपयोग सेमिनार, कार्यशालाओं आदि के संचालन के लिए किया जा रहा है।

20. वैकल्पिक बिजली प्रणाली: बार-बार बिजली में उतार-चढ़ाव / ब्रेक डाउन को ध्यान में रखते हुए, विश्वविद्यालय ने किर्लोस्कर मेक की **200** लीटर टैंक क्षमता के साथ **160** केवीए के साथ एक वैकल्पिक बिजली प्रणाली (डीजल जनरेटर) स्थापित की है। यह पूरे विश्वविद्यालय को निर्बाध बिजली आपूर्ति की सुविधा प्रदान करता है।

21. विश्वविद्यालय परिसर में सौर ऊर्जा का उपयोग: विश्वविद्यालय ने सीपीडब्ल्यूडी (ई) के माध्यम से हीरो सोलर एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के साथ बिजली खरीद समझौता (पीपीए) किया, जो भारतीय सौर ऊर्जा निगम (एसईसीआई) ने परिसर में अधिकतम हरित ऊर्जा का उपयोग करने के लिए 156 किलोवाट रूफटॉप सौर पीवी (फोटोवोल्टिक) पैनलों के लिए बोलीदाता को मंजूरी दी है।

22. बैंक: यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (आर एस विद्यापीठ शाखा) की एक शाखा विश्वविद्यालय में कार्य कर रही है। छात्रों और स्टाफ के सदस्यों के लाभ के लिए एटीएम भी स्थापित किया गया था।

23. पोस्ट ऑफिस: परिसर में एक डाकघर कार्य कर रहा है।

24. विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र: - विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र छात्रों, शोध विद्वानों, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों और शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के अधिकृत आश्रितों को प्राथमिक और आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया है।

25. " परिसर में आरओ प्रणाली के माध्यम से सुरक्षित पेयजल प्रदान किया गया है।

26. माता-पिता के रिटायरिंग रूम की सुविधा: विश्वविद्यालय प्रवेश के समय या किसी अन्य अवसर पर अपनी यात्राओं के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में आने वाले छात्रों के माता-पिता / अभिभावकों को विश्वविद्यालय परिसर में आवास सुविधा प्रदान करता है।

27. महिला सुविधा केंद्र: यूजीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार, विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय की महिला कर्मचारियों और छात्रों के लिए विभिन्न सुविधाएं प्रदान करने के लिए एक सामान्य सुविधा केंद्र की स्थापना की है।

28. शैक्षिक कार्यक्रमों की पेशकश:

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) -2020 के अनुसार, एनएसयू के यूजी कार्यक्रम

a) **I** वर्ष, **II**-वर्ष, **III** वर्ष और **IV** वर्ष के अंत में कई निकासों के साथ डिज़ाइन किए गए हैं।

b) नियमित कार्यक्रम:- प्राक-शास्त्री; शास्त्री (बी.ए.); बी.ए.; **B.Sc.** कॉम्प।; **B.Sc.** योग में; आचार्य (एम.ए.); हिंदी में एमए; कंप्यूटर विज्ञान और भाषा प्रौद्योगिकी में **M.Sc**, योग थेरेपी में **M.Sc**।

c) ग) व्यावसायिक कार्यक्रम: शिक्षा शास्त्री (बीएड) और शिक्षा आचार्य (एमएड)

d) घ) अनुसंधान कार्यक्रम: पीएच.डी. (विद्यावारिधि); डी.लिट. (विद्यावाचस्पति)

e) ई) ऑनलाइन कार्यक्रम: **27** विषयों में अल्पकालिक ऑनलाइन पाठ्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

f) च) डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स: मंदिर संस्कृति में डिप्लोमा; पौरोहित्या; योग विज्ञान, संस्कृत और कानून, प्रबंधन। टेम्पल कल्चर, पौरोहित्या, फंक्शनल इंग्लिश और ज्योतिष में सर्टिफिकेट कोर्स।

g) छ) दूरस्थ शिक्षा: प्राक-शास्त्री, शास्त्री (बीए), आचार्य (एमए), संस्कृत में प्रमाणपत्र, संस्कृत में डिप्लोमा और योग विज्ञान में पीजी डिप्लोमा।

h) ज) अभिनव कार्यक्रम: विश्वविद्यालय इनोवेटिव कार्यक्रम के तहत एमएआईएमटी (प्राचीन भारतीय प्रबंधन तकनीकों में मास्टर) - (दो साल) चला रहा है।

ब्रिज कोर्स: ब्रिज कोर्स शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में चलाया जाता है जो विश्वविद्यालय के नए प्रवेशकों के लिए सीखने की गुणवत्ता में सुधार के लिए है।

परियोजनाओं:

(i) उड़ीसा चैर :

उड़ीसा सरकार ने गहन अनुसंधान करने, भगवान श्री जगन्नाथ पर प्रकाशन प्रकाशित करने और हमारे देश की सांस्कृतिक विरासत में श्री चैतन्य महाप्रभु और कवि श्री जयदेव द्वारा किए गए योगदान को उजागर करने के लिए 50 लाख रुपये के बीज अनुदान के साथ विश्वविद्यालय में उड़ीसा पीठ की स्थापना की है। पीठ का औपचारिक उद्घाटन 14 अक्टूबर 2000 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और भारत सरकार के केंद्रीय संस्कृत बोर्ड के अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री रंगनाथ मिश्रा द्वारा किया गया था।

(ii) श्री रामानुज परियोजना:

श्री रामानुजाचार्य परियोजना श्री रामानुजाचार्य की 1000 वीं जयंती पर संत श्री रामानुजाचार्य से संबंधित पांडुलिपियों को डिजिटाइज, संपादित और प्रकाशित करने के लिए संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित 118.33 लाख रुपये की राशि के साथ प्रतिष्ठित परियोजनाओं में से एक है।

(iii) पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन

परियोजना को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित किया गया है। परियोजना का उद्देश्य शिक्षकों और शिक्षण से संबंधित कमियों को दूर करना है।
शिक्षकों की कमी को पूरा करने के लिए: संस्थागत तंत्र बनाना और मजबूत करना, शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार करना, और प्रशिक्षण, पुन: प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों और संकाय को सशक्त बनाना; पुनश्चर्या और अभिविन्यास कार्यक्रम; शिक्षक शिक्षकों का पर्याप्त आधार बनाएं; अकादमिक नेतृत्व पदों के लिए संकाय तैयार करें; पाठ्यचर्या विकास और शिक्षण और अधिगम सामग्री के लिए क्षमता निर्माण करना।

(iv) महाभारत तेलुगु अनुवाद परियोजना:

संपूर्ण व्यासमहाभारत के लिए श्लोक-वार तेलुगु अनुवाद प्रकाशित करना

1.परियोजना के उद्देश्य
2. हाइपरलिंक के साथ इलेक्ट्रॉनिक पाठ तैयार करने के लिए;
3. प्रिंट मोड के लिए पाठ तैयार करने के लिए; और
4.मूल संस्कृत श्लोकों और तेलुगु अनुवाद दोनों की मेजबानी करने वाली एक वेबसाइट तैयार करना
5. इस परियोजना के लिए 70 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह परियोजना वर्तमान में प्रगति पर है और व्यासमहाभारत के लगभग 2/3 श्लोकों का तेलुगु में अनुवाद किया गया है। डीटीपी और प्रूफ-रीडिंग का काम भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

(v) अष्टादशी: न्यायप्रदीप- बहुभाषी न्याय दर्शन ई-कॉर्पस

परियोजना के उद्देश्य

I न्याय दर्शन के लिए एक समर्पित ई-भंडार बनाना;
II. कई भारतीय भाषाओं में न्याय ग्रंथों के अवलोकन की सुविधा प्रदान करना; और
III. न्याय के लिए वन-स्टॉप वेबसाइट प्रदान करके दुनिया भर के शोधकर्ताओं को सशक्त बनाना
न्यायप्रदीप परियोजना के लिए डॉ ओजीपी कल्याण शास्त्री को 12.40 लाख रुपये (बारह लाख चालीस हजार रुपये) की राशि मंजूर की गई है। परियोजना का चरण-I वर्तमान में चल रहा है।

vi) केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने वर्ष 2022-23 के दौरान दो अष्टदशी परियोजनाओं को भी मंजूरी दी, एक प्रोफेसर नारायण और दूसरा डॉ एस वैष्णवी और डॉ के सुजानी

पाठ्येतर गतिविधियाँ:

वर्ष **2022-23** के दौरान वार्षिक खेल-कूद और खेल आयोजित किए गए
एनएसएस कार्यक्रम - सभी एनएसएस कार्यक्रम वर्ष 2022-23 के दौरान आयोजित किए गए थे।

निधि प्रवाह 2022-23

विश्वविद्यालय द्वारा यूजीसी से प्राप्त धनराशि और वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान किए गए व्यय इस प्रकार हैं।

01.	यू जी सी से मिला अनुदान	:	रु 76.94 करोड़
	खर्च किया गया	:	Rs. 61.39 करोड़

सांविधिक लेखा परीक्षा

वर्ष 2021-22 के लिए विश्वविद्यालय के खातों की वैधानिक लेखा परीक्षा 21.09.2022 से 07.10.2022 की अवधि के दौरान लेखा परीक्षा महानिदेशक (केंद्रीय) हैदराबाद (एपी) द्वारा आयोजित की गई थी। वर्ष 2021-22 के लिए वार्षिक प्रतिवेदन के साथ लेखा प्रतिवेदन और लेखापरीक्षित लेखा 13.02.2023 को संसद में प्रस्तुत किए गए थे।

कार्यकारी परिषद के सदस्य

संविधि 11 का उप-पैरा	संविधि 11 के अनुसार कार्यकारी परिषद की संरचना		नामित/नियुक्त व्यक्तियों के नाम
1(अ)	कुलपति		प्रो राधाकांत ठाकुर (05.08.2022 तक) प्रो ई.सुरेश कुमार (06.08.2022 से 09.09.2022 तक) प्रो जी.एस.आर. कृष्ण मूर्ति (09.09.2022 से)
1(आ)	वरिष्ठता के अनुसार बारी-बारी से स्कूल ऑफ स्टडीज के दो डीन।	सदस्य	प्रो सी ललिता रानी, डीन साहित्य एवं संस्कृति स्कूल
		सदस्य	प्रो वी उन्नीकृष्णन नामपियाथिरी, वेदवेदांग स्कूल
1(इ)	वरिष्ठता के अनुसार बारी-बारी से डीन के अलावा एक प्रोफेसर।	सदस्य	प्रो आर.जे. रमाश्री
1(ई)	वरिष्ठता के अनुसार बारी-बारी से एक सह आचार्य	सदस्य	डॉ. बोंदु चंद्रशेखरम
1(उ)	न्यायालय के दो सदस्य, जिनमें से कोई भी विश्वविद्यालय या कॉलेज या विश्वविद्यालय से संबद्ध या मान्यता प्राप्त संस्थान का कर्मचारी नहीं होगा	सदस्य	रिक्त
		सदस्य	रिक्त
1(ऊ)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का एक प्रतिनिधि	पदेन सदस्य	डॉ. जीतेन्द्र कुमार त्रिपाठी, संयुक्त सचिव (सीयू)
1(ए)	विजिटर द्वारा नामित तीन प्रतिष्ठित शिक्षाविद	सदस्य	रिक्त
		सदस्य	रिक्त
		सदस्य	रिक्त
1(ए)	संस्कृत और संबद्ध विषयों के क्षेत्र में दो प्रतिष्ठित शिक्षाविदों को कुलपति की सिफारिशों पर केंद्र सरकार द्वारा नामित किया जाएगा	सदस्य	रिक्त
		सदस्य	रिक्त

1(ओ)	मानव संसाधन विकास मंत्रालय में संयुक्त सचिव विश्वविद्यालय की देखभाल कर रहे हैं	पदेन सदस्य	संयुक्त सचिव (पी&आई सी सी)
*	वित्त अधिकारी	विशेष आमंत्रित	श्री मुनीश मलिक (14.09.2022 से) वाई वी कृष्णा राव (14.09.2022से 31.03.2023 तक)
1(औ)	कुलसचिव	सचिव	कमांडर चल्ला वेंकटेश्वर (सेवानिवृत्त)

अकादमिक परिषद (एसी) के सदस्य

क्र सं	संविधि 13 का उप-पैरा	संविधि 13 के अनुसार अकादमिक परिषद की संरचना		नामित/नियुक्त व्यक्तियों के नाम
1	1(a)	कुलपति	अध्यक्ष	प्रो.राधाकांत ठाकुर (05.08.2022 तक) प्रो.ई.सुरेश कुमार (06.08.2022से 09.09.2022 तक) प्रो.जी.एस.आर. कृष्णमूर्ति (09.09.2022 से आगे) माननीय कुलपति एवं अध्यक्ष,अकादमिक परिषद राष्ट्रीयसंस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति
2	1(b)	स्कूल ऑफ स्टडीज के डीन	पदेन सदस्य	डीन, साहित्य एवं संस्कृति
			पदेन सदस्य	डीन, वेदवेदांगों का विद्यालय
			पदेन सदस्य	डीन, दर्शन का स्कूल
			पदेन सदस्य	डीन, शिक्षा विद्यालय
3	1(c)	विभागों के प्रमुख और केंद्रों के निदेशक	पदेन सदस्य	अंग्रेजी विभाग विभागाध्यक्ष
			पदेन सदस्य	व्याकरण विभाग विभागाध्यक्ष
			पदेन सदस्य	विशिष्द्वैत वेदांत विभाग विभागाध्यक्ष
			पदेन सदस्य	न्याय विभाग विभागाध्यक्ष
			पदेन सदस्य	अनुसंधान एवं प्रकाशन विभागाध्यक्ष विभाग
			पदेन सदस्य	कंप्यूटर विज्ञान विभागाध्यक्ष विभाग
			पदेन सदस्य	द्वैत वेदांत विभागाध्यक्ष विभाग
			पदेन सदस्य	विभागाध्यक्ष शिक्षा विभाग
			पदेन सदस्य	

				साहित्य विभाग विभागाध्यक्ष
			पदेन सदस्य	ज्योतिष विभागाध्यक्ष विभाग
			पदेन सदस्य	अद्वैत वेदांत विभाग विभागाध्यक्ष
			पदेन सदस्य	आगम विभाग विभागाध्यक्ष
			पदेन सदस्य	निर्देशक, सीडीओई
			पदेन सदस्य	शिक्षा विभाग, विभागाध्यक्ष
			पदेन सदस्य	निर्देशक संस्कृत भाषा प्रचार केंद्र
4	1(d)	विभागों के प्रमुखों के अलावा दो प्रोफेसर; कुलपति द्वारा नामित की जाने वाली वरिष्ठता के अनुसार	सदस्य	प्रो. के. ई. देवनाथन
			सदस्य	प्रो. के. राजगोपालन
5	1(e)	विश्वविद्यालय के दो शिक्षक, जिनमें से कम से कम एक एसोसिएट प्रोफेसर होगा, कुलपति द्वारा नामित वरिष्ठता के अनुसार बारी-बारी से	सदस्य	डॉ. बी. चन्द्रशेखरम
			सदस्य	डॉ. पंकज कुमार व्यास
6	1(f)	प्रत्येक अध्ययन और केंद्रों से मदों (बी), (सी), (डी) और (ई) में संदर्भित लोगों के अलावा एक सदस्य।	सदस्य	प्रो. पी.टी.जी.वाई. संपत कुमार चार्युलु
			सदस्य	प्रो.रजनीकांत शुक्ल
			सदस्य	प्रो सत्यनारायण आचार्य
			सदस्य	डॉ. निरंजन मिश्र
7	1(g)	तीन व्यक्ति, जो विश्वविद्यालय के कर्मचारी नहीं हैं, उन्हें उनके विशेष ज्ञान के लिए अकादमिक परिषद की सिफारिशों पर कुलपति द्वारा नामित किया जाएगा।	सदस्य	प्रो. सी. श्रीहरि शर्मा, सेवानिवृत्त प्राचार्य, राजराजेश्वरी संस्कृत महाविद्यालय, वेमुलावाड़ा
			सदस्य	प्रो. के. नीलकंठम, निदेशक ¬संस्कृत अकादमी, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद
			सदस्य	प्रोफेसर पेन्ना मधुसूदन ¬कवि कुलगुरु संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक, मध्य प्रदेश
8	1(h)	न्यायालय के दो सदस्य, जिनमें से कोई भी विश्वविद्यालय या कॉलेज या विश्वविद्यालय से संबद्ध या मान्यता प्राप्त संस्थान का कर्मचारी नहीं होगा	सदस्य	रिक्त
			सदस्य	रिक्त

	*	डीन अकादमिक मामलों	विशेष आमंत्रित	प्रो. टी.वी.राघवाचार्युलु
	*	परीक्षा नियंत्रक	विशेष आमंत्रित	डॉ. के संबासिवा मूर्ति
9	(2)	कुल सचिव	सचिव	कमांडर चल्ला वेंकटेश्वर (सेवानिवृत्त)

वित्त समिति के सदस्य

क्र सं	संविधि के अनुसार वित्त समिति का गठन		नामित/नियुक्त व्यक्तियों के नाम
1.	कुलपति	अध्यक्ष	प्रो.राधाकांत ठाकुर (05.08.2022 तक) प्रो.ई.सुरेश कुमार (06.08.2022 से 09.09.2022 तक) प्रो. जी.एस.आर. कृष्णमूर्ति (09.09.2022 से)
2.	न्यायालय द्वारा नामित किया जाने वाला एक व्यक्ति	सदस्य	रिक्त
3.	कार्यकारी परिषद द्वारा नामित किए जाने वाले तीन व्यक्ति, जिनमें से कम से कम एक कार्यकारी परिषद का सदस्य होगा।	सदस्य	डॉ. जे.के.त्रिपाठी
		सदस्य	प्रो. प्रल्हाद आर. जोशी
		सदस्य	प्रो. आर. दीप्ता
4.	एमओई के एक प्रतिनिधि	सदस्य	श्री संजोग कपूर संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार, शिक्षा मंत्रालय
	कुल सचिव	विशेष आमंत्रित सदस्य	कमांडर चल्ला वेंकटेश्वर (सेवानिवृत्त
5.	वित्त अधिकारी	सदस्य-सचिव	श्री मुनीश मलिक (14.09.2022 तक) और श्री वाई वी कृष्णा राव (14.09.2022 से 31.03.2023 तक)

चिकित्सा सलाहकार समिति के सदस्य

क्र सं	चिकित्सा सलाहकार समिति का गठन		नामित/नियुक्त व्यक्तियों के नाम
1.	कुलसचिव	अध्यक्ष	कमांडर चल्ला वेंकटेश्वर (सेवानिवृत्त)
2.	वित्त अधिकारी	सदस्य	**श्री मुनीश मलिक** (14.09.2022 **तक**) **श्री वाई.वी.कृष्णा राव** (14.09.2022 **से** 31.03.2023 **तक**)
3.	डीन, छात्र कल्याण	सदस्य	प्रो.राधागोविंद त्रिपाठी
4.	चीफ वार्डन	सदस्य	प्रो. पी. वेंकट राव
5.	चिकित्सा विशेषज्ञ-I	सदस्य	डॉ.टी.भारती
6.	चिकित्सा विशेषज्ञ-द्वितीय	सदस्य	कैप्टन (डॉ.) रवीन्द्र कुमार
7.	उपकुलसचिव	सदस्य	श्री वाई.वी.कृष्णा राव
8.	चिकित्सा अधिकारी	सदस्य	डॉ. पी. श्वेता
9.	विशेष आमंत्रित	सदस्य	डॉ.बी.मणिलाल
10.	विशेष आमंत्रित	सदस्य	डॉ.रामाराव
11.	चिकित्सा अधिकारी	सदस्य सचिव	डॉ.बी.बालदत्तात्रेय

योजना और निगरानी बोर्ड के सदस्य

क्र सं	संविधि 15 का उप-पैरा	संविधि 11 के अनुसार कार्यकारी परिषद की संरचना		नामांकित/नियुक्त व्यक्तियों के नाम
1	1(i)	कुलपति	अध्यक्ष	**प्रो.राधाकांतठाकुर** (05.08.2022 **तक**) **प्रो.ई.सुरेश कुमार** (06.08.2022 **से** 09.09.2022 **तक**) **प्रो. जी.एस.आर. कृष्णमूर्ति** (09.09.2022 **से आगे**)
2	1(ii)	तीन आंतरिक सदस्य, कार्यकारी परिषद द्वारा नामित किए जाएंगे	आंतरिक सदस्य	शैक्षिक संकाय प्रमुख
			आंतरिक सदस्य	वेदवेदांग डीन
			आंतरिक सदस्य	शिक्षा शास्त्र डीन,
3	1(iii)	विश्वविद्यालय नियोजन का विशेष ज्ञान रखने वाले तीन प्रख्यात शिक्षाविदों को कार्यकारी परिषद द्वारा नियुक्त किया जाएगा	सदस्य	प्रो संतनु भट्टाचार्य निदेशक, आईआईएसईआर, तिरूपति
			सदस्य	प्रोफ. रानी सदसिवमूर्ति कुलपति श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविध्यालय तिरुपति
			सदस्य	प्रो. एस सत्यनारायण मूर्ति प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) पूर्व कुलपति प्रभारी, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरूपति
4	1(iv)	वित्त अधिकारी	सदस्य	**श्री मुनीश मलिक**(14.09.2022 **तक**)**श्री वाई.वी.कृष्ण राव** (14.09.2022 **से** 31.03.2023 **तक**)
	1(v)	कुल सचिव	आंतरिक सदस्य	कमांडर चल्ला वेंकटेश्वर (सेवानिवृत्त)

भवन निर्माण समिति के सदस्य			
क्र सं	संविधि के अनुसार भवन समिति का गठन		नामित/नियुक्त व्यक्तियों के नाम
01.	कुलपति	अध्यक्ष	प्रो.राधाकांत ठाकुर (05.08.2022 तक) प्रो.ई.सुरेश कुमार (06.08.2022 से 09.09.2022 तक) प्रो. जी.एस.आर. कृष्णमूर्ति (09.09.2022 से)
02.	डीन, अकादमिक मामले, एनएसयू	सदस्य	प्रो ए. श्रीपाद भट्ट
03.	डीन, स्कूल ऑफ एजुकेशन, एनएसयू	सदस्य	प्रो एन लता
04.	डीन, स्कूल ऑफ़ वेद-वेदांगास, एन एस यू	सदस्य	प्रो वी. उन्नीकृष्णननामपियाथिरी
05.	डीन,साहित्य और संस्कृति , एनएसयू	सदस्य	प्रो.सी. ललिता रानी
06.	वित्त अधिकारी, एनएसयू	सदस्य	**श्री मुनीश मलिक** (14.09.2022 **तक**) **श्री वाई.वी.कृष्ण राव** (14.09.2022 **से** 31.03.2023 **तक**)
07.	डीन, सिविल इंजीनियरिंग विभाग एसवीयूसीई, तिरूपति	सदस्य	प्रो. डी.वी. प्रसाद राव
08.	सी.ई. (सिविल) सीपीडब्ल्यूडी, विजयवाड़ा	सदस्य	ई आर एम.वी. राव
09.	सी.ई. (सिविल) (सेवानिवृत्त) सीपीडब्ल्यूडी	सदस्य	ई आर कनकाराजू
10.	ई.ई. (इलेक्ट.) सीपीडब्ल्यूडी, तिरूपति	सदस्य	ई आर रौनकश्रीवास्तवा
11.	ई.ई. (सिविल) सीपीडब्ल्यूडी, तिरूपति	सदस्य	ई आर. एन श्रीनिवास रेड्डी 31.03.2023 तक
12.	सहायक अभियंता, एनएसयू	सदस्य	ऐरा. ओ कृष्णा प्रसाद UP03.03.2023 ऐरा. टी.एस. भरणी कुमार (03.03.2023 से)

13.	वास्तुकार, सीपीडब्ल्यूडी, विजयवाड़ा	सदस्य	श्री एस.के. भाषा
14.	निदेशक, एसपीए, विजयवाड़ा	सदस्य	प्रो. (डॉ.) रमेश श्रीकोंडा
15.	बागवानी विशेषज्ञ, टुडा, तिरूपति	सदस्य	श्रीमती के. मलाथी
16.	कुलसचिव,	सदस्य सचिव	कमांडर चल्लावेंकटेश्वर (सेवानिवृत्त)

विश्वविद्यालय के अधिकारी

1. प्रो.राधाकांत ठाकुर	-	कुलपति
(05.08.2022 तक)		
प्रो.ई.सुरेश कुमार		
(06.08.2022 से **09.09.2022**)		
प्रो. जी.एस.आर. कृष्णमूर्ति		
(09.09.2022 से)		
2. कमांडरचल्लावेंकटेश्वर(सेवानिवृत्त)	–	कुलसचिव
3. श्री मुनीश मलिक	-	वित्त अधिकारी
(14.09.2022 तक)		
श्री वाई.वी.कृष्णा राव		
(14.09.2022 से 31.03.2023 तक)		
4. डॉ. के. संबाशिवमूर्ति	-	परीक्षा नियंत्रक
5. श्री वाई.वी.कृष्णा राव	–	उपकुलसचिव
6. डॉ. वसंत एन	-	डिप्टी लाइब्रेरियन
7. प्रो. सी. राघवन	-	जनसंपर्क अधिकारी
8. श्री सी. ईश्वरैया	-	सहायक कुलसचिव (परीक्षाएँ)
9. श्रीमती. एम. उषा	-	सहायक कुलसचिव (प्रशासन)
10. श्री यू. संबाशिव राव	-	सहायक कुलसचिव (स्थापना)
11. डॉ.यू.वी.शेषकुमार	-	सहायक कुलसचिव (वित्त एवं लेखा)
12.श्री सरथकुमार वी.	-	सहायक कुलसचिव (29.12.2022 तक) (स्थापना)

स्कूल के डीन

डीन, अकादमिक मामलों	-	1. प्रो जी.एस.आर.कृष्णमूर्ति (22.12.2021 से 12.09.2022) 2. प्रो ए श्रीपाद भट्ट (12.09.2022 से 31.03.2023)
साहित्य और संस्कृति का स्कूल	-	प्रो सी.ललिता रानी
वेद वेदांगों का स्कूल	-	1. प्रो वी. उन्नीकृष्णन नामम्पियाथरी
दरसाना का स्कूल	-	1. प्रो नरसिंहाचार्य पुरोहित (31.05.2022) 2. प्रो टी वी राघवाचार्युलु (01.06.2022 से 31.03.2023)
शिक्षा के स्कूल	-	1. प्रो प्रह्लाद आर. जोशी (08.08.2022) 2. प्रो एन लता (08.08.2022)
डीन, छात्र कल्याण	-	प्रो राधागोविंद त्रिपाठी

विभाग के प्रमुख

I शिक्षा के स्कूल

1. शिक्षा विभाग - प्रो पी. वेंकट राव (24.01.2023)
   प्रो के. कादंबिनी (**से** 24.01.2023)
2. गणित विभाग - डॉ. चंदूलाल (आई/सी)
3. कंप्यूटर विज्ञान विभाग - प्रो आर.जे.रमाश्री
4. अनुवाद विभाग - डॉ. एम.जी.नंदनराव
5. शारीरिक शिक्षा विभाग - --

II साहित्य और संस्कृति का स्कूल

1. साहित्य विभाग - प्रो सी रंगनाथन
2. पुरानेतिहासा विभाग - डॉ. परमिता पांडा
3. इतिहास विभाग - प्रो एस.आर.सरन्या कुमार
4. तेलुगु विभाग - डॉ. वाई. विजयलक्ष्मी
5. हिंदी विभाग - डॉ. टी. लता मंगेश
6. अंग्रेजी विभाग - प्रो आर. दीप्ता
7. अनुसंधान और प्रकाशन विभाग - प्रो के. सूर्यनारायण
8. प्रदर्शन कला विभाग - डॉ वी बालसुब्रमण्यम

III दर्शन स्कूल

1. न्याय विभाग - प्रो के विश्वनाथ
2. सांख्य योग विभाग - डॉ. डी. ज्योति
3. मीमांसा विभाग - डॉ. टी.एस.आर. नारायण
4. अद्वैत वेदांत विभाग - प्रो.के.एस.सतीशा
5. विश्वाद्वैत वेदांत विभाग - प्रो सी राघवन
6. द्वैत वेदांत विभाग - प्रो. नारायण
7. अगमा विभाग - प्रो वी.एस. विष्णु भट्टाचारयुलु

8. योग विज्ञान विभाग - डॉ. आर. लक्ष्मी नारायण

9. शाब्दबोध सिस्टम और कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान विभाग – रिक्त

IV **वेदवेदांग स्कूल**

1. **वेदभश्याम विभाग** - **डॉ. निरंजन मिश्रा**
2. व्याकरण विभाग - प्रो आर एल नरसिम्हा शास्त्री
3. ज्योतिष और वास्तु विभाग - प्रो कृष्णेश्वर झा
4. **धर्मशास्त्र विभाग** - **डॉ. सुधांशु शेखर महापात्र**

केन्द्र:

संस्कृत भाषा संवर्धन केंद्र - 1. प्रो प्रह्लाद आर. जोशी (02.08.2022से)
2. डॉ. सीताराम शर्मा (05.08.2022 से)

सेंटर फॉर इनसर्विस टीचर एजुकेशन - प्रो पी वेंकट राव (27.01.2023 से)

शस्त्र परिरक्षण केंद्र - प्रो के गणपति भट्ट

विश्वविद्यालय विभाग

I शिक्षा स्कूल

1. शिक्षा विभाग
2. गणित विभाग
3. कम्प्यूटर विज्ञान विभाग
4. अनुवाद विभाग
5. शारीरिक शिक्षा विभाग

II साहित्य और संस्कृति

1. साहित्य विभाग
2. पुराणेतिहास विभाग
3. इतिहास विभाग
4. तेलुगु विभाग
5. हिन्दी विभाग
6. अंग्रेजी विभाग
7. अनुसंधान एवं प्रकाशन विभाग
8. प्रदर्शन कला विभाग

III दर्शन स्कूल

1. न्याय विभाग
2. सांख्ययोग विभाग
3. मीमांसा विभाग
4. अद्वैत वेदांत विभाग
5. विशिष्टाद्वैत वेदांत विभाग
6. द्वैतवेदांत विभाग
7. आगम विभाग
8. योगविज्ञान विभाग
9. शब्दबोध प्रणाली और कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान विभाग

IV वेदवेदांग स्कूल

1. वेदभाष्यम विभाग
2. व्याकरण विभाग
3. ज्योतिष एवं वास्तु विभाग
4. धर्मशास्त्र विभाग

शिक्षण कर्मचारियों की सूची

I. शिक्षा स्कूल

❖ शिक्षा विभाग

1. प्रो रजनीकांत शुक्ल, आचार्य
2. प्रो प्रह्लाद जोशी,आचार्य (केबीवीएएएस एवं ए एएस विश्वविध्याल, असम में प्रतिनियुक्ति पर)
3. प्रो. एन.लता, आचार्या
4. प्रो. पी वेंकट राव, आचार्य
5. प्रो के.कादंबिनी, आचार्या
6. प्रो.राधागोविंद त्रिपाठी, आचार्य
7. प्रो. एस. दक्षिणा मूर्ति शर्मा, आचार्य
8. प्रो. एस. मुरलीधर राव, आचार्य
9. प्रो. आर. चन्द्रशेखर, आचार्य
10. डॉ. ए. सुनीता, सह आचार्य
11. डॉ. ए. सच्चिदानंद मूर्ति, सहायक आचार्य
12. डॉ. ए. शेखर रेड्डी, सहायक आचार्य
13. डॉ. पी. माधव राव, सहायक आचार्य
14. डॉ. एस. लक्ष्मीसीताराम शर्मा, सहायक आचार्य
15. डॉ. जी. उमानरसिम्हा मूर्ति, सहायक आचार्य
16. डॉ. ए. चारुकेश, सहायक आचार्य
17. डॉ. आलोक मंडल, सहायक आचार्य
18. डॉ. एम.दत्तात्रेयशर्मा, सहायक आचार्य
19. डॉ. एस.वैष्णवी, सहायक आचार्य
20. डॉ. वी. बालासुब्रमण्यम, सहायक आचार्य
21. डॉ. एम. आदेन्ननायक, सहायक आचार्य
22. डॉ. कुमार बगेवाड़ीमथ, सहायक आचार्य
23. डॉ. जयन्तनुनिया, सहायक आचार्य
24. डॉ. लक्ष्मण कुमार, सहायक आचार्य
25. डॉ. सुजन विश्वास, सहायक आचार्य

❖ गणित विभाग

1. प्रो. वी.रमेश बाबू, आचार्य
2. डॉ. ए. चंदूलाल, सहायक आचार्य

❖ कंप्यूटर विज्ञान विभाग

1. प्रो. आर.जे. रमाश्री, आचार्या
2. प्रो जी श्रीधर, आचार्य
3. डॉ. बी. चन्द्रशेखरम, सह आचार्य
4. डॉ. जी. नागलक्ष्मी, सहायक आचर्या
5. डॉ. एम. मेरी सुजाता, सहायक आचर्या

❖ अनुवाद विभाग

1. डॉ.एम.जी.नंदना राव, सहायक आचार्य
2. डॉ. के. कुमार, सहायक आचार्य

❖ शारीरिक शिक्षा विभाग

1. श्री. वी. सेथुराम, सहायक निदेशक, शारीरिक शिक्षा एवं खेल

❖ संस्कृत भाषा संवर्धन केंद्र

1. डॉ. एस.एल. सीताराम शर्मा, निदेशक

❖ सेवाकालीन शिक्षक शिक्षा केंद्र

1. प्रो. पी. वेंकट राव, निदेशक

II. साहित्य एवं संस्कृति स्कूल

❖ साहित्य विभाग

1. प्रो. सी. ललिता रानी, आचार्य
2. प्रो सत्यनारायण आचार्य, आचार्य
3. प्रो. रानी सदाशिव मूर्ति, आचार्य (श्री वेंकटेश्वर वैदिक की प्रतिनियुक्ति पर)। विश्वविद्यालय, तिरूपति.
4. प्रो.सी.रंगनाथन, आचार्य
5. प्रो.के.राजगोपालन, आचार्य
6. प्रो. जी. शंकर नारायणन, आचार्य
7. डॉ. जे.बी. चक्रवर्ती, सह आचार्य
8. डॉ. प्रदीप कुमार बाग, सहायक आचार्य
9. डॉ. भारत भूषण रथ, सहायक आचार्य
10. डॉ. के. लीनाचंद्र, सहायक आचार्या
11. डॉ. श्वेतापद्म शतपथी, सहायक आचार्या
12. डॉ. ज्ञानरंजन पांडा, सहायक आचार्य
13. डॉ.एम.सुजाता, सहायक आचार्या ()

❖ इतिहास विभाग

1. प्रो.एस.आर.सरण्य कुमार, आचार्य

❖ पुराणेतिहास विभाग

1. डॉ. परमिता पांडा, सहायक आचार्या

❖ तेलुगु विभाग

1. डॉ. डी. नल्लन्ना, सह आचार्य
2. डॉ. वाई. विजयलक्ष्मी, सहायक आचार्य

❖ **अंग्रेजी विभाग**

1. प्रो. आर.दीप्ता, आचार्या
2. डॉ. बी एल वी जी जगनमोहन, सहायक आचार्य

❖ **हिन्दी विभाग**

1. डॉ. टी. लतामंगेश, सहायक आचार्या
2. डॉ. वेदप्रकाश प्रभाकर बोरकर, सहायक आचार्य

❖ **अनुसंधान एवं प्रकाशन विभाग**

1. प्रो.विरूपाक्ष वी.जद्दीपाल, आचार्य (महर्षि सांदीपनिराष्ट्रीय वेद विद्याप्रतिष्ठान,उज्जैन में प्रतिनियुक्ति पर)
2. प्रो. के. सूर्यनारायण, आचार्य
3. डॉ. शिवराम रामकृष्ण भट्ट, सह आचार्य
4. डॉ. राजेश मीना, सह आचार्य
5. डॉ.सोमनाथ दास, सहायक आचार्य
6. डॉ. चौ. नागराजू, सहायक आचार्य

❖ **प्रदर्शन कला विभाग**

1. डॉ. हंस प्रभाकर रविदास, सहायकआचार्य
2. श्री आदर्श एम.ए. सहायक आचार्य

❖ प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणाली केंद्र

III. **दर्शन स्कूल**

❖ **न्याय विभाग**

1. प्रो. पी.टी.जी.वाई. संपतकुमाराचार्युलु, आचार्य
2. प्रो. के. विश्वनाथ, आचार्य
3. डॉ. ओजीपी कल्याणशास्त्री, सह आचार्य

❖ **सांख्य योग विभाग**

1. डॉ. डी. ज्योति, सह आचार्या

❖ **मीमांसा विभाग**

1. डॉ. टी.एस.आर. नारायणन, सह आचार्य

❖ **अद्वैत वेदांत विभाग**

1. प्रो. के. गणपति भट्ट, आचार्य
2. प्रो. के.एस.सतीशा, आचार्य
3. श्री श्रीहरिशिवराम धायगुड़े, सहायक आचार्य
4. डॉ. शिंदे मनोज अंगद, सहायक आचार्य

❖ **विशिष्टाद्वैत वेदांत विभाग**

1. प्रो. के. ई. देवनाथन, आचार्य
2. प्रो. सी.राघवन, आचार्य

❖ **द्वैत वेदांत विभाग**

1. प्रो नरसिम्हाचार्य पुरोहित, आचार्य (**31.05.2022** को सेवानिवृत्त)
2. प्रो नारायण, आचार्य

❖ **आगम विभाग**

1. प्रो टी.वी.राघवाचार्युलु, आचार्य
2. प्रो वी.एस.विष्णु भट्टाचार्युलु, आचार्य
3. डॉ. पीटीजी रंगरामानुजाचार्युलु, सहायक आचार्य

❖ **योग विज्ञान विभाग**

1. डॉ. आर. लक्ष्मी नारायण, सहायक आचार्य
2. डॉ.तपन कुमार घड़ेई, सहायक आचार्य
3. डॉ. टी. शिवकुमार, सहायक आचार्य
4. श्री के.सी.एस. लोकेश्वर, सहायक आचार्य
5. श्री राहुल कुमार शर्मा, सहायक

❖ **शब्दबोध प्रणाली और कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान विभाग**

❖ **शास्त्र परिक्षण केंद्र**

1. प्रो. के. गणपति भट्ट, निदेशक

IV. **वेदवेदांगों स्कूल**

❖ **वेदभाष्यम् विभाग**

डॉ. निरंजन मिश्र, सहायक आचार्य

❖ **व्याकरण विभाग**

1. प्रो आर.एल.नरसिम्हशास्त्री, आचार्य
2. डॉ. पंकज कुमार व्यास, सह आचार्य
3. डॉ. एन.आर. रंगनाथ ताताचार्य, सहायक आचार्य
4. डॉ. यशस्वी, सहायक आचार्य
5. डॉ. संतोष माझी, सहायक आचार्य
6. श्री गोपेश कुमार शर्मा, सहायक आचार्य
7. डॉ. उदयन हेगड़े, सहायक आचार्य

❖ **ज्योतिष एवं वास्तु विभाग**

1. प्रो राधाकांत ठाकुर, आचार्य
2. प्रो ए श्रीपाद भट्ट, आचार्य
3. प्रो.वी.उन्नीकृष्णननामपियात्री, आचार्य
4. प्रो.कृष्णेश्वर झा, आचार्य
5. डॉ.चितरंजन नायक, सहायक आचार्य
6. डॉ. वी. धर्मदासन, सहायक आचार्य
7. डॉ. कृष्ण कुमार भार्गव, सहायक आचार्य
8. श्री बालकराम सारस्वत, सहायक आचार्य

❖ **धर्मशास्त्र विभाग**

1. डॉ. सुधांशु शेखर महापात्र, सहायक आचार्य

गैर-शिक्षण कर्मचारियों की सूची

क्र सं	कर्मचारी का नाम	पद का नाम
गैर-शिक्षण - समूह-'ए' कर्मचारी		
01	कमांडर चल्लावेंकटेश्वर (सेवानिवृत्त)	कुलसचिव
02	श्री मुनीश मलिक	वित्त अधिकारी (14.09.2022 तक)
03	डॉ. के. सांबसिव मूर्ति	परीक्षा नियंत्रक
04	डॉ. वसंत एन	उप पुस्तकलयाध्यक्ष
05	श्री कृष्ण राव वाई.वी.	उप कुलसचिव प्रभारी वित्त अधिकारी (14.09.2022 ए से 31.03.2023 तक)
06	श्री सी. ईश्वरैया	सहायक कुलसचिव
08	श्रीमती एम. उषा	सहायक कुलसचिव
09	श्री यू. सांबशिव राव	सहायक कुलसचिव
10	डॉ. यू.वी. शेष कुमार	सहायक कुलसचिव
11	श्री सरथ कुमार वी. (29.12.2022 तक)	सहायक कुलसचिव
11	डॉ. पी. गिरि नायडू	**सहायक विश्वविद्यालय पुस्तकलयाध्यक्ष**
12	श्री जे. हरिनारायण	सूचना वैज्ञानिक
13	श्री. वी. सेतुराम	सहा. फिजियो के निदेशक. एडु. & खेल
14	डॉ. बी. बाल दत्तात्रेय	चिकित्सा अधिकारी
15	डॉ. पी. श्वेता	चिकित्सा अधिकारी
16	डॉ. के. सुजनी	प्रणाली विश्लेषक
गैर-शिक्षण - समूह-'बी' कर्मचारी		

01	श्री टी.एस. भरणी कुमार	सहायक अभियंत्री
02	श्रीमती एम. स्वरूपा	निजी सचिव
03	श्री के.बी. अघोर सुब्रमण्यम	अनुभाग अधिकारी
04	श्री जे.वी.एस.एस.आर.शर्मा	अनुभाग अधिकारी
05	श्री डी.एस.पी. रामकृष्ण	अनुभाग अधिकारी (30.11.2022 को सेवा निवृत्त)
06	श्री पी. कृपाकर	अनुभाग अधिकारी
07	श्री खेम राज मीना	नर्सिंग अधिकारी
08	श्री जी. कृष्णसिम्हा रेड्डी	निजी सचिव
09	श्री पी. चिदम्बरम	निजी सचिव
10	श्री एम. राणाप्रताप सिंह	अनुभाग अधिकारी (01.12.2022 पदोनत्त)
11	श्री एस. रमेश	सहायक
12	श्री जी. चेन्नकेसवुलु	सहायक
13	श्री जे.एल. श्रीनिवास	सहायक
14	श्री पी. बालासुब्रमण्यम	सहायक
15	श्री के.बी. सुब्रमण्यम	सहायक (01.12.2022 पदोन्नत)
16	श्री ओ. कृष्ण प्रसाद	कनिष्ठ अभियंता
17	श्री पी.के. फणि वर्मा	प्रबंधक
18	श्री आर श्रीनिवासुलु	पेशेवर सहायक
19	श्री पी. मधुसूदन	पेशेवर सहायक (स्वैच्छिक 23.11.2022)
20	श्री ए भास्कर रेड्डी	पेशेवर सहायक

गैर-शिक्षण - समूह-' सी' कर्मचारी		
01	श्री आर वेंकटरामैया	तकनीकी सहायक
02	डॉ. दिलीपकुमार मिश्र	अनुसंधान सहायक
03	श्री के. संकीर्ति	टेक. सहायक (कॅम्प.)
04	श्री. के पृथ्वी राज	टेक. सहायक (कॅम्प.)
05	श्रीमती सी. वनिता	स्वास्थ्य निरीक्षक
06	श्री बी साईचंद	लैब. तकनीशियन
07	श्री पी. विक्टर कुमार	फार्मेसिस्ट
08	डॉ. सी. गिरि कुमार	फ़ि. ट्रग. प्रशिक्षक
09	श्री के.बी. सुब्रमण्यम	उच्च श्रेणी लिपिक
10	सुश्री एम. लक्ष्मी	उच्च श्रेणी लिपिक
11	श्री ए. विनयसिम्हा	उच्च श्रेणी लिपिक
12	सुश्री के. मधुमिता	उच्च श्रेणी लिपिक
13	श्री ए. रामू	उच्च श्रेणी लिपिक

14	श्री सी.वी. पुरूषोत्तम राव	उच्च श्रेणी लिपिक
15	श्री ए.पी. मुरली	उच्च श्रेणी लिपिक
16	श्री एम.वी.ए. सत्या बालाजी	यू.डी. लिपिक (01.12.2022 पदोन्नत)
17	श्री पी. श्रीनिवासुलु	उच्च श्रेणी लिपिक
18	श्रीमती वाई गुणवती	उच्च श्रेणी लिपिक
19	श्रीमती के. नागवेनी	एल.डी. लिपिक
20	श्रीई. विनय कुमार	एल.डी. लिपिक
21	श्री जे वेंकट साई आदित्य	एल.डी. लिपिक
22	श्रीमती वाई. सिरीशा	एल.डी. लिपिक
23	श्री एस.वी.एन.सी. नागार्जुन	एल.डी. लिपिक
24	श्री ए. विकाससिम्हा	एल.डी. लिपिक
25	श्री एन भरत राज	एल.डी. लिपिक
26	सुश्री बी मनसाभारती	एल.डी. लिपिक
27	श्री के. श्रीनिवास	एल.डी. लिपिक
28	सुश्री ए रजनी	एल.डी. लिपिक (27.03.2023)
29	श्री ए.सीताराम	प्रयोगशाला सहायक
30	श्री एन.वी. रमण प्रसाद	प्रयोगशाला सहायक
31	श्री पी. सत्यनारायण राव	पकाना
स्टाफ कार चालक		
32	श्री बी मुनि रेड्डी	स्टाफ़ कार चालक
33	श्री के.सी. कोटेश्वर राव	स्टाफ़ कार चालक
पुस्तकालय कर्मचारी		
34	श्री के. रमेश बाबू	अर्ध व्यावसायिक सहायक.
35	श्री शेख जाविद	अर्ध व्यावसायिक सहायक
36	श्री सयांतो महतो	संरक्षण सहायक
37	श्रीमती जी. वसुंधरा	पुस्तकालय सहायक
38	श्रीअंकित कुमार मीणा	पुस्तकालय सहायक
39	श्री टी. सत्यनारायण	लाइब्रेरी अटेंडेंट
40	श्री टी. राजकुमार	लाइब्रेरी अटेंडेंट
41	श्री डी. रमेश	लाइब्रेरी अटेंडेंट
गैर-शिक्षण - समूह -' सी' एमटीएस स्टाफ		
42	श्री पी. मल्लिकार्जुन रेड्डी	समूह 'सी' एमटीएस
43	श्रीमती के. पर्वतम्मा	समूह 'सी' एमटीएस
44	श्रीमती पी. पद्मावती	समूह 'सी' एमटीएस

45	श्री आई. सुब्रमण्यम	समूह 'सी' एमटीएस
46	श्रीमती एम. शांति	समूह 'सी' एमटीएस
47	श्री सी. शिवकुमार	समूह 'सी' एमटीएस
48	श्री पी. सूर्यनारायण	समूह 'सी' एमटीएस
49	श्री जी. बालकृष्णैया	समूह 'सी' एमटीएस
50	श्रीमती सी. मीणा	समूह 'सी' एमटीएस
51	श्रीमती पी. अमरावती	समूह 'सी' एमटीएस
52	श्री एस.एन. हेमाद्री	समूह 'सी' एमटीएस
53	श्री एम. एबू	समूह 'सी' एमटीएस
54	श्री पी. मस्तानैय्या	समूह 'सी' एमटीएस
55	श्री के. शेषाद्रि	समूह 'सी' एमटीएस
56	श्री के. शेषाद्रि	समूह 'सी' एमटीएस
57	श्री डी मोहन रेड्डी	समूह 'सी' एमटीएस
58	श्री सी. विश्वनाथम	समूह 'सी' एमटीएस
59	श्री बी. रविकुमार	समूह 'सी' एमटीएस
60	श्रीमती बी. विजया	समूह 'सी' एमटीएस
61	श्री एम. रमेश बाबू	समूह 'सी' एमटीएस
62	श्री एच. प्रसाद	समूह 'सी' एमटीएस
63	श्री वी.बी. पवन कुमार	समूह 'सी' एमटीएस
64	श्रीमती ई. प्रशांति	समूह 'सी' एमटीएस
65	श्री वेंकट कार्तिक	समूह 'सी' एमटीएस
66	सुश्री एन. लोहिथा ललिता	समूह 'सी' एमटीएस
67	सुश्री ए. रासी	समूह 'सी' एमटीएस
68	सुश्री पी. पार्थीवी	समूह 'सी' एमटीएस

विभागों के बारे में

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी संसाधन केंद्र (आईसीटीआरसी)

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी संसाधन केंद्र (आईसीटीआरसी) विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और प्रशासनिक विंग की आईसीटी आवश्यकताओं को पूरा करने के मुख्य उद्देश्य के साथ अकादमिक भवन में 60 कंप्यूटर सिस्टम के साथ शुरू किया गया था।

- विश्वविद्यालय के संकाय और छात्रों के लिए विभिन्न विभागों के लिए चार कार्यशालाओं के आयोजन की सुविधा प्रदान की।
- विभिन्न स्वयं, एमओओसीएस और एनएमईआईसीटी (मशीन घंटे का उपयोग: 2000 बजे) पर काम करने के लिए संकाय और छात्रों के लिए कम्प्यूटेशनल संसाधन उपलब्ध कराए गए थे।
- राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में आवश्यक सॉफ्टवेयर और कॉन्फ़िगरेशन सेटिंग्स स्थापित करके समर्थ परियोजना, पीएफएमएस ऑनलाइन भुगतान प्रणाली के कार्यान्वयन के लिए प्रशासन के साथ मिलकर काम करना।
- विश्वविद्यालय की वेबसाइट और नेटवर्क / लैन प्रबंधन को बनाए रखना।
- विश्वविद्यालय के सभी कंप्यूटर, लैपटॉप, प्रिंटर और परियोजनाओं के लिए सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर प्रबंधन के मामले में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना।
- तकनीकी सहायता प्रदान करना और विश्वविद्यालय की आवश्यकताओं के अनुसार एनएसयू कार्यक्रमों के लिए लाइव (यूट्यूब / फेसबुक) का आयोजन करना। पिछले शैक्षणिक वर्ष में 63 कार्यक्रमों को तकनीकी सहायता दी गई थी।
- शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार एनएडी/डिजीलॉकर के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना।

साइबर सुरक्षा और सीसीएमपी

- सीईआरटी पैनल में शामिल एजेंसियों के साथ आईसीटीआरसी कर्मचारियों के लिए अभिविन्यास का आयोजन करके प्रस्तावित एनएसयू सीसीएमपी (साइबर सुरक्षा प्रबंधन योजना) दिशानिर्देश। आईसीटीआरसी टीम के साथ सीआईएसओ ने **07.02.2023, 09.02.2023** और **14.02.2023** को ओरिएंटेशन में भाग लिया।

एंटरप्राइज़ संसाधन योजना (ईआरपी)

कागज रहित कार्यालय विकसित करने की पहल के हिस्से के रूप में, एक उद्यम संसाधन योजना (ईआरपी) प्रणाली शुरू की गई थी।पूर्ण विकसित ईआरपी सेल को संस्कनेट बिल्डिंग की पहली मंजिल पर स्थापित किया गया था। विश्वविद्यालय ने ईआरपी समाधान के रूप में समर्थ ईजीओवी सूट की पहचान की और अपनाया, जो शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की एक पहल है। विश्वविद्यालय प्रणाली के कामकाज को सुविधाजनक बनाने के लिए समर्थ में 9 कोर मॉड्यूल और 40+ उप मॉड्यूल हैं। वर्ष 2022-23 के दौरान निम्नलिखित समर्थ मॉड्यूल लागू किए गए हैं:

1. **स्वास्थ्य प्रबंधन प्रणाली मॉड्यूल:** स्वास्थ्य प्रबंधन परिसर के लिए एक स्वास्थ्य सुविधा का समग्र प्रबंधन है। विश्वविद्यालय ने सभी कर्मचारियों और उनके आश्रितों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड बनाए।

2. प्रवेश प्रबंधन मॉड्यूल: शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए, विश्वविद्यालय ने प्रवेश मॉड्यूल विकसित किया है और निम्नलिखित धाराओं के लिए छात्रों को इस मॉड्यूल के माध्यम से प्रवेश दिया गया है और प्रवेश शुल्क केवल इस प्रवेश मॉड्यूल के माध्यम से एकत्र किया जाता है।

1. प्राक-शास्त्री, 2. शास्त्री सीयूईटी, 3 पर आधारित है। शास्त्री (नॉन-सीयूईटी), 4. आचार्य सभी पाठ्यक्रम (सीयूईटी), 5. आचार्य सभी पाठ्यक्रम (गैर-सीयूईटी), 6. शिक्षा शास्त्री (बी.एड) सीयूईटी के माध्यम से, 7. सीयूईटी के माध्यम से शिक्षा आचार्य और 8. शाम के सभी कार्यक्रम।

3. **अकादमिक प्रबंधन मॉड्यूल**: शैक्षणिक वर्ष 2022-23 से, विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक मॉड्यूल को अपनाया।

i) कार्यक्रम मॉड्यूल: इस मॉड्यूल में, विश्वविद्यालय ने सभी कार्यक्रम बनाए हैं और वैकल्पिक पाठ्यक्रम मॉड्यूल में अपलोड किए गए थे।

ii) छात्र: यह मॉड्यूल विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों के तहत मौजूद छात्रों का ट्रैक रखने के लिए है। इस शैक्षणिक सत्र 2022-23 से, डैश बोर्ड और अद्वितीय छात्र लॉगिन प्रदान किए गए हैं और इस मॉड्यूल के माध्यम से परीक्षा शुल्क भी एकत्र किया जाता है।

iii) परीक्षा: निम्नलिखित कार्यक्रमों के लिए, 1 के छात्रों को इस मॉड्यूल के माध्यम से हॉल टिकट सफलतापूर्वक जारी किए गए थे। प्राक-शास्त्री, 2. अंडरग्रेजुएशन (यूजी), 3. पोस्ट ग्रेजुएशन (पीजी), 4. शिक्षा शास्त्री (बी.एड.), 5. शिक्षा आचार्य (एम.एड.)।

4. **इन्वेंट्री मैनेजमेंट मॉड्यूल**: यह मॉड्यूल 2022-23 से लागू किया गया है ताकि उपभोग्य और गैर-उपभोग्य इन्वेंट्री और इनडेनटर्स को उनके मुद्दे का हिसाब दिया जा सके।

कंप्यूटर विज्ञान विभाग:

कंप्यूटर विज्ञान विभाग वर्ष 1996 में स्थापित किया गया था। कंप्यूटर विज्ञान विभाग के मुख्य उद्देश्य हैं:

- विभिन्न शास्त्रों के छात्रों को आईटी और कंप्यूटर अनुप्रयोग कौशल प्रदान करना, जिससे वे संस्कृत अनुसंधान क्षेत्रों में उपलब्ध नवीनतम कंप्यूटर प्रौद्योगिकियों, उपकरणों और संसाधनों आदि के बराबर हो सकें;
- विश्वविद्यालय द्वारा पढ़ाए जाने वाले संस्कृत पारंपरिक पाठ्यक्रमों के लिए सूचना प्रौद्योगिकी लागू करना;
- संस्कृत के लिए बुद्धिमान कंप्यूटर अनुप्रयोगों को विकसित करने के लिए संस्कृत पारंपरिक ज्ञान सिद्धांतों को लागू करना; और

संस्कृत और सूचना और प्रौद्योगिकी के बीच पुल का निर्माण कंप्यूटर विज्ञान विभाग विश्वविद्यालय के छात्रों की कंप्यूटिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। विभाग निम्नलिखित पाठ्यक्रम चला रहा है:

प्राक-शास्त्री के दो अनिवार्य पेपर

- शास्त्री में कंप्यूटर एप्लीकेशन के बारह पेपर

- बी एस सी में कंप्यूटर साइंस के चार पेपर।
- एम एस सी के बीस पेपर (कंप्यूटर विज्ञान और संस्कृत भाषा प्रौद्योगिकी)
- 8 संस्कृत में एमए के पेपर (सबदाबोध और संस्कृत भाषा प्रौद्योगिकी)

विभाग के पास कुल 26 थ्योरी और 20 लैब का कार्यभार है। वर्तमान में, विभाग में पांच शिक्षण संकाय, एक अतिथि संकाय और एक तकनीकी सहायक है।विभाग प्रयोगशालाएं नवीनतम कंप्यूटर और उपयुक्त सॉफ्टवेयर से सुसज्जित हैं, जिससे छात्रों को अपनी व्यावहारिक क्षमताओं को बढ़ाने में सक्षम बनाया जा सकता है।

- वर्ष 2022-23 के लिए विभाग की अनुसंधान उपलब्धियां निम्नानुसार हैं: : पत्र : 11
- प्रकाशित पुस्तकें : 8
- प्रकाशित पुस्तक अध्याय : 1
- थीसिस पुरस्कृत : 2

योग विज्ञान विभाग:

रथसप्तमी का उत्सव

क्रीड़ा भारती, तिरुपति के सहयोग से योग विज्ञान विभाग ने रथसप्तमी पर स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए योग और सूर्य नमस्कार जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस शुभ अवसर के लिए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो जीएसआर कृष्ण मूर्ति, कुलसचिव कमांडर चल्ला वेंकटेश्वर ने अपना सहयोग और समर्थन दिया।डॉ. आर. लक्ष्मीमरायण, एचओडीआई/सी, श्री धनंजुलुजी , क्रीड़ाभारती के क्षेत्रीय सचिव और श्री मल्लिकार्जुन, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ तिरुपति डिवीजन ने छात्रों को अपना संदेश दिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 का उत्सव

विश्वविद्यालय ने उत्सव के साथ आठवाँ वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। इस आयोजन के हिस्से के रूप में, कर्मचारियों, छात्रों और योग के सभी उत्साही लोगों ने भाग लिया। निम्नलिखित कार्यक्रमों को उचित तरीके से आयोजित किया गया है।

ऋषि पतंजलि की प्रतिमा पर माल्यार्पण

समारोह की शुरुआत तत्कालीन कुलपति प्रो राधाकांत ठाकुर द्वारा योग दर्शन के प्रवर्तक पतंजलि महर्षि की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुई। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोगों को योग को संतुष्ट और शांतिपूर्ण जीवन के तरीके के रूप में समझना चाहिए, क्योंकि यह उन्हें स्वस्थ और खुश रहने में मदद करता है।

दीप प्रज्ज्वलन और कॉमन योग प्रोटोकॉल

महर्षि पतंजलि को आह्वान करने के बाद, सभी कर्मचारी और छात्र कॉमन योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) का अभ्यास करने के लिए इंडोर स्टेडियम में इकट्ठा हुए। कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय कुलपति द्वारा किया गया था। मुख्य अतिथि, माननीय कुलपति, रजिस्ट्रार, स्टाफ सदस्यों और छात्रों ने आसन, प्राणायाम, मुद्रा और ध्यान, विश्राम आदि जैसे सामान्य योग प्रोटोकॉल प्रथाओं का प्रदर्शन किया है।

योग जागरूकता मार्च

माननीय कुलपति ने मार्च को हरी झंडी दिखाकर आरंभ किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो रमेश चंद्र पांडा, कमांडर चल्ला वेंकटेश्वर, कुलसचिव, प्रो जीएसआर कृष्ण मूर्ति, तत्कालीन अकादमिक मामलों के डीन और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने उत्साहपूर्वक "योग जागरूकता मार्च" में भाग लिया, जो छात्रों और अन्य योग समर्थकों के साथ "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस" के संदेशों के साथ प्लेकार्ड लेकर 2.0 किलोमीटर की पैदल यात्रा थी। सभी प्रतिभागियों को योगिक आहार (योग-प्रसाद) परोसा गया।

राष्ट्रीय वेबिनार

योग विभाग ने 13-06-2022 से 20-06-2022 तक "योग और मानवता" से संबंधित विभिन्न विषयों पर "सकारात्मक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए योग का समग्र दृष्टिकोण" विषयों की एक श्रृंखला पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का भी आयोजन किया। एस.वी. आयुर्वेदिक कॉलेज, टीटीडी, टीपीटी के प्राचार्य प्रोफेसर पी. मुरलीकृष्णा, हैदराबाद विश्वविद्यालय के डॉ. श्रीनिवास बंगारू, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम के डॉ. के. रमेश बाबू, सांख्य योग तिरुपति विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर और एचओडी, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला के प्रोफेसर जीडी शर्मा और प्रो. एसवीआईएमएस, तिरुपति में कार्डियोलॉजी के प्रोफेसर वनजक्ष्मा ने व्याख्यान दिए।

आशीर्वादात्मक

योग दिवस के समापन समारोह में माननीय कुलपति प्रोफेसर रमेश चंद्र पांडा, मुख्य अतिथि, कमांडर चल्ला वेंकटेश्वर, कुलसचिव प्रो. कृष्णमूर्ति, डीन, अकादमिक मामलों और अन्य सभी गणमान्य व्यक्ति प्रोफेसर रमेश चंद्र पांडा ने कुछ स्वास्थ्य लाभों के अनुभवों को साझा किया, जिन्हें आधुनिक दुनिया ने चिकित्सा के रूप में मान्यता दी है। उन्होंने पुष्टि की कि वे नए आविष्कार नहीं थे, बल्कि वेदों, उपनिषदों, पुराणों और अन्य योग ग्रंथों में उपलब्ध प्राचीन ज्ञान की समीक्षा कर रहे थे और उन्होंने उनसे प्रासंगिक छंदों को बहुत उद्धृत किया। माननीय कुलपति ने कहा कि योग 5000 साल पुरानी भारतीय शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक प्रथा है जिसका उद्देश्य शरीर और मन को बदलना है। योग ने उन्हें स्वस्थ, संतुलित और प्रकृति के अनुरूप होने में मदद की। कुलसचिव कमांडर चल्ला वेंकटेश्वर ने समाज के कल्याण के लिए योग इकाई के महत्वपूर्ण

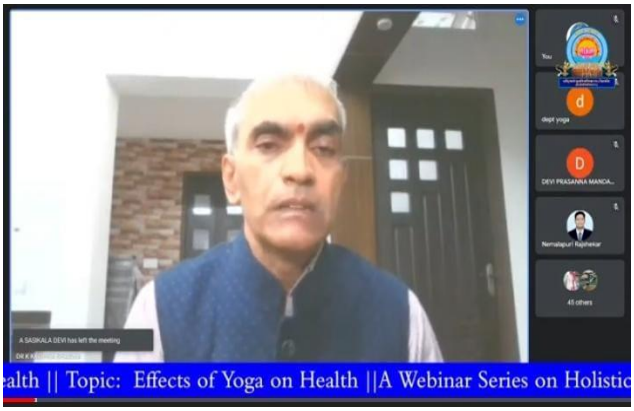

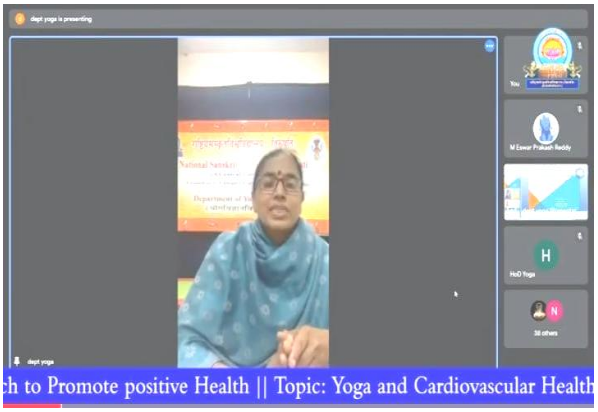

चिकित्सीय योगदान पर प्रकाश डाला।

- ऑनलाइन योग प्रश्नोत्तरी
- स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए योग की भूमिका पर निबंध लेखन.
- योग और कल्याण पर भाषण।

विस्तार गतिविधियाँ- सामुदायिक जुड़ाव:

- योग विभाग ने सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से सामाजिक उत्तरदायित्वों के भाग के रूप में विस्तार गतिविधियों का भी आयोजन किया जैसे चिगुरुवाड़ा गांव (तिरुपति ग्रामीण) में विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के लिए उपचारात्मक उपाय के रूप में एक पखवाड़े का योग चिकित्सा प्रशिक्षण और एसवी आयुर्वेद अस्पताल टीटीडी के रोगियों के लिए एक महीने की योग चिकित्सा कक्षाएं।
- छात्र समुदाय के बीच योग और योग चिकित्सा पर जागरूकता फैलाने के हिस्से के रूप में, नल्ला नरसिमा रेड्डी इंजीनियरिंग कॉलेज, हैदराबाद में एक महीने का कार्यक्रम और द्रविड़ विश्वविद्यालय, कुप्पम में एक सप्ताह का कार्यक्रम ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित किया गया था।

सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्य शाला संगोष्ठी पर प्रतिवेदन

राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति और श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने संयुक्त रूप से 11-17 मार्च 2023 के दौरान सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यशाला का विषय व्यासभाष्य के साथ योगसूत्र कैवल्यपाद है और संगोष्ठी विषय संस्कृत विद्या में मोक्षवाद और समकालीन युग में इसकी प्रासंगिकता पर है।

कार्यक्रम की शुरुआत माननीय कुलपति प्रो जीएसआर कृष्ण मूर्ति और संपूर्णानंद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर हरे राम त्रिपाठी द्वारा पतंजलि महर्षि की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुई। कार्यशाला का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

हरे राम त्रिपाठी ने योगदर्शन, पुरुषार्थ, कैवल्य, मानवता की समृद्धि के लिए योग की भूमिका और महत्व के महत्व पर विचारोत्तेजक भाषण दिया। कृष्ण मूर्ति ने योग के महत्व और समकालीन युग में इसके योगदान पर अध्यक्षीय भाषण दिया। उन्होंने कहा कि योग व्यक्तिगत और व्यावसायिक प्रगति का मुख्य स्रोत है और योग इस तनावपूर्ण जीवन में एक पेशेवर क्षेत्र के रूप में अग्रणी है।

राष्ट्रीय कार्यशाला सह संगोष्ठी के समापन समारोह में मुख्य अतिथि प्रोफेसर मुरली मनोहर पाटक, माननीय कुलपति श्री लाल बहादुर राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रोफेसर मार्कंडेयनाथ तिवारी, डॉ. डी. ज्योति, डॉ. आर. लक्ष्मीनारायण सहित शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों, विद्वानों और छात्रों ने उत्साह के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया। कुल मिलाकर, 200 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम का लाभ प्राप्त करने के लिए भाग लिया।

I. शैक्षिक कार्यक्रम

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के कार्यान्वयन पर नोट:
2. 2. शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देश के अनुसार, एनएसयू तिरुपति 2020 की दूसरी छमाही से एनईपी -2020 को लागू कर रहा है। इस प्रक्रिया में, बहु-विषयक और अंतर-अनुशासनात्मक तत्वों को ध्यान में रखते हुए सभी विभागों में यूजी और पीजी स्तर पर पाठ्यक्रम को संशोधित/समीक्षा की गई है।
3. सभी दिशा-निर्देशों को क्रमिक तरीके से लागू करने के लिए 40 आंतरिक और बाहरी विशेषज्ञों के साथ एक टास्क फोर्स का गठन किया गया है।
4. एनईपी-2020 के अनुसार, शैक्षणिक वर्ष 2022-23 से विश्वविद्यालय में यूजी पाठ्यक्रमों के लिए मल्टीपल एंट्री और एग्जिट लागू किया जा रहा है।

अ शिक्षण

विश्वविद्यालय संस्कृत सीखने के साधकों के लाभ के लिए औपचारिक, व्यावसायिक और अनौपचारिक श्रेणियों के तहत कार्यक्रम प्रदान करता है। शैक्षणिक वर्ष **2022-23** के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम पेश किए गए थे:

(a). **नियमित कार्यक्रम**

विश्वविद्यालय अनुवाद, कंप्यूटर विज्ञान, गणित, प्रदर्शन कला और इतिहास जैसे आधुनिक विषयों के साथ-साथ साहित्य (अलंकारवर्ग और काव्य वर्ग), व्याकरण, ज्योतिष, वास्तु, न्याय, अद्वैत वेदांत, विशिष्टाद्वैत वेदांत, द्वैत वेदांत, आगम, मीमांसा, सांख्य योग, योग विज्ञान, भारतीय ज्ञान प्रणाली आदि जैसे शास्त्रों में प्राक-शास्त्री, स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है।

विश्वविद्यालय साहित्य (अलंकारवर्ग और काव्य वर्ग), व्याकरण, ज्योतिष जैसे शास्त्रों में प्राक-शास्त्री, स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है, विश्वविद्यालय में पेश किए जाने वाले व्यावसायिक कार्यक्रम शिक्षाशास्त्री (बीएड) और शिक्षा आचार्य (एमएड) हैं जिन्हें राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) द्वारा मान्यता प्राप्त है। विभिन्न स्कूलों के तहत प्रमाणपत्र, डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा और अनुसंधान डिग्री के लिए अन्य कार्यक्रम भी पेश किए जा रहे हैं।

(i). प्राक शास्त्री (इंटरमीडिएट के समान)

(ii). पूर्व स्नातक कार्यक्रम (6/8 सेमेस्टर)

2. शास्त्री (बी ए के समान) 14 शास्त्रों में:
3. बी.एससी. कंप्यूटर
4. बी.ए. अनिवार्य ऐच्छिक के रूप में भारतीय ज्ञान प्रणाली (संस्कृत) के साथ
5. बी.एससी. योग

(iii). स्नातकोत्तर कार्यक्रम: (4 सेमेस्टर)

1. आचार्य : (शास्त्रों में एम.ए. संस्कृत) 19 शास्त्र विधाओं में

1. साहित्य - अलंकारवर्ग
2. साहित्य - काव्य वर्ग
3. व्याकरण
4. फलिता ज्योतिष
5. सिद्धांत ज्योतिष
6. वास्तु
7. न्याय
8. अद्वैत वेदांत
9. विश्वाद्वैत वेदांत
10. द्वैत वेदांत
11. आगम
12. सांख्य योग
13. धर्मशास्त्र
14. पुरानेतिहासा
15. मीमांसा
16. शुक्लयजुर्वेदश्याम
17. कृष्णायजुर्वेदबश्याम
18. अथर्ववेदबश्याम
19. प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणालियां

2. **संस्कृत में एमए** (शब्दबोध सिस्टम एंड लैंग्वेज टेक्नोलॉजी)

3. **एम एस सी योग चिकित्सा में**

4. **कंप्यूटर विज्ञान और संस्कृत भाषा प्रौद्योगिकी में एम एस सी**

5. **हिंदी में एम.ए.**

6. **एम.ए.आई.एम.टी.** (प्राचीन भारतीय प्रबंधन तकनीकों में परास्नातक)

(iv) . (a) व्यावसायिक कार्यक्रम

(1) शिक्षा शास्त्री (ईक्यू से बीएड) (एनसीटीई द्वारा मान्यता प्राप्त)
(2) शिक्षा आचार्य (ईक्यू से एमएड तक) (एनसीटीई द्वारा मान्यता प्राप्त)

(b) **शाम के कार्यक्रम:**

(i). पी.जी. डिप्लोमा कार्यक्रम

(1) योग थेरेपी और तनाव प्रबंधन
(2) योग विज्ञान
(3) कर्मकाण्ड
(4) प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण

(5) वेब प्रौद्योगिकी

(ii) डिप्लोमा कार्यक्रम
(1) मंदिर की संस्कृति
(2) कर्मकाण्ड
(3) ज्योतिष और वास्तु
(4) अनुवाद

(iii) प्रमाणपत्र कार्यक्रम
(1) मंदिर की संस्कृति
(2) ज्योतिष
(3) कर्मकाण्ड
(4) संप्रेषण और कार्यात्मक संस्कृत
(5) अनुवाद
(6) राग
(7) नृत्य (भरतनाट्यम)
(8) सितार

नियमित कार्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया

शैक्षणिक वर्ष **2022-23** जुलाई **2022** के महीने में शुरू हुआ और मई **2023** में परीक्षाओं के आयोजन के साथ संपन्न हुआ। सभी यूजी और पीजी कार्यक्रमों में सेमेस्टर पैटर्न का पालन किया जा रहा है। प्राक-शास्त्री कार्यक्रम में प्रवेश योग्यता परीक्षा और व्यक्तिगत साक्षात्कार में प्राप्त अंकों के आधार पर किया जाता है और शास्त्री / बीए कार्यक्रमों, बी एस सी कंप्यूटर, योग में **B.Sc,** आचार्य, सबदाबोध में एमए, हिंदी में एमए, योग थेरेपी में **M.Sc,** कंप्यूटर में **M.Sc,** एमएआईएमटी, शिक्षा शास्त्री (बीएड), शिक्षा आचार्य (एमएड) कार्यक्रमों को राष्ट्रीय स्तर पर एनटीए द्वारा आयोजित सीयूईटी में प्राप्त अंकों और व्यक्तिगत साक्षात्कार के आधार पर किया जाता है। विद्यावारिधि (पीएच.डी.) में प्रवेश राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के आधार पर होता है। नेट/एसएलईटी/एमफिल धारकों को विद्यावारिधि के लिए प्रवेश परीक्षा में प्रवेश से छूट दी गई है। विद्वान पूर्णकालिक या अंशकालिक आधार पर अनुसंधान कर सकते हैं। सभी कार्यक्रमों के लिए प्रवेश अधिसूचनाएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर रखी जाती हैं

मेरिट छात्रवृत्ति

छात्रों को मेरिट छात्रवृत्ति यां अंतिम अर्हक परीक्षा में प्राप्त अंकों/मेरिट के प्रतिशत के आधार पर प्रदान की जाती हैं। प्राक-शास्त्री प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष, शास्त्री प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के छात्रों और आचार्य I और II वर्ष में प्रत्येक शास्त्र के छात्रों को मेरिट छात्रवृत्ति दी जाती है।

नियमित मोड में शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के दौरान नामांकित छात्रों की कुल संख्या को दर्शाने वाला विवरण								
S. No.	**कार्यक्रम का नाम**	**कुल नामांकन**	**OC**	**BC**	**SC**	**ST**	**EWS**	**PHC**

		M	G	T	M	G	T	M	G	T	M	G	T	M	G	T	M	G	T	M	G
1	प्रथम वर्ष	60	29	89	27	12	39	20	8	28	6	4	10	4	5	9	3	0	3	-	-
2	प्राक-शास्त्री - द्वितीय वर्ष	61	51	112	19	13	32	25	22	47	7	10	17	4	2	6	6	4	10	-	-
3	सम्मनिता शास्त्री प्रथम वर्ष	73	39	112	29	22	51	28	13	41	10	2	12	0	1	1	6	1	7	-	-
4	सम्मनिता शास्त्री द्वितीय वर्ष	104	47	151	54	17	71	32	17	49	7	9	16	4	2	6	7	2	9	-	-
5	सम्मनिता शास्त्री तृतीय वर्ष	97	36	133	55	20	75	27	11	38	5	3	8	6	2	8	4	0	4	-	-
6	बीए ऑनर्स प्रथम वर्ष	10	3	13	1	2	3	6	0	6	3	1	4	0	0	0	0	0	0	-	-
7	बीए ऑनर्स द्वितीय वर्ष	9	11	20	2	5	7	1	3	4	5	0	5	-	1	1	1	2	3	-	-
8	बीए ऑनर्स तृतीय वर्ष	8	10	18	2	4	6	2	2	4	4	2	6	-	1	1	-	1	1	-	-
9	B.Sc. कंप्यूटर प्रथम वर्ष	6	5	11	4	1	5	2	2	4	0	0	0	0	1	1	0	1	1	-	
10	B.Sc कंप्यूटर द्वितीय वर्ष	8	14	22	6	5	11	2	4	6	1	1	2	-	-	-	3	-	3	-	-
11	B.Sc कंप्यूटर	10	5	15	2	3	5	7	1	8	-	1	1	1	-	1	-	-	-	-	-

	तृतीय वर्ष																				
12	B.Sc I योग I वर्ष	3	11	14	0	1	1	2	8	10	0	1	1	0	1	1	1	0	1	-	-
13	B.Sc I योग द्वितीय वर्ष	7	11	18	4	3	7	2	6	8	1	1	2	-	-	-	1	-	1		-
14	B.Sc I योग तृतीय वर्ष	8	10	18	3	7	10	2	3	5	1	-	1	-	-	-	2	-	2	-	-
15	शिक्षा-शास्त्री (बी.एड) -1	38	56	94	19	23	42	7	15	22	5	9	14	4	2	6	3	7	10	-	-
16	शिक्षा-शास्त्री (बी.एड.) - द्वितीय	35	75	110	8	13	21	13	35	48	5	9	14	1	7	8	0	11	11	-	-
	यूजीसी. कुल	537	413	950	235	151	386	178	150	328	60	53	113	24	25	49	37	29	66	-	-

नियमित मोड में शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के दौरान छात्रों की कुल संख्या को दर्शाने वाला विवरण

S. No.	कार्यक्रम का नाम	कुल नामांकन			ओसी.			बीसी			एस.सी			एसटी			ईड्ब्लू एस			पीएचडी	
		M	G	T	M	G	T	M	G	T	M	G	T	M	G	T	M	G	T	M	G
17	आचार्य प्रथम वर्ष	71	62	133	33	23	56	21	24	45	11	8	19	2	0	2	6	4	10	-	-
18	आचार्य द्वितीय वर्ष	136	96	232	52	43	95	48	33	81	23	17	40	5	2	7	8	3	11	-	-
19	एमए हिंदी प्रथम वर्ष	3	4	7	0	1	1	3	2	5	0	0	0	0	1	1	0	0	0	-	-
20	एमए हिंदी द्वितीय वर्ष	7	2	9	1	2	3	3	-	3	1	-	1	2	-	2	-	-	-	-	-

21	एमए संस्कृत सब प्रथम वर्ष	0	0	0	0	0	0	00	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
22	एमए संस्कृत सब द्वितीय वर्ष	1	1	2	1	2	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	-	-
23	कंप्यूटर में M.SC प्रथम वर्ष	8	7	15	1	1	2	6	4	10	1	1	2	0	0	0	0	1	1	-	-
24	कंप्यूटर द्वितीय वर्ष में M.SC	2	7	9	0	2	0	2	4	6	0	1	1	0	0	0	0	0	0	-	-
25	M.SC योग थेरेपी प्रथम वर्ष	9	15	24	3	6	9	3	8	11	2	0	2	0	0	0	1	1	2	-	-
26	M.SC योग थेरेपी द्वितीय वर्ष	12	16	28	5	8	13	4	8	12	2	-	2	-	-	-	1	-	1	-	-
27	वर्ष 2010	2	0	2	2	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	-	-
28	MAIMT द्वितीय वर्ष	3	1	4	2	-	2	-	0	1	1	1	0	1	-	-	-	-	-	-	-
29	शिक्षा-आचार्य (एम.एड.), प्रथम वर्ष	10	6	16	4	1	5	3	1	4	2	3	5	1	1	2	0	0	0	-	-
30	शिक्षा-आचार्य (एम.एड.), द्वितीय वर्ष	31	9	40	8	4	12	12	2	14	5	1	6	0	0	0	6	2	8	-	-

	स्नातकोत्तर कुल	295	226	521	112	92	204	105	87	192	48	31	79	10	4	14	22	11	33	-	-
32	विद्यावारिधि-2021-22	82	45	127	32	15	47	15	13	28	20	10	30	1	3	4	14	3	17	-	-
33	विद्यावरिदधी 2020-21	129	76	205	53	24	77	29	28	57	29	11	40	4	1	5	12	13	25	-	-
34	विद्यावारिधि-2019-20	61	29	90	35	14	49	14	9	23	10	3	13	1	3	4	1	0	1	-	
35	विद्यावारिधि कुल	272	150	422	120	53	173	58	50	108	59	24	83	6	7	13	27	16	43	-	-
	ग्रैंड टोटल (17-35)	1104	789	1893	467	296	763	341	287	628	167	108	275	40	36	76	86	56	142	-	-

नियमित मोड में शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के दौरान नामांकित छात्रों की कुल संख्या को दर्शाने वाला विवरण

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	कुल नामांकन			ओसी			बीसी			एससी			एससी			ईड्ब्लू			पीएचडी	
		M	G	T	M	G	T	M	G	T	M	G	T	M	G	T	M	G	T	M	G
36	प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	17	29	46	10	10	20	5	10	15	2	4	6	0	1	1	0	4	4	0	0
37	डिप्लोमा पाठ्यक्रम	30	2	32	16	0	16	8	1	9	1	0	1	0	0	0	5	1	6	0	0
0	पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम	25	17	422	13	5	18	3	8	11	7	3	10	0	1	1	2	0	2	0	0

	कुल	72	48	120	39	15	54	16	19	35	10	7	17	0	2	2	7	5	12	-	-

आरक्षण नीति का कार्यान्वयन

विश्वविद्यालय समय-समय पर भारत सरकार और यूजीसी द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस और पीडब्ल्यूडी उम्मीदवारों के लिए आरक्षण के नियम को सख्ती से लागू कर रहा है। यह विभिन्न पाठ्यक्रमों जैसे प्राक-शास्त्री, शास्त्री, आचार्य, शिक्षा शास्त्री (बी.एड.), शिक्षा आचार्य (एम.एड.) और विद्यावारिधि (पीएच.डी.) में छात्रों के प्रवेश में भी लागू किया जाता है।

(b) **व्यावसायिक कार्यक्रम**

शिक्षा के स्कूल

शिक्षा विभाग माध्यमिक विद्यालय के लिए शिक्षकों को तैयार करने के लिए संस्कृत में एक पूर्व-सेवा कार्यक्रम प्रदान करता है। यह संस्कृत सीखने और संस्कृत शैक्षणिक अनुसंधान विकसित करने के लिए स्व-शिक्षण किट तैयार करने में भी शामिल है। इस विभाग के अंतर्गत निम्नलिखित व्यावसायिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं। शिक्षा विभाग माध्यमिक विद्यालय के लिए शिक्षकों को तैयार करने के लिए संस्कृत में एक पूर्व-सेवा कार्यक्रम प्रदान करता है। यह संस्कृत सीखने और संस्कृत शैक्षणिक अनुसंधान विकसित करने के लिए स्व-शिक्षण किट तैयार करने में भी शामिल है। इस विभाग के अंतर्गत निम्नलिखित व्यावसायिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं।

क्र. स.	**कार्यक्रम का नाम**	**Duration**
1.	शिक्षा शास्त्री (बी.एड.)	दो साल
2.	शिक्षा आचार्य (एम.एड.)	दो साल
3.	विद्यावारिधि (पीएच.डी.)	3-6 साल

(c) अनौपचारिक शिक्षा

शिक्षा एक सतत प्रक्रिया है और यह उम्र तक सीमित नहीं है। दूरस्थ शिक्षा की प्रणाली वर्तमान आधुनिक दुनिया में शिक्षा की बढ़ती जरूरतों को समायोजित करने के लिए एक विकल्प के रूप में उभरी है। दूरस्थ शिक्षा प्रणाली उन सभी की जरूरतों को पूरा करती है जो एक सामान्य औपचारिक कॉलेज शिक्षा प्रणाली का पीछा नहीं कर सके (या) जो वित्तीय समस्याओं के कारण अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर सके / दूसरों (या) उन लोगों के लिए जो अपने ज्ञान में सुधार करना चाहते हैं।

संस्कृत के छिपे हुए खजाने को समृद्ध करने और संस्कृत भाषा और साहित्य के महत्व और उपयोगिता की रक्षा करने के लिए, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय शुरू करने के लिए राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के एक प्रस्ताव को दूरस्थ शिक्षा परिषद (डीईसी) द्वारा अनुमोदित किया गया था और इस प्रकार दूरस्थ शिक्षा परिषद (डीईसी)/दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो (डीईबी)/विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से वित्तीय सहायता के साथ वर्ष 2003 में दूरस्थ शिक्षा निदेशालय की स्थापना की गई थी। (यूजीसी) पाठ्यक्रम सामग्री

तैयार करने और छात्रों के समर्थन के लिए तब से यह वास्तव में डीईसी/डीईबी/यूजीसी के तत्वावधान में कार्य कर रहा है।

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति को वर्ष 2020 के दौरान संसद के अधिनियम के तहत राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति के रूप में घोषित किया गया है। इसके बाद, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (मुक्त और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम और ऑनलाइन कार्यक्रम) विनियम, 2020 [एसएल नंबर 8 (3)] के अनुसार दूरस्थ शिक्षा निदेशालय का नाम बदलकर 29.03.2021 से दूरस्थ और ऑनलाइन शिक्षा केंद्र कर दिया गया है और इसमें सभी ऑनलाइन कार्यक्रम शामिल हैं।

दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों की सूची ऑफ़लाइन और ऑनलाइन 2022-23

क्र. स.	ऑफ़लाइन कार्यक्रम	अवधि
1	प्राकशास्त्री	2 वर्ष
2	शास्त्री (बी.ए.)	3 वर्ष
3	बीए (संस्कृत)	3 वर्ष
4	आचार्य	2 वर्ष
5	संस्कृत में सर्टिफिकेट कोर्स	6 महीने
6	संस्कृत में डिप्लोमा कोर्स	1 वर्ष
7	योग विज्ञान में पीजी डिप्लोमा	1 वर्ष

क्र. स.	ऑनलाइन कार्यक्रम	Duration
1	द्वैत वेदांत में सर्टिफिकेट प्रोग्राम	6 महीने
2	भारतीय दर्शन के मूल सिद्धांतों में प्रमाण पत्र	6 महीने
3	सितार में प्रमाण पत्र	6 महीने
4	काराकम में प्रमाण पत्र कार्यक्रम	6 महीने
5	व्याकरण शास्त्र प्रवेश में प्रमाण पत्र कार्यक्रम	6 महीने
6	कार्यात्मक संस्कृत में प्रमाणपत्र कार्यक्रम	6 महीने
7	ज्योतिष में सर्टिफिकेट प्रोग्राम	6 महीने
8	वास्तु में प्रमाणपत्र कार्यक्रम	6 महीने
9	न्याय में सर्टिफिकेट प्रोग्राम	6 महीने
10	पारंपरिक क्रिया योग में प्रमाणपत्र कार्यक्रम	6 महीने
11	प्रमाणपत्र कार्यक्रम मनोधर्म संगीतम्	6 महीने
12	संस्कृतविनोदह में प्रमाणपत्र कार्यक्रम	6 महीने
13	योग एवं तनाव प्रबंधन में प्रमाणपत्र कार्यक्रम	6 महीने
14	अद्वैत वेदांत में प्रमाणपत्र कार्यक्रम	6 महीने
15	संस्कृत शिक्षा में अनुसंधान पद्धति में प्रमाणपत्र कार्यक्रम	6 महीने
16	भारतीय गणित में डिप्लोमा कार्यक्रम	1 वर्ष
17	व्याकरण में डिप्लोमा कार्यक्रम में प्रवेश	1 वर्ष
18	कार्यात्मक संस्कृत में डिप्लोमा कार्यक्रम	1 वर्ष
19	द्वैत वेदांत में डिप्लोमा कार्यक्रम	1 वर्ष

20	संस्कृत साहित्य में उन्नत डिप्लोमा	1 वर्ष
21	द्वैत वेदांत में उन्नत डिप्लोमा कार्यक्रम	1 वर्ष

महामहोपाध्याय श्री पट्टाभिराम शास्त्री व्याख्यानमाला (2022-23)

राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (पूर्व में राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ) के प्रथम कुलाधिपति महामहोपाध्याय श्री पट्टाभिराम शास्त्री की स्मृति में विस्तार व्याख्यानों की एक श्रृंखला के माध्यम से महामहोपाध्याय श्री पट्टाभिराम शास्त्री नामक एक अद्वितीय शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। विश्वविद्यालय के संकाय और छात्रों के लाभ के लिए हर शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न शास्त्रों पर व्याख्यान की व्यवस्था की जाती है। देश के विभिन्न हिस्सों से प्रख्यात और प्रसिद्ध विद्वानों को पारंपरिक शास्त्रों पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया है। वर्ष 2022-23 में महामहोपाध्याय श्री पट्टाभिराम शास्त्री व्याख्यानमाला के समन्वयक डॉ. पंकज कुमार व्यास और अपर समन्वयक डॉ. उदयन हेगड़े थे।

पहला व्याख्यान: 21 सितंबर 2022 को व्याकरणमाला का उद्घाटन किया गया और पहला व्याख्यान प्रो द्वारा दिया गया। केई देवनाथन, तत्कालीन कुलपति, कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, बेंगलुरु विषय पर : विशिष्टाद्वैते शरीरललक्षणम्। जी.एस.आर. कृष्ण मूर्ति, कुलपति, ने व्याख्यान की अध्यक्षता की। व्याख्यान https://www.youtube.com/watch?v=qShTfQ2U0x4 पर लाइवस्ट्रीम किया गया था।

दूसरा व्याख्यान: दूसरा व्याख्यान 20 अक्टूबर 2022 को प्रोफेसर जयकांत सिंह शर्मा, प्रोफेसर, व्याकरण विभाग, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा समागमविषय पर दिया गया था। जी.एस.आर. कृष्ण मूर्ति, कुलपति ने व्याख्यान की अध्यक्षता की। व्याख्यान https://www.youtube.com/watch?v=ZMGSgOPW-sY पर प्रत्यक्ष प्रसारण किया गया था।

तीसरा व्याख्यान: तीसरा व्याख्यान 21 नवंबर 2022 को प्रो ओ.एस.रामलाल शर्मा, पूर्व प्रोफेसर और डीन, न्याय विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति द्वारा दिया गया था। जी.एस.आर. कृष्ण मूर्ति, कुलपति, ने व्याख्यान की अध्यक्षता की। व्याख्यान का सीधा प्रसारण किया गया onhttps://www.youtube.com/watch?v=x36D7MKegVs&t=36s.

चौथा व्याख्यान: चौथा व्याख्यान 24 नवंबर 2022 को श्री सीताराम अय्यागरी, यूएसए द्वारा विषय पर दिया गया था: अरुणा-प्रश्न का विज्ञान (अरुणप्रश्नविचार)। व्याख्यान को लाइवस्ट्रीम किया गया था - https://www.youtube.com/watch?v=NqliLvYZ4Qs.

पांचवां व्याख्यान: पांचवां व्याख्यान 27 जनवरी 2023 को प्रोफेसर वीरनारायण एनके पांडुरंगी, डीन, वेदांत संकाय, कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, बेंगलुरु द्वारा दिया गया था: मध्वाचार्याणाम् ऋग्वेदव्याख्यारीति। विश्वविद्यालय के अकादमिक मामलों के डीन प्रोफेसर ए श्रीपाद भट ने व्याख्यान की अध्यक्षता की। व्याख्यान को -https://www.youtube.com/watch?v=CRQNHUExRpc पर लाइवस्ट्रीम किया गया था.

छठा व्याख्यान: छठा व्याख्यान 07 फरवरी 2023 को स्वामी स्वरूपदासजी महाराज, स्वामीनारायण गुरुकुलम, राजकोट द्वारा दिया गया था: स्वामिनारायणविमर्शः दर्शन। विश्वविद्यालय के अकादमिक मामलों के डीन प्रोफेसर ए श्रीपाद भट ने व्याख्यान की अध्यक्षता की। व्याख्यान को - https://www.youtube.com/watch?v=4_ANnfDq5DA पर लाइवस्ट्रीम किया गया था.

सातवां व्याख्यान: सातवां व्याख्यान 16.03.2023, गुरुवार को आयोजित किया गया था और सातवां व्याख्यान 16 मार्च 2023 को प्रोफेसर के. अनंत, एचओडी, अद्वैत वेदांत विभाग, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा दिया गया था। जी.एस.आर. कृष्ण मूर्ति, कुलपति ने व्याख्यान की अध्यक्षता की। व्याख्यान https://www.youtube.com/watch?v=FSjZURhlFys पर लाइवस्ट्रीम किया गया था।

विश्वविद्यालय साहित्य/व्याकरण/ज्योतिष (फलिता, और सिद्धांत)/न्याय/अद्वैत वेदांत/विश्वअद्वैत वेदांत/द्वैत वेदांत/वेदभाष्य/आगम और शिक्षा में विद्यावारिधि (पीएच.डी.) प्रदान करता है। विश्वविद्यालय अपने शोध कार्य के पूरा होने के बाद यूजीसी के नवीनतम दिशानिर्देशों के आधार पर विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार भर्ती छात्रों को विद्यावारिधि की डिग्री प्रदान करता है जिसका इस उद्देश्य के लिए विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त परीक्षकों द्वारा विधिवत मूल्यांकन किया जाता है। डिग्री के संस्कृत संस्करण का नाम विद्यावारिधि होगा और डिग्री के संबंधित अंग्रेजी संस्करण का नाम डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी है । शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए विद्यावारिधि कार्यक्रमों में प्रवेश प्रगति पर है।
विश्वविद्यालय ने श्री स्वामीनारायण गुरुकुल, राजकोट संस्थान, गुजरात के सहयोग से निम्नलिखित शीर्षक प्रकाशित किए।

क्र. स.	ISBN	TITLE	AUTHOR	YEAR	PB/ HB	PRICE	PAGES	SUBJ	LANG
1.	ISBN: 978-93-91482-03-9 (SGR)	ईशाद्यष्टोपनिषद्स्वामिनारायणमूलभाष्यम् ईशाद्याश्तोपनिषद स्वनिमारायण मूल भाष्यम	सद्गुरु श्री गोपालानंदस्वामी (संयुक्त प्रकाशक: श्री स्वामीनारायण गुरुकुल राजकोट संस्थान, गुजरात)	2022	HB	299.00	345	Vedanta	Sanskrit
2.	ISBN: 978-93-91482-11-4(SGR)	छान्दोग्योपनिषद्स्वामिनारायणमूलभाष्यम् छान्दोग्योपनिषद् स्वानिमरयण मूलभाष्यम् सहित	सद्गुरु श्री गोपालानंदस्वामी (संयुक्त प्रकाशक : सागर)	2022	HB	299.00	352	Vedanta	Sanskrit
3.	ISBN: 978-93-91482-08-4 (SGR)	बृहदारण्यकोपनिषद्स्वामिनारायणमूलभाष्यम् बृहदारण्यकोपनिषद स्वानिमरयण मूलभाष्यम् सहित	सद्गुरु श्री गोपालानंदस्वामी (संयुक्त प्रकाशक : सागर	2022	HB	299.00	296	Vedanta	Sanskrit

4.	ISBN: 978-93-91482-10-7 (SGR)	श्रीमद्भगवद्गीता स्वामिनारायण मूलभाष्यम् स्वानिमरयं मूलभाष्यम् सहित श्रीमद्भगवद्गीता	सद्गुरु श्री गोपालानंदस्वामी (संयुक्त प्रकाशक : सागर)	2022	HB	299.00	392	Vedanta	Sanskrit
5.	ISBN: 978-93-91482-02-2 (SGR)	ब्रह्मसूत्रभाष्यरत्नम्स्वामिनारायणमूलभाष्यम् स्वानिमरयं मूलभाष्यम् सहित ब्रह्मसूत्रभाष्यरत्नम्	सद्गुरु श्री मुक्तानंदस्वामी (संयुक्त प्रकाशक : सागर)	2022	HB	299.00	349	Vedanta	Sanskrit

शेमूषी - विश्वविद्यालय के समाचार पत्र:

विश्वविद्यालय नियमित रूप से शेमूषी नामक एक द्वि-मासिक इन-हाउस पत्रिका प्रकाशित करता है। यह समाचार पत्र विश्वविद्यालय की समग्र गतिविधियों पर केंद्रित है और भारत के सभी विश्वविद्यालयों और गणमान्य व्यक्तियों को भेजा जाता है। डॉ. शिवराम आर. भट संपादक हैं और कमांडर चल्ला वेंकटेश्वर (सेवानिवृत्त), रजिस्ट्रार प्रकाशक हैं।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (IQAC):

यूजीसी/राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) के अनुसार जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन में वर्ष 2009 में पूर्ववर्ती राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की स्थापना की गई थी, जिसका उद्देश्य संस्थान के शैक्षणिक और प्रशासनिक प्रदर्शन में सुधार के लिए जागरूक, सुसंगत और उत्प्रेरक कार्रवाई की एक प्रणाली विकसित करना था।

के.एस. सतीशा, अद्वैत वेदांत विभाग आईक्यूएसी के निदेशक हैं। आईक्यूएसी सेल इन विनियमों के आधार पर मूल्यांकन मानदंड और कार्यप्रणाली, प्रोफार्मा के विकास में विश्वविद्यालय की सहायता और मार्गदर्शन कर रहा है।

IQAC के कार्यालय द्वारा निम्नलिखित गतिविधियाँ की गई हैं

1. एनएएसी के दिशा-निर्देशों के अनुसार, वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट (एक्यूएआर) एनएएसी को प्रस्तुत की गई है।
2. तीसरे चक्र मान्यता के लिए स्वयंसेवा की। इस प्रक्रिया में, आईक्यूएसी ने एनएएसी दिशानिर्देशों के अनुसार सात मानदंडों के लिए समितियों का गठन करके स्व-अध्ययन रिपोर्ट (एसएसआर) प्रस्तुत की है।
3. मात्रात्मक विश्लेषण के लिए एक समिति का गठन करके एसएसआर पर डेटा सत्यापन और सत्यापन (डीवीवी) को मान्य किया।
4. गुणात्मक मैट्रिक्स के मूल्यांकन के लिए एनएएसी सहकर्मी टीम के दौरे का समन्वय किया।

5. शिक्षकों को पदोन्नति देने के संबंध में स्क्रीनिंग सह मूल्यांकन समिति का गठन।
6. संवीक्षा सह मूल्यांकन समिति ने सीएएस के तहत पदोन्नति प्रदान करने के लिए शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत आवेदनों (पीबीएएस प्रोफार्मा में) पर एपीआई स्कोर का मूल्यांकन किया।
7. मूल्यांकन मानदंड और कार्यप्रणाली प्रोफार्मा के विकास में सहायता की प्रक्रिया में शिक्षकों को पदोन्नति प्रदान करने के लिए तौर-तरीके तैयार किए,
8. एनआईआरएफ रैंकिंग 2022 में हिस्सा लिया।
9. यूजीसी/एनएएसी विनियमों के अनुरूप हितधारकों, छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, पूर्व छात्रों आदि से फीडबैक फॉर्म के रूप में विभिन्न प्रोफार्मा बनाए गए।
10. मूल्यांकन मानदंडों के विकास में सहायता के एक भाग के रूप में, शिक्षकों के लिए डेटाबेस बनाए गए थे। विभागीय प्रोफाइल विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर पोस्ट किए जाते हैं।

II. सह-पाठ्यचर्या गतिविधियाँ

वाग्वर्धिनी परिषद

वाग्वर्धिनी परिषद मुख्य रूप से व्याकरण, ज्योतिष, साहित्य, मीमासा आदि जैसे विभिन्न संस्कृत शास्त्र से संबंधित विषयों के साथ-साथ समकालीन विषयों में भाषण प्रतियोगिताओं और वाद-विवाद के माध्यम से बोलने के कौशल को सामने ला रही है, जो छात्रों द्वारा ज्ञान प्राप्त करने में बहुत महत्वपूर्ण हैं। वाग्वर्दिनी परिषद का उद्घाटन 02 सितंबर 2022 को किया गया था और शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में वाग्वर्धिनी परिषद द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।

वाग्वर्धिनी परिषद मुख्य रूप से व्याकरण, ज्योतिष, साहित्य, मीमासा आदि जैसे विभिन्न संस्कृत शास्त्र से संबंधित विषयों के साथ-साथ समकालीन विषयों में भाषण प्रतियोगिताओं और वाद-विवाद के माध्यम से बोलने के कौशल को सामने ला रही है, जो छात्रों द्वारा ज्ञान प्राप्त करने में बहुत महत्वपूर्ण हैं। वाग्वर्दिनी परिषद का उद्घाटन 02 सितंबर 2022 को किया गया था और शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में वाग्वर्धिनी परिषद द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।

वाग्वर्धिनी परिषद की शैक्षणिक गतिविधियां 2022-23			
क्र. स.	**इवेंट का नाम**	**दिनांक और माह**	**द्वारा आयोजित**
1.	संस्कृत सप्ताह समारोह	10.08.2022 से 16.08.2022	वाग्वर्धिनी परिषद
2.	अखिलभारतीय भाषण प्रतियोगिता	08.11.2022	कालिदासअकादमी, उज्जैन, म.प्र.
3.	ग्लोरी फेस्ट 2023	20.01.2023 से 23.01.2023	राष्ट्रीय युवा एकीकृत केंद्र, पुरी
4.	अखिल भारतीय सकाला परीक्षा	26.02.2023	कार्ष्णि विद्या भवन मथुरा
5. संस्कृत भारती,उत्तर प्रदेश	47वीं कमल नारायण बजाज मेमोरियल राष्ट्रीय भाषण प्रतियोगिता 2023	22.01.2023 से 23.01.2023	कमल नारायण बजाज मेमोरियल, वर्धा, महाराष्ट्र
6.	एपी और तेलंगाना राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता 2023	04.01.2023 से 05.01.2023	एनएसयू की वाग्वर्धिनी परिषद
7.	सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती पर जीवनी भाषण प्रतियोगिता	23. 023	प्राइड, नई दिल्ली
8.	अखिल भारतीय विज्ञान प्रतियोगिता 2023	22.03.2023 से 26.03.2023	केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
9.	वार्षिक दिवस प्रतियोगिताएं 2023	23.04.2023	वाग्वर्धिनी परिषद

उपरोक्त के अलावा, वाग्वर्धिनी परिषद ने **19** अप्रैल **2023** से **22** अप्रैल **2023** के दौरान पहले अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा महोत्सव **2023** का आयोजन किया।

मैक्समुलर अंग्रेजी क्लब:

मैक्समुलर इंग्लिश क्लब की स्थापना अंग्रेजी में छात्रों के संचार कौशल में सुधार के लिए की गई थी। क्लब की गतिविधियों को अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर आर दीपता और डॉ बीएलवीजी जगन मोहन के क्लब के समन्वयकों और संकाय के मार्गदर्शन में छात्रों द्वारा स्वयं चलाया जाता है। प्रत्येक शनिवार को क्लब एक प्रतियोगिता या एक गतिविधि करने के लिए मिलता है। पूरा सत्र छात्रों द्वारा स्वयं चलाया जाता है। हर बार सत्र आयोजित करने के लिए छात्रों के एक अलग सेट का चयन किया जाता है। एक संकाय सदस्य को आमतौर पर प्रतियोगिता के लिए न्यायाधीश बनने के लिए आमंत्रित किया जाता है। पुरस्कार शास्त्री, शास्त्री और आचार्य स्तर पर दिए जाते हैं। पुरस्कार आमतौर पर शैक्षणिक वर्ष के अंत में आयोजित समापन समारोह में वितरित किए जाते हैं।

शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए, मैक्समुलर इंग्लिश क्लब का उद्घाटन शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए 1 नवंबर 2022 को तत्कालीन डीन अकादमिक मामलों, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय प्रोफेसर जीएसआर कृष्ण मूर्ति द्वारा किया गया था। कुल मिलाकर, शैक्षणिक वर्ष के विषम सेमेस्टर में 7 सत्र और शैक्षणिक वर्ष के सम सेमेस्टर में 7 सत्र आयोजित किए गए थे।

पहला सत्र 10 सितंबर 2022 को आयोजित किया गया था। प्रतियोगिता लेखन कौशल - निबंध लेखन थी। शास्त्री और आचार्य स्तर के लिए 'छात्र के जीवन में शिक्षक की भूमिका' और प्राक-शास्त्री स्तर के लिए 'मेरा कॉलेज' विषय दिए गए थे। इस कार्यक्रम में कुल 76 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रोफेसर आर दीप्ता न्यायाधीश थे।

दूसरा सत्र 17 सितंबर 2022 को आयोजित किया गया था। चुनाव प्रक्षाशास्त्री स्तर के लिए आयोजित प्रतियोगिता थी। शास्त्री और आचार्य स्तर के लिए यह 'रोल प्ले' था। सत्र में 35 विद्यार्थियों ने भाग लिया। डॉ बीएलवीजी जगन मोहन निर्णायक थे।

तीसरा सत्र 24 सितंबर 2022 को आयोजित किया गया था, जिसमें शास्त्री छात्रों के लिए 'पिक एंड स्पीक' और शास्त्री और आचार्य स्तर के लिए "सोशल मीडिया - उपयोग और दुरुपयोग" पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में 24 विद्यार्थियों ने भाग लिया। डॉ जी रंगा राव न्यायाधीश थे।

15 अक्टूबर 2022 को, चौथा सत्र लेखन कौशल में प्रतिस्पर्धा के साथ आयोजित किया गया था। जहां शास्त्री स्तर के छात्रों को 'गाइडेड कंपोजिशन' दिया गया, वहीं शास्त्री और आचार्य स्तर के छात्रों को 'दी गई

तस्वीर पर एक कहानी लिखने' के लिए कहा गया। प्रतियोगिता में 37 विद्यार्थियों ने भाग लिया। डा पोथन प्रताप न्यायाधीश थे।

पांचवां सत्र 22 अक्टूबर 2022 को आयोजित किया गया था। "आपके जीवन में यादगार घटना" विषय पर प्रक्षसत्री छात्रों के लिए भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। शास्त्री और आचार्य के छात्रों के लिए, यह 'पिक एंड स्पीक' था। प्रतियोगिता में 45 विद्यार्थियों ने भाग लिया। डा जगन मोहन न्यायाधीश थे।

छठा सत्र 29 अक्टूबर 2022 को आयोजित किया गया था। यह प्रक्षशास्त्री छात्रों के लिए श्रवण समझ थी, जबकि शास्त्री और आचार्य छात्रों के लिए इस विषय पर एक समूह चर्चा आयोजित की गई थी - "उन सभी में से सबसे महत्वपूर्ण क्या है - स्वास्थ्य, शिक्षा या भोजन? प्रतियोगिता में 35 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रोफेसर आर दीप्ता न्यायाधीश थे।

05 नवंबर 2022 को आयोजित सातवें सत्र के लिए प्राक्षशास्त्री, शास्त्री और आचार्य स्तर पर कथा वाचन प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में 31 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रदर्शन कला में सहायक प्रोफेसर डॉ. एमए आदर्श जज थे।

क्लब का आठवां सत्र 21 जनवरी 2023 को ऑनलाइन आयोजित किया गया था। आर. दीपता और छात्रों ने विभिन्न स्तरों के लिए सम सेमेस्टर के लिए आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों पर चर्चा की। आमतौर पर सत्र का आयोजन करने वाले 25 छात्रों ने इसमें भाग लिया।

28 जनवरी 2023 को आयोजित क्लब के नौवें सत्र में, प्रसिद्ध स्की जंपिंग एथलीट पर आधारित 'एडी द ईगल' नामक एक फिल्म रामराजन मुखर्जी सभागार में प्रस्तुत की गई, जिसके बाद फिल्म पर प्रश्न पूछे गए, जिसमें उनके सुनने के साथ-साथ लेखन कौशल का परीक्षण किया गया। डॉ. जी. रंगा राव समारोह के निर्णायक थे। इसमें लगभग 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

दसवां सत्र 4 फरवरी 2023 को आयोजित किया गया था। प्राक्षी छात्रों के लिए प्रतियोगिता का विषय 'रोल प्ले' था, जबकि शास्त्री और आचार्य छात्रों के लिए 'जैम या जस्ट ए मिनट' था। सत्र में लगभग 28 छात्रों ने भाग लिया और डॉ पी पोथन प्रताप निर्णायक थे।

11 फरवरी 2023 को, क्लब का ग्यारहवां सत्र आयोजित किया गया था। भाषण प्रतियोगिता का विषय 'समय की भूमिका' था, जो प्राक्शास्त्री और शास्त्री दोनों छात्रों के लिए था। डॉ जी रंगा राव न्यायाधीश थे।

क्लब का बारहवां सत्र 18 फरवरी 2023 को आयोजित किया गया था। यह शास्त्री के लिए मेमोरी गेम्स और शास्त्री छात्रों के लिए एलोक्यूशन था। डॉ बीएलवीजी जगन मोहन ने न्यायाधीश के रूप में कार्य किया।

क्लब का तेरहवां सत्र 11 मार्च 2023 को आयोजित किया गया था। सत्र के लिए गतिविधि 'शब्दावली खेल' थी जिसमें छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। डा पोथन प्रताप न्यायाधीश थे।

क्लब का चौदहवां सत्र 18 मार्च 2023 को आयोजित किया गया था। चुनावी प्रतियोगिता प्रक्षाशास्त्री और शास्त्री स्तर के लिए आयोजित की गई थी। विषय थे प्रक्षशास्त्री के लिए 'एक पसंदीदा ऐतिहासिक व्यक्ति के बारे में बात करना' और शास्त्री छात्रों के लिए 'एक कविता और एक उपन्यास के बारे में बात करना और इसे पसंद करने के कारण'। डा जी रंगा राव न्यायाधीश थे।

शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए मैक्समुलर इंग्लिश क्लब के लिए समापन समारोह 3 अप्रैल 2023 को विश्वविद्यालय के अन्य क्लबों के समापन समारोह के साथ आयोजित किया गया था। विभिन्न सत्रों में पुरस्कार जीतने वाले सभी छात्रों को माननीय कुलपति प्रोफेसर जीएसआर कृष्ण मूर्ति द्वारा पुरस्कार दिए गए।.

मैक्स मुलर इंग्लिश क्लब-2022-2023।

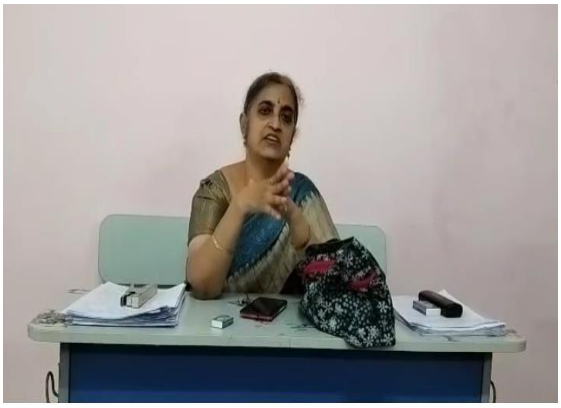

Prof.R.Deepta

अन्नमाचार्य साहित्य कलापरिषद

यह छात्रों को अपने साहित्यिक ज्ञान को समृद्ध करने और तेलुगु में अपनी भाषा कौशल में सुधार करने की गुंजाइश प्रदान करता है। अन्नमाचार्य साहित्य कलापरिषद विश्वविद्यालय में तेलुगु साहित्यिक और सांस्कृतिक संगठन है। यह परिषद तेलुगु विभाग संकाय के मार्गदर्शन में छात्रों द्वारा चलाया जाता है। इसकी शुरुआत साल 2011 में हुई थी। यह परिषद प्रदर्शन कलाओं में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करती है, भाषण, निबंध लेखन, प्रश्नोत्तरी, कविता पाठ और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करती है, इस प्रकार तेलुगु भाषा, साहित्य और संस्कृति में छात्रों की छिपी प्रतिभाओं को सामने लाती है। यह परिषद विशेष रूप से गैर-तेलुगु छात्रों के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन करती है जो भारत के विभिन्न हिस्सों से विश्वविद्यालय में शामिल होते हैं।

संस्कृत कला परिषद

नवरातम् एक विशेष कार्यक्रम है, जिसमें शिक्षकों और छात्रों के लिए हर साल अगस्त के महीने में कई सांस्कृतिक और साहित्यिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। विश्वविद्यालय का प्रदर्शन कला विभाग नियमित कार्यक्रमों के अलावा नृत्य, संगीत, गायन और वाद्ययंत्र प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, कार्यक्रम प्रदान करता है। वर्ष के दौरान कई सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

<u>खेल और क्रीडा</u>

वर्ष भर खेल में छात्रों को नियमित प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय का अपना शारीरिक शिक्षा विभाग है। विश्वविद्यालय में विशाल और अच्छी तरह से सुसज्जित इनडोर स्टेडियम है जिसमें लकड़ी के फर्श हैं जो समूहों में छात्रों की जरूरतों को पूरा करते हैं। एक और महत्वपूर्ण विशेषता 16 उपकरणों के साथ मल्टी-स्टेशन व्यायामशाला है। इसके अलावा, ट्रेडमिल, पेट मशीन, लेग वाइब्रेटर मशीन, साइकिलिंग मशीन आदि जैसे नवीनतम और आधुनिक उपकरण भी छात्रों के लिए उपलब्ध हैं। महिला छात्रावास विशेष रूप से महिला छात्रों के लिए एक अलग व्यायामशाला से सुसज्जित है। ये सुविधाएं छात्रों को अपनी शारीरिक फिटनेस और समग्र विकास में सुधार करने में सक्षम बनाती हैं। विश्वविद्यालय में दो दीर्घाओं के साथ आठ लेन 400 मीटर रनिंग ट्रैक के साथ एक खेल का मैदान है और क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बॉल - बैडमिंटन, कबड्डी, खो - खो आदि खेलने और खेल टूर्नामेंट आयोजित करने का प्रावधान है। विश्वविद्यालय में छात्रों को अपने जीवन में रुचि है ....

सभी छात्र नियमित रूप से सुबह 6:00 बजे से 7:00 बजे तक सुबह के प्रशिक्षण सत्र में भाग लेते हैं ताकि खेल / लिंग के बावजूद शरीर की विशिष्ट कोचिंग की जा सके। यह कार्यक्रम पूरे शैक्षणिक वर्ष में जारी रखा गया था ताकि छात्रों को दक्षिण क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय टूर्नामेंट और अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए फिट बनाया जा सके। फ्री हैंड अभ्यास से गुजरने के बाद, छात्रों को सुबह और

शाम को प्रशिक्षण और कोचिंग के लिए विशिष्ट वांछित खेल और खेल, आउटडोर / इनडोर स्टेडियम में ले जाया जाता है।

इंडोर स्टेडियम सुबह 6:00 बजे से 8:00 बजे तक और शाम 5:00 बजे से रात 8:00 बजे तक छात्रों के साथ-साथ कर्मचारियों के लिए विभिन्न खेलों और खेलों के लिए उपलब्ध उपकरणों का उपयोग करने के लिए उपलब्ध रखा जाता है। टूर्नामेंट के लिए चुने गए छात्रों को एक विशिष्ट खेल के लिए आवश्यक मल्टी-स्टेशन जिम और अन्य जिम वस्तुओं में सर्किट प्रशिक्षण से गुजरना होगा। वे सीधे विभाग के संकाय / प्रशिक्षकों / कोच और विशेषज्ञों द्वारा पर्यवेक्षण और निर्देशित किए जाते हैं।

खेल और खेल जागरूकता कार्यक्रम:

जुलाई **2022** के महीने में छात्रों के बीच जागरूकता पैदा करने और उनके करियर में खेल के लाभों को उजागर करने और स्वस्थ जीवन बनाए रखने के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस आयोजन में शारीरिक शिक्षा और खेल के सहायक निदेशक ने विश्वविद्यालय में होने वाले कार्यक्रमों और गतिविधियों से अवगत कराया था और इंटर यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट के बारे में भी जानकारी दी थी और छात्रों को विश्वविद्यालय की ओर से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया था। उन्होंने आगे नौकरी पाने और बेहतर प्लेसमेंट में स्पोर्ट्स सर्टिफिकेट के महत्व के बारे में बताया।

राष्ट्रीय खेल दिवस राष्ट्रीय खेल दिवस

शारीरिक शिक्षा विभाग ने 29 अगस्त 2022 को राष्ट्रीय खेल दिवस पर छात्रों (लड़कों और लड़कियों) के लिए खेल और खेल का आयोजन किया, विभिन्न खेलों और खेलों में विजेताओं के लिए पुरस्कार प्रोफेसर राधागोविंद त्रिपाठी, डीन, छात्र कल्याण, प्रोफेसर आर चंद्रशेखर, एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक और खेल सचिव श्री वी सेतुराम खेल और खेल समिति द्वारा प्रदान किए गए।

NATIONAL SANSKRIT UNIVERSITY, TIRUPATI
National
Sports Day

1
3
2

इंटर-स्कूल टूर्नामेंट

अंतर-विश्वविद्यालय टूर्नामेंट की भागीदारी के हिस्से के रूप में, विभाग ने बैडमिंटन, वॉलीबॉल और खो-खो में अंतर-स्कूल टूर्नामेंट आयोजित किए। दक्षता और फिटनेस को ध्यान में रखते हुए, सर्वश्रेष्ठ छात्रों की पहचान और चयन किया जाता है। चयनित छात्रों को दक्षिण क्षेत्र और अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए विभिन्न खेलों और खेलों के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

अंतर-विश्वविद्यालय टूर्नामेंट

"साउथ जोन इंटर यूनिवर्सिटी बैडमिंटन (पुरुष) टूर्नामेंट **2022 - 23"** जैन, डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, बैंगलोर में **28** नवंबर से **2** दिसंबर **2022** तक आयोजित किया गया था।

क्र,सं	नाम	कक्षा	स्कूल
1.	रमेश बसपप चितपुर	पी एचडी	शिक्षा
2.	सुभेन्दु बेहेरा	आचार्या -II	साहित्य और संस्कृति
3.	एस एन सी श्रीनिवास	शास्त्री -II	दर्शन
4.	तुषार शर्मा	शास्त्री -II	साहित्य और संस्कृति
5.	सज्जा मधु सुधन राव	शास्त्री -II	दर्शन
6.	आशु	आचार्या -II	वेदवेदांगस
7.	ए मल्लिकार्जुन राव	शास्त्री -II	दर्शन

एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), चेन्नई में 23 **दिसंबर** 2022 **से** 27 **दिसंबर** 2022 **तक साउथ जोन इंटर-यूनिवर्सिटी वॉलीबॉल (पुरुष) टूर्नामेंट।**

क्र.सं	नाम	कक्षा	स्कूल
1.	तुमुल गणेश	आचार्या -I	दर्शन
2.	सचिन कोठारी	बी एड - I	शिक्षा
3.	श्रीकान्थ बारीक	एम एड – II	शिक्षा
4.	विजय होता	आचार्या – II	साहित्य और संस्कृति
5.	गणेश टी भट्ट	एम एड – II	शिक्षा
6.	प्रमोद महर	आचार्या – II	साहित्य और संस्कृति
7.	कुनु घड़ाई	आचार्या – II	साहित्य और संस्कृति
8.	सरोज पात्र	एम एड - II	शिक्षा
10.	सिद्धांत कुमार रथ	आचार्या – II	साहित्य और संस्कृति

"दक्षिण क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय खो-खो (पुरुष) टूर्नामेंट 2022-23" **जेएनटीयू, काकीनाडा, आंध्र प्रदेश में** 9 **जनवरी से** 12 **जनवरी** 2023 **तक।**

क्र सं.	नाम	कक्षा	स्कूल
1.	तरूण चुटिया	पी एच डी	वेदवेदांग
2.	कुनु घड़ाई	एम ए हिन्दII	साहित्य और संस्कृति
3.	ओंकार दिनेश हिंगणे	शास्त्री III	वेदवेदांग
4.	रमेश बसप्पा चितपुरा	पी एच डी	शिक्षा
5.	चंदन कुमार आर्य	शास्त्री II	साहिय और संस्कृति
6.	अवुलमंदा मल्लिकार्जुन राव	शास्त्री -II	दर्शन
7.	महेंद्र चौहान	आचार्या -I	साहित्य और संस्कृति
8.	मुकेश देबशर्मा	शास्त्री -II	साहित्य और संस्कृति
9.	पायला साई	एम एस सी(कंप)-I	शिक्षा
10.	गोपीरेड्डी स्ट्रेंथ रेड्डी	पी एच डी	दर्शन
11.	शांतनु महाकुर	शास्त्री -III	वेदवेदांग
12.	बाले धर्म तेजा	शास्त्री -II	दर्शन
13.	इसाकालापल्ली गणेश वर्मा	शास्त्री -II	दर्शन
14.	पुजारी राघवेंद्र	एम एस सी(योग)-I	साहित्य और संस्कृति
15.	सोनू माझी	शास्त्री -II	दर्शन

एनएसयू स्टाफ क्रिकेट टूर्नामेंट

वार्षिक खेल और खेलों के हिस्से के रूप में, शिक्षण और गैर-टैचिंग स्टाफ के प्रोत्साहन के लिए, शारीरिक शिक्षा विभाग ने 4 से 5 फरवरी 2023 के दौरान 2 दिवसीय एनएसयू स्टाफ क्रिकेट लीग सह नॉक-आउट टूर्नामेंट आयोजित किया। माननीय कुलपति, प्रोफेसर जीएसआर कृष्ण मूर्ति गारू ने क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन किया; कमांडर चल्ला वेंकटेश्वर (सेवानिवृत्त), रजिस्ट्रार, श्री वाईवी कृष्ण राव, उप रजिस्ट्रार और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। संस्कृत, हिंदी और तेलुगु में कमेंट्री प्रस्तुत करना टूर्नामेंट का मुख्य आकर्षण था। लगभग 90 स्टाफ सदस्यों ने इस क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लिया। एनएसयू टीचिंग टीम विजेता थी, और गैर-शिक्षण टीम रनर थी।

वार्षिक खेल और खेल

शारीरिक शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में छात्रों (लड़कों और लड़कियों) और कर्मचारियों (पुरुष और महिला) के लिए खेल और खेल आयोजित किए।

पर्यावरण के अनुकूल परिसर साइकिलों को बढ़ावा देना

पर्यावरण के अनुकूल परिसर को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय ने परिसर के भीतर छात्रों द्वारा उपयोग के लिए 40 यूनिसेक्स साइकिलों की खरीद की। माननीय लपति ने इंडोर स्टेडियम में 30 सितंबर 2022 को कैंपस साइकिल सेवा का उद्घाटन किया।

III. पाठ्येतर गतिविधियाँ

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस):

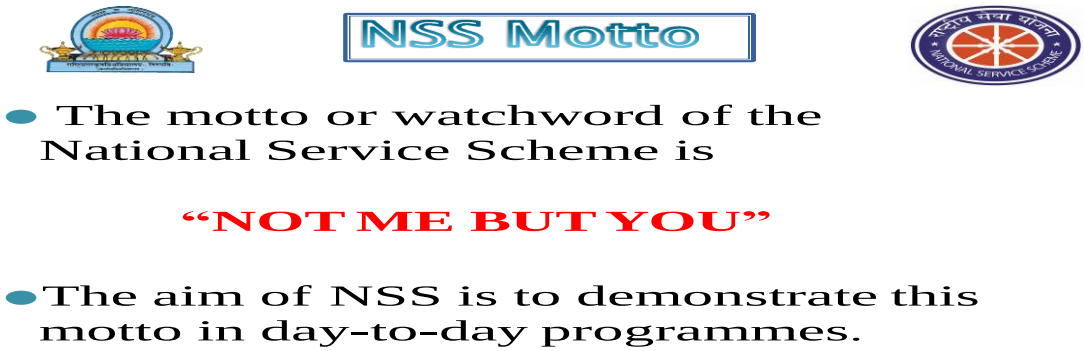

विश्वविद्यालय के एनएसएस प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कार्यक्रम/गतिविधियां निम्नलिखित हैं.

आजादी का अमृत महोत्सव

आजादी का अमृत महोत्सव 12 अगस्त 2022 को राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति के एनएसएस सेल द्वारा 12 अगस्त 2022 को तिरंगे झंडे के साथ एक रैली आयोजित करके मनाया गया। डीन अकादमिक मामलों, कुलसचिव, वित्त अधिकारी, एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक, कार्यक्रम अधिकारी, पुलिस उप-निरीक्षक (तिरुपति पश्चिम पुलिस स्टेशन), स्वयंसेवकों, संकाय सदस्यों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया और इसे एक बड़ी सफलता बनाई।

<u>हर घर तिरंगा 13-08-2022</u>

एनएसएस सेल ने "अजादिका अमृत महोत्सव" के हिस्से के रूप में हर गार तिरंगा का आयोजन किया और विश्वविद्यालय परिसर के महत्वपूर्ण स्थानों को राष्ट्रीय ध्वज से ढंक दिया गया। 13 अगस्त 2022 को सुबह 8 बजे से 11 बजे तक एनएसएस स्वयंसेवकों, छात्रों और संकाय ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

76 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह- 15-8-2022

आजादी का अमृत महोत्सव और 76 वां स्वतंत्रता दिवस विश्वविद्यालय, तिरुपति में मनाया गया और एनएसएस सेल की यूनिट -4 ने 14 और 15 अगस्त 2022 को सफाई, रास्तों को रंगने, रंगोली बनाने और राष्ट्रीय ध्वज, गुब्बारे और तोरणम आदि बांधने जैसे स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित करने में सक्रिय रूप से भाग लिया। एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक, कार्यक्रम अधिकारी, स्वयंसेवक, संकाय सदस्य और विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने भाग लिया और इसे एक बड़ी सफलता बना दिया।

S.B. RAGHUNATHACHARYA
OPEN AIR AUDITORIUM

एनएसएस स्थापना दिवस कार्यक्रम

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) स्थापना दिवस 24 सितंबर 2022 को भव्य तरीके से मनाया गया। इस कार्यक्रम ने छात्रों के बीच एनएसएस के बारे में बड़े पैमाने पर जागरूकता दी है? इसका हिस्सा बनना क्यों बहुत जरूरी है आदि को बहुत अच्छी तरह से समझाया गया था। विश्वविद्यालय के सभी छात्रों की सामाजिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। छात्र केवल समाज में सुधार ला सकते हैं; इन पहलुओं पर एनएसएस द्वारा विचार किया जाता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से, इतने सारे छात्र प्रेरित हुए और एनएसएस में शामिल हुए। कार्यक्रम अधिकारियों द्वारा छात्र जीवन में एनएसएस के उद्देश्य के बारे में बताया गया।

राष्ट्रीय खेल दिवस- 29-08-2022

राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय तिरुपति के शारीरिक शिक्षा विभाग और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) ने संयुक्त रूप से 29 अगस्त 2022 को राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया और इसका उद्घाटन एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक प्रोफेसर आर चंद्रशेखर ने किया और उन्होंने दैनिक जीवन में खेल के महत्व पर प्रकाश डाला। खेल एवं खेल समिति के खेल सचिव और यूनिट-4 एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी वी. सेतुराम ने विद्यार्थियों (लड़कों और लड़कियों) के लिए खेल-कूद का आयोजन किया। राधागोविंद त्रिपाठी, डीन, छात्र कल्याण द्वारा विभिन्न खेलों और खेलों में विजेताओं के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए।

* **100 मीटर दौड़ (लड़कियां)**

1 शिम्मा पूर्णम्मा - शास्त्री -**II**

2 मधु लिकिता - प्रकाश-शास्त्री-**II**

3 प्रियंका देशी - शास्त्री **– II**

***100 मीटर दौड़ (लड़के)**

1 मुकेशदेबशर्मा - बी.ए.(ऑनर्स)-**II**

2.सुरेंद्र दंत - शास्त्री-**III**

3 वागीश कश्यप - शास्त्री-**III**

*400 मीटर दौड़ (लड़कियां)

1. प्रियंक देशी - शास्त्री - **II**
2. शिम्मा पूर्णम्मा - शास्त्री - **II**
3. शिल्पा रेवन्नावर - प्रकाश-शास्त्री - **II**

- **800** मीटर दौड़ (लड़के)

1. मुकेश देब सरमा - शास्त्री - **II**
2. ए.मल्लिकार्जुन - शास्त्री **– II**
3. सी.एच.अजय चिंथा - प्रकाश-शास्त्री-**II**

तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थानों पर प्रशिक्षण

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा 6 सितंबर 2022 को टीओएफईआई (तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान) पर एक प्रशिक्षण आयोजित किया गया था और जिला चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी, तिरुपति द्वारा संकाय और कर्मचारियों, एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक, कार्यक्रम अधिकारियों, एनएसएस स्वयंसेवकों और छात्रों को रामरंजन मुखर्जी सभागार, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति में प्रशिक्षण दिया गया था।.

"विश्व हृदय दिवस के संबंध में 5K वॉकथॉन"

राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति के एनएसएस सेल "एनएसएस यूनिट -2" और स्वयंसेवकों ने 25.09.2022 को अमारा अस्पताल द्वारा अलीपीरी से चिड़ियाघर पार्क तक आयोजित विश्व हृदय दिवस 5के वॉकथॉन में भाग लिया। अमारा अस्पताल के कर्मचारियों और छात्रों ने इस 5के वॉकथॉन में भाग लिया। इस वॉकथॉन में लगभग 200 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

स्वच्छ और हरित कार्यक्रम

स्वच्छ और हरित कार्यक्रम 11 सितंबर 2022 को विश्वविद्यालय मैदान में आयोजित किया गया था। यूनिट-4 के एनएसएस स्वयंसेवकों ने खेल के मैदान क्षेत्र में मलबे, अवांछित पौधों और पत्थरों को साफ किया। एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक और कार्यक्रम अधिकारियों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया और इसे एक बड़ी सफलता बनाई।

विश्व नेत्र दृष्टि दिवस कार्यक्रम

राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति के एनएसएस सेल यूनिट **1** ने **13** अक्टूबर **2022** को विश्व नेत्र दृष्टि दिवस का आयोजन किया। डॉ. अग्रवाल के नेत्र अस्पताल के कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय का दौरा किया और विश्वविद्यालय, तिरुपति के छात्रों, कर्मचारियों और एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए प्रारंभिक नेत्र परीक्षा आयोजित की। डॉ. जगनमोहन ने एनएसएस स्वयंसेवकों के साथ पूरे आयोजन का समन्वय किया और इसे सफल बनाया।

विश्व खाद्य दिवस-16-10-2022

राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय एन.एस.एस यूनिट-IV ने "विश्व खाद्य दिवस" के अवसर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया और भूखे लोगों, मानसिक रूप से बीमार, विकलांग, बूढ़े और अनाथों को भोजन, पानी वितरित किया। कार्यक्रम एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ ए चंदूलाल की देखरेख में तिरुपति रामकृष्ण डीलक्स से अलीपीरी तक आयोजित किया गया था। इसके एक भाग के रूप में, विश्वविद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ अदेना नाइक, डॉ कनापाला कुमार, डॉ बीएलवी जगन मोहन, डॉ मैरी सुजाता, डॉ एस वैष्णवी, डॉ बुल्टी दास और यूनिट-4 के एनएसएस स्वयंसेवकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

वृषबोस्तवम्

कृषि भारतम ट्रस्ट के सहयोग से एनएसएस सेल ने **26** अक्टूबर **2022** को कार्तिका शुद्धपदमी के अवसर पर वृषोत्सव मनाए। यह खेती में बैल के महत्व को दर्शाता है। ओएक्स को सजाने के बाद एनएसएस स्वयंसेवकों के साथ यात्रा आयोजित की गई। कुलपति प्रोफेसर जीएसआर कृष्ण मूर्ति और विश्वविद्यालय के अन्य प्रोफेसरों ने यात्रा में भाग लिया। इसके बाद किसानों को उनकी सेवा के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय एफपीओ और जैविक खेती प्रमुख, भारतीय किसान सिंह, नई दिल्ली, सम्मानित अतिथि डॉ. बी. वेंगाम्मा, निदेशक-सह-कुलपति एसवीआईएमएस, तिरुपति और अन्य विशेष आमंत्रित ों ने अपना बहुमूल्य भाषण दिया।

विश्व एड्स दिवस

विश् व एड्स दिवस के अवसर पर विश् वविद्यालय द्वारा 1 दिसम् बर, 2013 को तिरुपति शहर में एड्स जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को एड्स के कारणों, उपचार और रोकथाम के बारे में जागरूक करना था। पोस्टर बनाने का विषय "असमानताओं को समाप्त करें, एड्स को समाप्त करें" था। कार्यक्रम में लगभग 150 स्वयंसेवकों, विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों ने भाग लिया। तिरुपति शहर के लोगों को जानकारी और मार्गदर्शन तख्तियों और नारों के माध्यम से किया गया था। एड्स की रोकथाम से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी वाले पत्रक तिरुपति शहर के लोगों के बीच वितरित किए गए थे।

तिरुपति में प्लास्टिक संग्रह अभियान

एनएसएस स्वयंसेवकों ने तिरुपति में एक मेगा स्वच्छता अभियान का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य (i) प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन में सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना; (ii) पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए प्लास्टिक कचरे को उचित रूप से एकत्र करना और उचित रूप से निपटान करना; (iii) पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर प्लास्टिक प्रदूषण के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाना; और (iv) एकल उपयोग वाले प्लास्टिक के स्थायी विकल्पों को बढ़ावा देना और अपनाना। "स्वच्छ भारत 2.0" अभियान के तत्वावधान में, देश की प्रत्येक एनएसएस इकाई को अक्टूबर के स्वच्छता महीने के दौरान 200 किलोग्राम प्लास्टिक कचरा एकत्र करने का लक्ष्य दिया गया है। तिरुपाई में 3 एनएसएस इकाइयों के साथ और लक्ष्य हासिल कर लिया गया था। कई छात्रों ने अभियान में भाग लिया और शहर में प्लास्टिक और अन्य कचरे को इकट्ठा किया।

राष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालय तिरुपति
NATIONAL SANSKRIT UNIVERSITY TIRUPATI
INVITES YOU
N.S.S Foundation Day
PLEASE DON'T

IV. सेमिनारों /सम्मेलनों /कार्यशालायों में संकाय द्वारा भाग ग्रहण

B. चंद्रशेखरम

- पाठ्येतर गतिविधियों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों का आयोजित:
- 04 अप्रैल 2022 को विक्रम सिम्हापुरी विश्वविद्यालय, नेल्लोर में पीएचडी वाइवा के लिए परीक्षक के रूप में भाग लिया।
- 16 अप्रैल 2022 को एस वी विश्वविद्यालय, तिरुपति के प्रबंधन अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित विपणन सूचना प्रणाली पर अतिथि व्याख्यान दिया
- शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए समर्थ शैक्षणिक/प्रवेश मॉड्यूल (राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति) के लिए संचालन समिति के सदस्य
- 9 मई से 7 जून 2022 तक पैनटेक प्रोलैब्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर 30-दिवसीय मास्टर क्लास में भाग लिया।
- 03 जुलाई 2022 से 06 जुलाई 2022 तक विजयम बिजनेस स्कूल, चित्तूर के लिए एमसीए प्रथम सेमेस्टर के छात्रों के लिए एस वी विश्वविद्यालय प्रैक्टिकल परीक्षा आयोजित की गई।
- 18 जून 2022 को प्रबंधन अध्ययन विभाग, एस वी विश्वविद्यालय, तिरुपति द्वारा आयोजित विनिर्माण सूचना प्रणाली पर अतिथि व्याख्यान दिया
- 23 जुलाई 2022 को प्रबंधन अध्ययन विभाग, एस वी विश्वविद्यालय, तिरुपति द्वारा आयोजित सिस्टम भेद्यता और दुरुपयोग पर अतिथि व्याख्यान दिया
- 20 अगस्त 2022 को एस वी विश्वविद्यालय, तिरुपति के प्रबंधन अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित सिस्टम ऑडिट पर अतिथि व्याख्यान दिया
- 03 सितंबर 2022 को प्रबंधन अध्ययन विभाग, एस वी विश्वविद्यालय, तिरुपति द्वारा आयोजित साइबर सुरक्षा पर अतिथि व्याख्यान दिया
- 17 से 22 सितंबर 2022 तक "आजादी का अमृत महोत्सव" के अवसर पर 7 दिनों के लिए वॉक योर वे टू फिटनेस में भाग लिया।

  उन्होंने कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक, महाराष्ट्र के लिए कंप्यूटर विज्ञान के लिए बोर्ड ऑफ स्टडीज के सदस्य के रूप में कार्य किया।

पीयर-रिव्यू या यूजीसी में शोध पत्र प्रति पेपर सूचीबद्ध पत्रिकाएं

क्र.सं	शैक्षणिक/अनुसंधान गतिविधि	पत्रिका	वर्ष	प्रभाव कारक
1.	स्पोकन इंडियनलैंग्वेज रिकॉग्निशन सिस्टम के लिए एक नवीन संभाव्यता जीएमएम-यूबीएम सुपरवेक्टर विधि	स्टोकेस्टिक मॉडलिंग और अनुप्रयोग	आईएसएसएन:0972-3641 खंड 26 क्रमांक 1 (जनवरी - जून, विशेष अंक:	यूजीसी सूचीबद्ध

2.	विघटनकारी प्रौद्योगिकी का उपयोग करके COVID-19 प्रबंधन	एशियनजर्नलऑफ ऑर्गेनिक एंड मेडिसिनल केमिस्ट्री	वॉल्यूम. 7 क्रमांक 2 (अप्रैल-जून, विशेषांक) -III 2022)	वेब ऑफ साइंस सूचीबद्ध
3.	भाषा पहचान के लिए जीएफसीसी पर आधारित नया फीचरवेक्टर	बीजगणितीय सांख्यिकी जर्नल	खंड13, नंबर 2,2022	वेब आफ साइंस सूचीबद्ध
4.	ऑनलाइन शिक्षण में ध्यान का शासन	अर्ली चाइल्डहुड स्पेशल एजुकेशन का इंटरनेशनल जर्नल (INT-JECS)	ISSN:1308-5581Vol14, Issue042022	वेब ऑफ साइंस सूचीबद्ध
5.	'एजुक्काल' की प्रस्तावना: शैक्षिक योग्यताओं को सुरक्षित रूप से ट्रैक और ट्रेस करने के लिए ब्लॉकचैन आधारित प्लेटफार्म	बीजगणितीय सांख्यिकी जर्नल	ISSN:1309-3452,Volume 13,No.3, 2022,p.275-281	वेब ऑफ साइंस सूचीबद्ध
6.	भारत पर फोकस के साथ प्रवेश प्रक्रिया में डिजिटलीकरण	स्टोकेस्टिक मॉडलिंग और अनुप्रयोग	ISSN:0972-3641 Vol.26No.3 (January - June,Special Issue2022 Part-9)	यूजीसी सूचीबद्ध
7	टुरिस्ट सैटिस्फैक्शन टूवर्ड्स अकामॉडेसऑन	आई जे ए आर ई एस एएम	ISSN:2455- 6211 Vol-10,2022 2082-2088	यूजीसी सूचीबद्ध

प्रकाशन (शोध पत्रों के अलावा) पुस्तकें जो प्रकाशित होती हैं

क्रसं	पुस्तकों के नाम	वर्ष	प्रकाशित / **ISBN**
1	जैविक अनुक्रम और जीनोम विश्लेषण में जैव सूचना विज्ञान के लिए बायोपाइथॉन	2022	प्रकाशित/978-93- 55002-09-9
2	डिजिटल फ्लूएनसी	2022	प्रकाशित/978-93-5500- 364-5
3	React.JS:आवश्यक	2022	प्रकाशित/978-93-5625- 008-6
4	अनुसन्धान(हिंदी)	2022	प्रकाशित/978-81- 95516-65-0

5	सस्कृत के लिए टेक्स्टटूस्पीचसिंथेसिसt	2022	प्रकाशित/978-93- 55007-91-9
6	ओपनऑफिसवकेप्रोसेसिंग (तेलुगु)	2022	प्रकाशित/978-81- 955166 1-2
7	बहु-विषयक पहलुओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उभरती प्रौद्योगिकियाँ (Ch - उच्च शिक्षा और ऑनलाइन शिक्षाशास्त्र के अनुप्रयोग पर प्रभाव)	2022	प्रकाशित/978-93- 918544-6-1
8	उच्च शिक्षा में संवर्धित वास्तविकता अनुप्रयोग (सीएच- एक बढ़ती हुई तकनीक और समय की आवश्यकता शिक्षण और सीखना)	2022	प्रकाशित /978-93- 91556-59-4

प्रो संपतकुमाराचार्यु, पीटीजीवाई:

29 अक्टूबर 2022:

तापनीयोपनिषद्भाष्यप्रशस्तिः

श्री बन्नान्जे गोविंदाचार्य प्रतिष्ठानम, बंगलौर द्वारा श्री बन्नान्जे गोविंदाचार्य के तपनियोपनिषद-भाष्य पर प्रकाशित एक समीक्षा।

17 से 19 फरवरी 23:

श्रीमद्उदय वेदांत आचार्यपीठम, श्रीरामनगर, शमशाबाद के सहयोग से भारतीय विद्या प्रयोजन, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला महामंत्रि, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित अपने 1200 वें तिरुनक्षत्र उत्सव में नाथमुनि पर सम्मेलन में भाग लिया।.

02 मार्च 2023:

तत्पर्यादीपिका - एनएसयू के दूसरे दीक्षांत समारोह में रामानुज परियोजना द्वारा जारी पुस्तक।

17 से 19 मार्च 2023:

भुजनगर, गुजरात में नरनारायणदेवद्विशताब्दीमहोत्सव में आयोजित शास्त्रविद्वत संगोष्ठी में भाग लिया।

डॉ. वेदप्रकाश प्रभाकर बोरकर
रिसोर्स पर्सन/स्पीकर और कोऑर्डिनेटर के रूप में कार्य किया: हिंदी कार्यशाला

1	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय हिंदी वेबिनार 22-23 अप्रैल 2022	"हिन्दी विज्ञान लेखन की चुनोतीयाँ एवं संभावनायें" पर प्रस्तुतीकरण	सीएसआईआर राष्ट्रीय एयरोस्पेस प्रयोगशालाओं द्वारा आयोजित, बेंगलुरु -560 017

2	एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला 22 अगस्त 2022	"प्रयोजनमूलक हिन्दी:कार्यलयी हिन्दी एवं प्रशासनिक अनुवाद के विशेष संदर्भ में" स्लाईड की प्रस्तुतीकरण	राजभाषा प्रकोष्ठ एवं हिन्दी विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा संचालित
3	एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला 30 अगस्त 2022	प्रशासनिक अनुवाद की उपादेयता : कार्यालयी हिन्दी के विशेष संदर्भ	राजभाषा प्रकोष्ठ एवं हिन्दी विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा संचालित
4	एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला 5 सितंबर 2022	प्रशासनिक अनुवाद की उपादेयता : कार्यालयी हिन्दी के विशेष संदर्भ	राजभाषा प्रकोष्ठ एवं हिन्दी विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा संचालित
5	एक सप्ताह की हिन्दी कार्यशाला **26** अक्टूबर से **1** नवंबर **2022** तक	प्रशासनिक अनुवाद की उपादेयता : कार्यालयी हिन्दी के विशेष संदर्भ	राजभाषा प्रकोष्ठ एवं हिन्दी विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा संचालित

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (यूजीसी) उपलब्धि 'ए' ग्रेड

1	2 सप्ताह का ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम हिंदी और संस्कृत पर	**यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला द्वारा आयोजित**	**12/12/2022 to24/12/2022**

हिन्दी के प्रचार-प्रसार एवं विकास हेतु गतिविधियाँ

1	अखिल भारतीय हिन्दी महासभा एवं हिन्दी विभाग,तिरुपति के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी	मातृ भाषा के साथ राष्ट्रीय भाषा का समन्वय एकता एवं सम्पूर्ण देश के विकास में रोजगार के सुअवसर – संगोष्ठी में संचालन एवं कार्यक्रम समन्वयक की भूमिका	15/06/2022

- **राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया**

1	राष्ट्रीय सम्मेलन स्थायी भविष्य के लिए एस एंड टी में लैंगिक समानता पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 14-15 मार्च 2023 को आयोजित किया गया राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत, नागपुर चैप्टर और आरटीएम नागपुर विश्वविद्यालय	अनुसंधान एवं विकास में भारतीय महिलाओं की स्थिति

- सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया

1	सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला सह संगोष्ठी 11-03-2023 से 17-03-2023 तक	Presented a paper on'भारतीय दर्शनमेंवर्णितमोक्ष का स्वरूप'	नसौ तिरुपति & श्री लाल बहादुर शास्त्री नसौ, नई दिल्ली, डिपार्टमेंट ऑफ़ सांख्ययोगा& योग विज्ञान

- दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया

1	दो दिवसीय कार्यशाला फरवरी 07 से 08,2023	**अनुसंधान प्रस्ताव लेखन**	एनएसयूटी द्वारा आईकेएस, शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित किया गया

- मूल्यांकनकर्ता और पेपरसेटर के रूप में नियुक्त

1	कर्मचारी राज्य बीमा निगम, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय उपक्षेत्रीय कार्यालय,वार्डर नगर, तिरुपति	1. हिन्दी वर्ग एवं हिन्दी तर वर्ग हेतु हिन्दी टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता एवं राजभाषा ज्ञान प्रतियोगिता का प्रश्न पत्र निर्माण 2. हिन्दी वर्ग एवं हिन्दी तर वर्ग हेतु हिन्दी टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता एवं राजभाषा ज्ञान प्रतियोगिता का प्रश्न पत्र निर्माण	29th September 2022

- आईएसबीएन पुस्तक अध्याय में महत्वपूर्ण योगदान

S. No.	पृष्ठ क्रमांक सहित शीर्षक	प्रकाशक का नाम	स्तर (अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय)	प्रकाशन का वर्ष	ISBN
1	भारतीय ज्ञान प्रणाली में दार्शनिक दृष्टिकोण एवं संज्ञानात्मक विज्ञान (मनोविज्ञान) का चिंतन मरणोपरांतवाद और महामारी के बाद पृष्ठ **34-61**	ऑथर्स प्रेस, नई दिल्ली संपादक डॉ. अनुपमा रावत, डॉ. ए. थानमोझी, डॉ. पी. मैटिच यादव	राष्ट्रीय	2022	978-93-5529-402-9
2	समकालीन हिन्दी साहित्य में स्त्री विमर्श लिंग और नारीवाद को समझना और महिलाओं को सशक्त बनाना पृष्ठ**117-133**	ऑथर्स प्रेस, नई दिल्ली संपादक-डॉ.योगेश कुमार शर्मा, डॉ.सुशीला बी.डॉ.अनुपमा रावत	राष्ट्रीय	2022	978-93-5529-146-2

3	नारीवाद: अवधारणा, प्रकार, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, महिला सशक्तिकरण और आंदोलन लिंग और नारीवाद को समझना और महिलाओं को सशक्त बनाना पृष्ठ **167-212**	ऑथर्स प्रेस, नई दिल्ली संपादक-डॉ.योगेश कुमार शर्मा, डॉ.सुशीला बी.डॉ.अनुपमा रावत	राष्ट्रीय	2022	978-93-5529-146-2
4	हिंदी साहित्य में गैर-काल्पनिक लेखन और नवाचार बियॉन्ड फिक्शन: ए क्रिटिकल इवैल्यूएशन ऑफ द नॉन फिक्शनल राइटिंग्स पेज **65-80**	ऑथर्स प्रेस, नई दिल्ली डॉ. राजश्री कपूर द्वारा संपादित	राष्ट्रीय	2023	978-93-5529-486-9
5	संस्कृत साहित्य में शैक्षिक मनोविज्ञान का चिंतन वाणिज्य, व्यवसाय, शिक्षा, आईटी और सामाजिक विज्ञान में नए क्षितिज पृष्ठ **46-58**	ग्रीन ग्रोव रिसर्च पब्लिकेशन, नई दिल्ली संपादक: मदन एम.एल	राष्ट्रीय	2022	978-93-93282-02-6

• प्रतिलिपि अधिकार

S.No.	पंजीकरण संख्या एल-119460/2022	कॉपीराइट रजि. का	कार्य का शीर्षक	दिनांकित	कॉपीराइट रजिस्ट्रार का कार्यालय
1	डायरी नंबर **13885/2022**-सीओ/एल	साहित्यिक /नाटकीय	हिंदी में विज्ञान संचार	07/12/2022	कॉपीराइट कार्यालय, उद्योग एवं आईटी संवर्धन विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली

डॉक्टर। शिवराम रामकृष्ण भट

सेमिनार में भाग लिया				
S. No.	सम्मेलन/संगोष्ठी का शीर्षक	द्वारा आयोजित	स्तर	अवधि

1.	साहित्यसृष्टिः	संभाषणसन्देशः, संस्कृतभारती,बेङ्गळूरु	राष्ट्रीय	14th and 15th January 2023
2.	संस्कृतमेंशब्दनिर्माण, शब्दशालाऔरभविष्यकीयोजनाएं	भारतीयभाषासमिति, नवदेहली	राष्ट्रीय	28th October 2022
3.	राष्ट्रियशिक्षानीतिःभारतीयज्ञानपरम्पराच	विद्याभारती, नवदेहली	राष्ट्रीय	04th to 05th June 2022

PAPER PRESENTED

S.No.	प्रस्तुत पेपर का शीर्षक	सम्मेलन/संगोष्ठी का शीर्षक	सम्मेलन/संगोष्ठी का शीर्षक	अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय/राज्य/क्षेत्रीय/कॉलेज या विश्वविद्यालय स्तर	तारीख
1.	प्रत्ययस्थादितिसूत्रार्थविचारः	शास्त्रार्थसभा	MPSE विश्वविद्यालय,उज्जैन	विश्वविद्यालय	18 मई 2022
2.	स्वातन्त्र्योत्तरंवैयाकरणानांयोगदानम्	राष्ट्रियसंगोष्ठी-स्वातन्त्र्योत्तरभारतेसंस्कृतस्यविकासः	वाग्वर्धिनीपरिषत्-राष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालयः, तिरुपतिः	राष्ट्रीय	12 अगस्त 2022
3.	राष्ट्रैक्यभावना	संस्कृतसप्ताहः - कवितागोष्ठी	वाग्वर्धिनीपरिषत्-राष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालयः, तिरुपतिः	विश्वविद्यालय	11 अगस्त 2022
4.	धर्मशास्त्रानुसारं संस्काराणांप्रासङ्गिकता	धर्म, धर्म शास्त्र और संस्कृति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	केकेएसयू का रत्नागिरी केंद्र, रामटेक	अंतरराष्ट्रीय	18 अगस्त 2022
5.	राष्ट्रियशिक्षानीतौशास्त्ररक्षणस्यअंशाः	नवीनशिक्षानीतेःसन्दर्भेशास्त्ररक्षणोपायाः	संस्कृतभारती, नवदेहली	राष्ट्रीय	26 से 27 फरवरी 2023
6.	वाक्यपदीयेप्रतिपादितस्यमोक्षवादस्यप्रासङ्गिकता	संस्कृतवाङ्मयेमोक्षवादः- तस्यप्रासङ्गिकता	योगविभागः, राष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालयः, तिरुपतिः तथाश्रीलाब	राष्ट्रीय	11 से 17 मार्च 2023

			शारासंवि, नवदेहली		
7.	श्रीचैतन्यमहाप्रभु विरचितेशिक्षाष्टके भक्तितत्त्वचिन्तनम्	श्री चैतन्य दर्शन: अन्य दर्शनों के साथ एक संवाद	उत्कलपीठ, राष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालय:, तिरुपति:	राष्ट्रीय	28 से 30 मार्च 2023
8.	सत्रेअधिकारविमर्शः	अधिकारविमर्शः	मीमांसाविभागः, राष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालय:, तिरुपति:	राष्ट्रीय	27th to 28th March 2023
9.	डा. बी.आर्.अम्बेडकरमहोदयानांसंस्कृतमधिकृत्यविचाराः	Dr. B.R. Ambedkar's Ideology	राष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालय:, तिरुपति:	राष्ट्रीय	12th April 2023

आमंत्रित व्याख्यान					
S.No.	**व्याख्यान/शैक्षणिक सत्र का शीर्षक**	**सम्मेलन/संगोष्ठी का शीर्षक**	**द्वारा आयोजित**	**अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय**	**तारीख**
1.	एनईपी-2020 के अनुसार विश्वविद्यालय स्तर पर पाठ्यक्रम संरचना	राष्ट्रीय शैक्षिक नीति-2020	एस.वी.विश्वविद्यालय, तिरूपति	राष्ट्रीय	23 जनवरी 2023
2.	शास्त्रीय अनुसंधान पद्धति-1	पीएच.डी. पाठ्यक्रम कार्य	MPSE विश्वविद्यालय,उज्जैन	विश्वविद्यालय	03 जून 2022
3.	शास्त्रीय अनुसंधान पद्धति-2	पीएच.डी. पाठ्यक्रम कार्य	MPSE विश्वविद्यालय,उज्जैन	विश्वविद्यालय	03 जून 2022
4.	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुद्याःकर्मकारकं द्वितीयाविभक्तिश्च	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी(कर्मकारकम्)	विद्यासागर विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल	राष्ट्रीय	15 सितंबर 2022

प्रो वी उन्नी कृष्णन नामपियाथिरी

1. केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा मद्रास संस्कृत कॉलेज में सीएएस के लिए स्क्रीनिंग सह मूल्यांकन समिति और चयन समिति के सदस्य (विषय विशेषज्ञ) के रूप में नियुक्त किया गया और एसएसवी पाठशाला आदेश संख्या एमएससी/सीएएस/2022-23/78 (10), दिनांक: 03.08.2022 और 24 अगस्त 2022 को उपस्थित हुए।
2. 05 से 06 अप्रैल 2023 को 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में ज्योतिष और वास्तु विभाग, और एक विशेष व्याख्यान दिया।

डॉ. म. मेरी सुजाता

क्र. स.	**सेमिनार/कार्यशाला /सम्मेलन**	**तारीख**	**पद**	**कार्यक्रम का स्थान**
1.	कंप्यूटर विज्ञान में हालिया प्रगति पर एफडीपी	29 अप्रैल 2022	संसाधन व्यक्ति	विजया प्रौद्योगिकी संस्थान, विजयवाड़ा
2.	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग पर एफडीपी	14 जुलाई 2022	संसाधन व्यक्ति	कृष्णा विश्वविद्यालय, मछलीपट्टनम
3.	कंप्यूटर की बुनियादी बातों के लिए आचार्य ब्रिज कोर्स	04 नवंबर 2022	वक्ता	एनसीई, चिलपा ग्राउंड
4.	विद्वतापूर्ण पुस्तकें कैसे प्रकाशित करें और खुली पहुंच पर कार्यशाला	24 नवंबर 2022	प्रतिभागी	एनसीई, चिलपा ग्राउंड
5.	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	9 दिसंबर से 10 दिसंबर 2022	कंप्यूटर पेपर्स के लिए सत्र अध्यक्ष	वर्तमान डिजिटल रुझानों में प्राचीन गणित की प्रासंगिकता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

6.	राष्ट्रीय संगोष्ठी	3 से 4 जनवरी 2023 तक	प्रतिभागी (पूर्ण लंबाई का पेपर प्रस्तुत)	आरटीआईसीटी-2023 कंप्यूटर विज्ञान विभाग, कृष्णा विश्वविद्यालय, मछलीपट्टनम द्वारा आयोजित किया गया।
7.	व्यावसायिक रणनीतियों को पुनर्परिभाषित करने पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	5 और 6 जनवरी 2023	प्रतिभागी (पेपर प्रस्तुत)	नए युग के बिजनेस मॉडल (ICRBSNABM-2023)
8.	"अनुसंधान प्रस्ताव लेखन" पर राष्ट्रीय कार्यशाला	7 और 8 फरवरी 2023	प्रतिभागी	एनसीई, चिलपा ग्राउंड
9.	सेमिनार एवं कार्यशाला	15 मार्च 2023	सत्र संयोजक	प्रतिभागी (पेपर प्रस्तुत)
10.	सेमिनार एवं कार्यशाला	15 मार्च 2023	प्रतिभागी (पेपर प्रस्तुत)	एनसीई, चिलपा ग्राउंड

प्रो सतीश के.एस.

- विश्व संस्कृत सम्मेलन में एक सस्त्र व्याख्यान दिया
- इतिहास पर दो एपिसोड रिकॉर्ड किए गए और संसद टीवी पर प्रसारित किए गए।
- तीन संगोष्ठियों में प्रस्तुत किए गए पत्र
- आईएसएसएन नंबर के साथ पत्रिकाओं में तीन शोध पत्र प्रकाशित किए गए थे।
- एक पुस्तक का अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद किया गया है और प्रकाशित किया गया है, जिसका शीर्षक योग, शक्तिकृत जीवनमुक्ति है।

डॉ. नागलक्ष्मी जी.

संकाय प्रेरण / अभिविन्यास कार्यक्रम

1. यूजीसी-एचआरडीसी प्रायोजित कंप्यूटर विज्ञान में दो सप्ताह का ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, विषय: "शिक्षा **4.0:** आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्मार्ट सिस्टम, रोबोटिक्स और बिग डेटा एनालिटिक्स के साथ तकनीकी क्रांति", यूजीसी-एचआरडीसी मदुरैकामराज विश्वविद्यालय, मदुरी द्वारा **02** नवंबर से **15** नवंबर **2022** के दौरान आयोजित किया गया और ए + ग्रेड प्राप्त किया।

संकाय विकास कार्यक्रम

2. उद्योग इंटरफेस सेंटर और आईएआरई की आईईईई छात्र शाखा के सहयोग से इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग द्वारा 11 से 22 जुलाई 2022 के दौरान "वेब एप्लिकेशन डेवलपमेंट" पर दो सप्ताह का ऑनलाइन व्यावसायिक विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया।
3. 25 जुलाई से 05 अगस्त 2022 के दौरान "स्मार्ट हेल्थकेयर टेक्नोलॉजीज: अवसर और चुनौतियां" पर दो सप्ताह (40 घंटे) ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम संयुक्त रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स और आईसीटी अकादमिकएमएनआईटी जयपुर, एनआईटी पटना और आईआईआईटीडीएम जबलपुर द्वारा आयोजित किया गया।
4. राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति द्वारा 26 अक्टूबर से 30 नवंबर, 2022 के दौरान "आधिकारिक हिंदी और प्रशासनिक अनुवाद की कार्यक्षमता" पर एक सप्ताह का ऑनलाइन संकाय प्रशिक्षण कार्यक्रम।
5. कंप्यूटर विज्ञान विभाग, जेआईएस विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल द्वारा **28** नवंबर से **2** दिसंबर **2022** के दौरान "कंप्यूटिंग में हालिया रुझानों में नवाचार" पर एक सप्ताह का ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय संकाय विकास।

सेमिनार

6. विश्वेश्वरैया भवन द्वारा **29** अक्टूबर **2022** के दौरान इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), तेलंगाना द्वारा "आईओटी एनालिटिक्स" पर एक दिवसीय ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। हैदराबाद।

वेबिनार

7. यूजीसी-एचआरडीसी, जेएनटीयू हैदराबाद द्वारा 26 नवंबर 2022 को "एनईपी-2020 कार्यान्वयन योजना: भारतीय ज्ञान प्रणालियों को बढ़ावा देना" पर वेबिनार आयोजित किया गया।
8. राजा राम मोहन रॉय राष्ट्रीय एजेंसी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तहत **27** अक्टूबर **2022** को "आईएसबीएन के साथ एक पुस्तक कैसे प्रकाशित करें" पर वेबिनार।

पेपर प्रकाशन

9. "मशीन लर्निंग का उपयोग करके नकली समाचार का पता लगाना", जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिकल नेगेटिव रिजल्ट्स, स्कूप्स इंडेक्स्ड जर्नल वॉल्यूम **13,** नंबर **4, 1024-1030** पर एक लेख प्रकाशित किया। **https://doi.org/10.47750/pnr.2022.13.04.140** (मूल कार्य **4** नवंबर, **2022** को प्रकाशित)। **https://www.pnrjournal.com/index.php/home/article/view/2966** पृष्ठ: **1024-1030**

Text Book

10. पायथन प्रोग्रामिंग: एक व्यावहारिक दृष्टिकोण**,** जीसीएस पब्लिशर्स इंडिया**, 28/07/2022,** आईएसबीएन: **978-93-94304-62-8** पंजीकरणकर्ता का नाम: धना लक्ष्मी **.https://isbnnew.inflibnet.ac.in/Recently_Published_Books.aspx**

पेटेंट

11. **एआई-शू, आवेदन संख्या**: 366057-001, **सीबीआर नंबर**: 202720, **भरने की तारीख**: 14/06/2022 **नामक एक आविष्कार के लिए पेटेंट दायर किया गया है।**

पुरस्कार

12. मार्च को महामाथा सावित्रीबाई फुले के 192 वें जन्मदिन समारोह के अवसर पर "महामठ सावित्रीबाई फुले सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार - 2023" प्राप्त किया
13. 08 मार्च 2023 को महिला दिवस के अवसर पर आविष्कार फाउंडेशन, सोलापुर से "बेस्ट इंस्पिरेशनल टीचर ऑफ द ईयर अवार्ड" प्राप्त किया।
14. **08** मार्च **2023** को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय**,** तिरुपति से "महिला दिवस पुरस्कार **2023"** प्राप्त किया।

डॉ. व्. धर्मदासन

पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में भाग लिया, अल्पकालिक पाठ्यक्रम, ग्रीष्मकालीन स्कूल आदि

पाठ्यक्रमों का नाम	विश्वविद्यालय का नाम	विशेषज्ञता वाले विषय	अवधि	वर्ष	प्राप्त अंक/ग्रेड
यूजीसी- प्रायोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (ऑनलाइन)	यूजिसि-हेच्आर्डिसि जैन नरेन्वयास यूनिवर्सिटी, जोधपुर, राजस्थान	भाषाएँ एवं वास्तु विद्या	06/09/2022To 19/09/2022	2022	A+

सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम/आमंत्रित व्याख्यान

प्रकार	कार्यक्रम/थीम का नाम	पेपर प्रस्तुतकर्ता /कृदंत/संसाधन व्यक्ति/अन्य	स्तर	शोध पत्र का शीर्षक	दिनांक अवधि	व्यवस्था करनेवाला
सेमिनार						

सेमिनार	एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी चालू**आचारप्रयोग प्रयोजनविषयाः ज्योतिश्शास्त्रे**	पेपर प्रस्तुत किया गया	राष्ट्रीय	**आचारप्रयोगः**	17/12/2022	विभाग ज्योतिष सरकारी संस्कृत कॉलेज तिरुवनंतपुरम की
	कार्यशाला विषय-कैवल्यपाद विद पतंजलि योग सूत्र व्यास भाष्यसेमिनार विषय-संस्कृत साहित्य में मोक्षवाद-वर्तमान युग में इसकी प्रासंगिकता पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला सह संगोष्ठी	पेपर प्रस्तुत किया गया	राष्ट्रीय	**ज्योतिषशास्त्र दृष्ट्यामोक्षविचारः**	11-03-2023 to 17-03-2023	राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरूपति और श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

डॉ. भारत भूषण रथ:

1. प्रवेश परीक्षा के लिए संस्कृत प्रश्न पत्र तैयार करने के लिए टीसीएस के विषय विशेषज्ञ।
2. 10 फरवरी 2023 को केंद्र साहित्य अकादमी की राष्ट्रीय संस्कृत कवि सम्मेलन के प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया।
3. श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी के लिए परीक्षक।
4. श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय, तिरुपति के लिए परीक्षक।
5. विश्वविद्यालय के सांख्य योग विभाग में पतंजलि योग सूत्र पर 7 दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. तपन कुमार घडी

सेमिनार में भाग लिया					
S. No.	**सम्मेलन/संगोष्ठी का शीर्षक**	**द्वारा आयोजित**	**स्तर**	**अवधि**	**दिन/सप्ताह**
1.	प्राचीन गणित की प्रासंगिकता का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,तिरुपति	अंतरराष्ट्रीय	9 से 11 दिसंबर, 2022	3 Days
2.	**संस्कृत में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी**	साहित्य अकादमी, नई दिल्ली इसके सहयोग से	राष्ट्रीय	9 और 10 फरवरी, 2023	2 Days

	धार्मिकता - संस्कृत साहित्य एवं संस्कृत कवियों की बैठक	राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,तिरुपति			

PAPER PRESENTED					
S.No.	**प्रस्तुत पेपर का शीर्षक**	**सम्मेलन/संगोष्ठी का शीर्षक**	**द्वारा आयोजित**	**चाहे अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय/राज्य/क्षेत्रीय /कॉलेज या विश्वविद्यालय स्तर**	**दिनांक/वर्ष**
1.	सांख्येमोक्षवादः – साम्प्रतिकसमाजेतत्प्रभावः	संस्कृतवाङ्मये मोक्षवादः – साम्प्रतिकयुगेतस्यप्रासङ्गिकता	राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरूपति और श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	राष्ट्रीय	11 से 17 मार्च 2023
2.	योगदर्शनेश्रीचैतन्यभक्तेःप्रभावः	तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शुरू श्री चैतन्य दर्शन - अन्य दर्शनों के साथ एक संवाद	ओडिशा अध्यक्ष, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरूपति की आर्थिक सहायता से भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली	राष्ट्रीय	28 से 30 मार्च 2023

INVITED LECTURES					
S. No.	**व्याख्यान/शैक्षणिक सत्र का शीर्षक**	**सम्मेलन/संगोष्ठी का शीर्षक**	**द्वारा आयोजित**	**चाहे अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय**	**तारीख**
1.	योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः	व्याख्यान दिये। (एम. फिल. छात्र)	सिवनन्दा योग वेदांत अकादमी (सिवा), भुबनेश्वर, ओडिशा	राष्ट्रीय	31 मई से 2 जून 2022
2.	पातञ्जलयोगसूत्रकैवल्यपादः	पातञ्जलयोगसूत्र व्यासभाष्य-सहितकैवल्यपादः	नेशनल संस्कृत यूनिवर्सिटी, तिरुपति एंड श्री लाल बहादुर शास्त्री नेशनल	राष्ट्रीय	12 मार्च 2023

			संस्कृत यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली डिपार्टमेंट ऑफ़ सांख्ययोगा & योग विज्ञान		

अभिमुखीकरण या संकाय विकास कार्यक्रम/पुनश्चर्या पाठ्यक्रम/कार्यशालाएँ					
S. No.	कार्यक्रम का नाम	अवधि		आयोजन संस्था	कार्यक्रम
		From	To		
1.	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	07th	21 अक्टूबर2022	शिक्षण अध्ययन केंद्र, रामानुजन कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में शिक्षा मंत्रालय पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन	1. पुनश्चर्या पाठ्यक्रम 07 21 अक्टूबर 2022 टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वाधान में शिक्षा मंत्रालय पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन, ऑनलाइन कक्षाओं का प्रबंधन और मूक्स का सह-निर्माण 19.0
2.	कार्यशाला	26th	01st November2022	राष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालय, तिरुपतिके हिंदीविभागएवंराजभाषाकक्षकेसंयुक्ततत्त्वावधानमें	कार्यालयीहिंदीएवं प्रशासनिकअनुवादकीउपादेयता
3.	कार्यशाला	07th	08 फरवरी 2023	राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरूपति के सहयोग से भारतीय ज्ञान प्रणाली, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली	दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला चालू अनुसंधान प्रस्ताव लेखन
4.	कार्यशाला	11th	17 मार्च 2023	नेशनल संस्कृत यूनिवर्सिटी, तिरुपति एंड श्री लाल बहादुर शास्त्री नेशनल संस्कृत यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली डिपार्टमेंट ऑफ़ सांख्ययोगा & योग विज्ञान	पतंजलि योग सूत्र व्यास भाष्य के साथ कैवल्यपाद पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला सह संगोष्ठी

प्रोफेसरल LIFE2022-23 में कुछ उल्लेखनीय योगदान

15 मार्च 2023 को राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरूपति में सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला सह संगोष्ठी के अध्यक्ष, विषय- संस्कृत साहित्य में मोक्षवाद - वर्तमान युग में इसकी प्रासंगिकता।

डॉ प्रदीप कुमार बैग

सेमिनार में भाग लिया					
S. No.	सम्मेलन/संगोष्ठी का शीर्षक	द्वारा आयोजित	स्तर	अवधि	दिन/सप्ताह
1.	महिला पखवाड़ा महिलाओं के प्रति भेदभाव (कार्यशाला)	एन.एस. विश्वविद्यालय, तिरूपति	राष्ट्रीय	8 दिसंबर 2022	1 Day
2.	धार्मिकता पर संस्कृत में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी-संस्कृत साहित्य और संस्कृत कवि सम्मेलन	साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के सहयोग से एन.एस. विश्वविद्यालय, तिरूपति	राष्ट्रीय	9 से 10 फरवरी 2023	2 Days
3.	कार्यशाला विषय - पातञ्जलयोगसूत्रव्यासभाष्यसहितकैवल्यपादः SEMINAR TOPIC-संस्कृतवाङ्मयेमोक्षवादः-साम्प्रतिकयुगेतस्यप्रासङ्गिकता (राष्ट्रीय कार्यशाला सह संगोष्ठी)	एन.एस. विश्वविद्यालय, तिरूपति और एसएलबीएस एन.एस. विश्वविद्यालय, नई दिल्ली,	राष्ट्रीय	11 से 17 मार्च 2023	7 Days
4.	ऋग्वेद विश्व चिंतन (कार्यशाला)	एनएसयू तिरुपति और एसएलबीएस राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	राष्ट्रीय	1 से 7 अगस्त 2023	7 Days
5.	सरलमानकसंस्कृतेपाठ्यपुस्तकानांप्रश्नकोशानां स्वाध्यायसामग्रीणाञ्चसंरचना (Workshop)	एन.एस. विश्वविद्यालय, तिरूपति	राष्ट्रीय	24 से 28 जुलाई 2023	5 days

PAPER PRESENTED					
S. No.	प्रस्तुत पेपर का शीर्षक	सम्मेलन/संगोष्ठी का शीर्षक	द्वारा आयोजित	चाहे अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय/राज्य/क्षेत्रीय/कॉलेज या विश्वविद्यालय स्तर	दिनांक/वर्ष

1.	श्रीचैतन्यदर्शनेनवधाभक्तेः एकंविहङ्गावलोकनम्	श्री चैतन्यदर्शन: अन्य दर्शनों के साथ एक संवाद	भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की वित्तीय सहायता से एनएसयू का ओडिशा अध्यक्ष	राष्ट्रीय संगोष्ठी	28 से 30 मार्च 2023
2.	साम्प्रतिकसमाजंप्रतिअम्बेदकरमहोदयस्ययोगदानम् ।	दर अम्बेडकर कहाँ से	एन.एस. विश्वविद्यालय, तिरूपति	राष्ट्रीय संगोष्ठी	12 से 14 अप्रैल 2023
3.	भारतीयसंस्कृतिःसंरक्षणेराष्ट्रीयशिक्षानीतिः	भारतीयसंस्कृतिसंवर्धनेराष्ट्रियशिक्षानीतिः-2020	संस्कृतसंस्कृतिविकाससंस्थानम् आन्ध्रप्रदेशप्रान्तः	राष्ट्रीय स्तर	22 से 23 जुलाई 2023
4.	ऋतुसंहारकाव्येऋतुविज्ञानवैभवम्	महाकविकालिदाससमारोहः	राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,तिरुपति	विश्वविद्यालय स्तर	7 नवंबर 2022

सहकर्मी-समीक्षा या यूजीसी सूचीबद्ध पत्रिकाओं में लेख/शोध पत्र								
S. No.	**पेपर का शीर्षक**	**जर्नल का नाम/आई एसएसएन**	**क्या सहकर्मी द्वारा समीक्षा की गई/यूजीसी सूचीबद्ध है**	**वॉल्यूम और अंक**	**पृष्ठ संख्या**	**प्रकाशन का वर्ष**	**प्रभाव कारक**	
					From	**To**		
01.	लक्षणग्रन्थषु दृश्यकाव्यस्वरूपभेदाश्च	व्याससृह	रेफरीड अनुसंधान पत्रिका	XXI,जनवरी-जून 2022	449	457	2022	5.321

डॉ. निरंजन मिश्रा

सेमिनार में भाग लिया					
S. No.	**सम्मेलन/संगोष्ठी का शीर्षक**	**द्वारा आयोजित**	**स्तर**	**Duration**	**Days/week**
1.	अक्षर पुरूषोत्तम दर्शन: अन्य दर्शनों के साथ एक संवाद	उत्कला परिषद्, तिरुपति इन कोलैबोरेशन विथ क्सु श्री सदाशिव कैंपस, पूरी	राष्ट्रीय	22 से 23 मार्च 2022	2 days
2.	पोस्ट इंडिपेंडेंट क्रिएटिव लिटरेचर	उत्कल विश्वविद्यालय, बनी बिहार	राष्ट्रीय	31 मई से 01 जून 2022 तक	2 days

3.	वेदनामजगत्कल्याणकारकत्वं	श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय, तिरूपतिश्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय, तिरूपति	राष्ट्रीय	19 सितंबर 2022	1 day
4.	संस्कृत साहित्य में सूर्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	फ्रेंच इंस्टीट्यूट ऑफ पांडिचेरी, इंडोलॉजी विभाग	अंतरराष्ट्रीय	3 से 04 नवंबर 2022	2 days
5.	वैदिक परम्परा में अक्षर पुरूषोत्तम दर्शन का योगदान	बापस स्वामिनारायण रिसर्च	अंतरराष्ट्रीय	31 दिसंबर 2022	1 day
6.	सत्ता की आलोचना	मीमांसा विभाग, एनएसयू तिरूपति	राष्ट्रीय	27 से 28 मार्च 2023	2 day

प्रपत्र प्रस्तुत किया					
S. No.	**प्रस्तुत पेपर का शीर्षक**	**सम्मेलन/संगोष्ठी का शीर्षक**	**द्वारा आयोजित**	**अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय/राज्य/क्षेत्रीय/कॉलेज या विश्वविद्यालय स्तर**	**दिनांक/वर्ष**
1.	सत्सङ्गःदीक्षाशास्त्रेकौटुम्बिकमालौचनम्	अक्षर पुरूषोत्तम दर्शन: अन्य दर्शनों के साथ एक संवाद	अक्षर पुरूषोत्तम दर्शन: अन्य दर्शनों के साथ एक संवाद	राष्ट्रीय	22 और 23 मार्च 2022
2.	करूणाकरदासस्यश्रीजगन्नाथनक्षत्रमालाएकंसमीक्षणम्	पोस्ट इंडिपेंडेंट क्रिएटिव लिटरेचर	उत्कल विश्वविद्यालय, बनी बिहार	राष्ट्रीय	31 मई से 01 जून 2022
3.	स्वाध्यायोऽध्येतव्यः	वेदनामजगत्कल्याणकारकत्वं	श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय, तिरूपति	राष्ट्रीय	19 सितंबर 2022
4.	सूर्यआत्माजगतस्तस्थुषश्च	संस्कृत साहित्य में सूर्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	फ्रेंच इंस्टीट्यूट ऑफ पांडिचेरी, इंडोलॉजी विभाग	अंतरराष्ट्रीय	3 से 4 नवंबर 2022
5.	वैदिकवाङ्मयेअक्षरपुरुषोत्तमदर्शनस्योरिवैदिकप्रभावः	वैदिक परंपरा में अक्षरपुरुषोत्तम दर्शन का योगदान	बापस स्वामिनारायण रिसर्च	अंतरराष्ट्रीय	31 दिसंबर 2022

6.	वेदाध्ययनेअधिकारविमर्शः	सत्ता की आलोचना	मीमांसा विभाग, एनएसयू तिरूपति	राष्ट्रीय	27-28 मार्च, 2023

INVITED LECTURES					
S. No.	**व्याख्यान/शैक्षणिक सत्र का शीर्षक**	**सम्मेलन/संगोष्ठी का शीर्षक**	**द्वारा आयोजित**	**अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय**	**तारीख**
1.	यज्ञस्यमाहात्म्यम्	आचार्यत्रिविक्रमनारायणधर्माधइकारिस्मृति व्याख्यानमाला	वैदिकशंसोधनमण्डलम्, पुणे	राष्ट्रीय	20 सितंबर 2022
2.	वेदमहत्त्वम्	वैदिक परिप्रेक्ष्य में प्राचीन एवं आधुनिक भारत में यज्ञ परम्परा की स्थिति	MSRVVP, Ujjain	राष्ट्रीय	31 जनवरी 2023

अभिमुखीकरण या संकाय विकास कार्यक्रम/पुनश्चर्या पाठ्यक्रम/कार्यशालाएँ					
Sl. No.	कार्यक्रम का नाम	अवधि		आयोजन संस्था	कार्यक्रम
		से	को		
1.	ब्राह्मी सीखें और अशोक के शिलालेख पढ़ें	13.03.2023	17.03.2023	राष्ट्रीय पांडुलिपि, आईजीएनसीए, संस्कृति मंत्रालय	कार्यशाला

सहकर्मी-समीक्षा या यूजीसी सूचीबद्ध पत्रिकाओं में लेख/शोध पत्र								
S. No.	**पेपर का शीर्षक**	**जर्नल का नाम/आईएसएसएन**	**क्या सहकर्मी द्वारा समीक्षा की गई/यूजीसी सूचीबद्ध है**	**वॉल्यूम और अंक**	**पृष्ठ संख्या**		**प्रकाशन का वर्ष**	**प्रभाव कारक**
					From	**To**		
1	मन्त्रब्राह्मणयोःस्वरूपनिर्णयः	नेशनल जर्नल ऑफ हिंदीन एंड संस्कृत रिसर्च	सहकर्मी की समीक्षा की गई	46	63	65	2023	25

पुरस्कार प्राप्त हुआ		
पुरस्कार का नाम	**द्वारा दिए गए**	**तारीख**
राष्ट्रगौरवएवार्ड	अंतर्राष्ट्रीय जगन्नाथ सोसायटी, अमेरिका	08 मई 2022

प्रोफेसर ए श्रीपदा भट

शैक्षिक और व्यावसायिक गतिविधियाँ:

1. 22 सितंबर 2022 को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के राणावीर परिसर जम्मू में ज्योतिष में विस्तार व्याख्यान दिया।
2. 17 मार्च 2023 को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के लखनऊ परिसर द्वारा आयोजित ज्योतिष कार्यशाला में ऑनलाइन मोड पर ज्योतिष में व्याख्यान दिया।
3. **नई** दिल्ली के केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एलबीएस केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, मैसूर विश्वविद्यालय, कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक और श्री चंद्रशेखरेंद्र संस्कृत विश्वविद्यालय के पीएचडी थीसिस का मूल्यांकन किया।

डॉ.डी. ज्योति

सम्मेलनों और सेमिनारों में भाग लिया गया, और पेपर प्रस्तुत किए गए:

- 9 से 11 दिसंबर 2022 तक एनएसयू, तिरुपति और एपीटीएसएमएस की XXXI वार्षिक कांग्रेस द्वारा आयोजित वर्तमान डिजिटल रुझानों के लिए प्राचीन गणित की प्रासंगिकता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - योग कि प्रथाओं में गणितीय प्रभावों पर भाग लिया और पेपर प्रस्तुत किया।
- 11 से 17 मार्च 2023 तक सांख्य योग और योग विज्ञान विभाग, एनएसयू, तिरुपति और एसएलबीएनएसयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला सह संगोष्ठी में भाग लिया और योगमुद्राभ्यास साथ मुक्ति पर पेपर प्रस्तुत किया।
- 27 से 28 मार्च 2023 तक मीमांसा विभाग, एनएसयू, तिरुपति द्वारा आयोजित योगदर्शनी अधिकारप्रसंग पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और पेपर प्रस्तुत किया।
- 28 से 30 मार्च 2023 तक ओडिशा चेयर, एनएसयू, तिरुपति द्वारा आयोजित श्री चैतन्यदारसाने योगविमार्सः पर पेपर प्रस्तुत किया

10 जून 2022 को शिक्षा विभाग, एनईएचयू, शिलांग और दर्शनशास्त्र विभाग, मोरन कॉलेज, असम द्वारा आयोजित एक उत्कृष्ट शोध पत्र लिखने के लिए शीर्ष युक्तियों विषय पर ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

- 9 जुलाई 2022 को शिक्षा विभाग, एनईएचयू, शिलांग और दर्शनशास्त्र विभाग, मोरन कॉलेज, असम द्वारा महात्मा गांधी से महान जीवन बदलने वाले सबक विषय पर ऑनलाइन आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के प्रेरक विचार विषय पर 15 अक्टूबर, 2022 को आईक्यूएसी, एनईएचयू, शिलांग और दर्शनशास्त्र विभाग, मोरन कॉलेज, असम और दर्शनशास्त्र विभाग, एसवीयू, तिरुपति द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में ऑनलाइन भाग लिया।

Ph.D. awarded:

श्री अदुनुरी राकेश को 22 अप्रैल 2022 को स्वास्थ्य संरक्षण हठयोगस्य प्रभाव नामक पीएचडी से सम्मानित किया गया।

M. Phil awarded:

श्री आलोक कुमार प्रधान ने वर्ष2022 में योगदर्शने स्वास्थ्य संरक्षनोपाय विषय पर एम.फिल से सम्मानित किया

डॉ.वाई.विजयालक्ष्मी

डॉ. सावित्रीबाई फुले द्वारा आयोजित "महा माथा सावित्रिबाई फुले सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार **-2023"** पर पुरस्कार प्राप्त किया। बी.आर.अंबेडखार अध्ययन केंद्र**,** एस.वी.विश्वविद्यालय**,** तिरुपति **03** जनवरी **2023** को आयोजित किया गया।

डॉ। पांडा परमिता

कार्यशाला/सम्मेलन में भाग लिया				
S. No.	**कार्यशाला का शीर्षक**	**द्वारा आयोजित**	**अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय/राज्य/क्षेत्रीय/कॉलेज या विश्वविद्यालय स्तर**	**दिनांक/वर्ष**
1.	अनुसंधान प्रस्ताव लेखन	राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,तिरुपत इन आईकेएस, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के साथ सहयोग। भारत सरकार, नई दिल्ली	दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार	07 से 08 फरवरी 2023
2.	धार्मिकता-संस्कृत साहित्य	साहित्य अकादमी, नई दिल्ली इसके सहयोग से राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति	धार्मिकता-संस्कृत साहित्य पर संस्कृत में एक दिवसीय संगोष्ठी	09 फरवरी 2023
3.	ब्राह्मी सीखें और अशकोन शिलालेख पढ़ें	राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन, आईजीएनसीए, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार। भारत की, नई दिल्ली	पांच दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार	13 से 17 मार्च 2023

4.	संस्कृतवाङ्मये मोक्षवादःसाम्प्रतिकयुगे तस्यप्रासङ्गिकता	संचय योग एवं योग विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति	सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला सह संगोष्ठी	11 से 17 मार्च 2023
5.	वसुधैव परिवार	जी-20 राष्ट्रीय सम्मेलन, तिरूपति	एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन	19 मार्च 2023
6.	महिलापकारनिरोधपक्षः	19 मार्च 2023	एक दिवसीय कार्यशाला	25 नवंबर - 10 दिसंबर 2022 तक

सेमिनार पेपर प्रस्तुत किया गया					
S. No.	**प्रस्तुत पेपर का शीर्षक**	**सम्मेलन/संगोष्ठी का शीर्षक**	**द्वारा आयोजित**	**अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय/राज्य/क्षेत्रीय/कॉलेज या विश्वविद्यालय स्तर**	**दिनांक/वर्ष**
1.	स्कन्दपुराणरपुरुषोत्तममाहात्म्यरेशक्तितत्त्व	महत्व वह स्कन्द पुराण - पुरूषोत्तम महात्म्य	ओडिशा साहित्य अकादमी, ओडिशा	दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी	20 से 21 फरवरी 2022
2.	रोहिणीकुण्डरवैशिष्ट्य	स्कन्दपुराणोक्त श्रीपुरुषोत्तमक्षेत्र माहात्म्य	श्रीनीलाचलतत्त्व-सन्धन-परिषद,पुरी,ओडिशा	एक दिवसीय राज्य स्तरीय सेमिनार	19 फरवरी 2023
3.	संस्कृतंप्रतिउत्कलराज्यस्ययोगदानम्	संस्कृतंप्रतिउत्कलराज्यस्ययोगदानम्	केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः,नवदेहली तथाजातीययुवासमन्वितकेन्द्रम्,पुरी	त्रिदिवसीया-राष्ट्रीय-संगोष्ठी	20 से 22 जनवरी 2023
4.	गरुडपुराणेआयुर्वेदः	वर्तमान परिदृश्य में आयुर्वेद, योग एवं संस्कृत का महत्व	डेप्ट.ऑफ संस्कृत,गोवत.वीमेन' स कॉलेज,पूरी & संस्कृत यूनिवर्सिटी, श्री सदाशिव कैंपस, पूरी, ओडिशा	एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी	21 फरवरी 2023
5.	साम्प्रतिकयुगेश्रीमद्भागवतपुराणोक्तमोक्षधर्मस्योपयोगिता	संस्कृतवाङ्मयेमोक्षवादः-साम्प्रतिकयुगे तस्यप्रासङ्गिकता	संचय योग एवं योग विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति	सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला सह संगोष्ठी	11वीं से 17 मार्च 2023
6.	पुराणेषुअधिकारनिर्णयः	अधिकारविमर्शः	मेमांसा विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति	दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी	27 से 28 मार्च 2023

7.	श्रीमद्भागवतमहापुराणस्यअचिन्त्यभेदाभेदर्शनस्योपरिप्रभावः	श्री चैतन्य दर्शन: अन्य दर्शनों के साथ एक संवाद	ओडिशा चेयर एवं भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली	तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार	28 वें को 30 मार्च 2023
8.	भारतीयज्ञानपरम्परायांपुराणोक्तवास्तुशास्त्रम्	भारतीयज्ञानपरम्परायांज्योतिषशास्त्रस्ययोगदानम्	ज्योतिष एवं वास्तु विभाग	दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी	05 से 06 अप्रैल 2023
9.	संस्कृताभिमानी डॉभीमारावरामजीआम्बेदकर	इस अवसर पर डॉ.बी.आर.अंबेडकर की 132वीं जयंती	एन.एस.यू., तिरूपति	तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी	12 से 14 अप्रैल 2023

आमंत्रित व्याख्यान					
S.No.	**व्याख्यान/शैक्षणिक सत्र का शीर्षक**	**सम्मेलन/संगोष्ठी का शीर्षक**	**द्वारा आयोजित**	**अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय**	**तारीख**
1.	भारतीयसंस्कृतेः पोषकम्अरविन्ददर्शनम्	भारतीयसंस्कृतेःपोषकम् अरविन्ददर्शनम्	संस्कृतसंस्कृतिविकाससंस्थाम्, महिलाशाखा, आन्ध्रप्रदेशः	राष्ट्रीय	17-02-2022
2.	जीवनकौशलसंवर्धनेभारतीयचिन्तनपरम्परा	जीवनकौशलसंवर्धनेभारतीयचिन्तनपरम्परा	संस्कृतसंस्कृतिविकाससंस्थाम्, महिलाशाखा, आन्ध्रप्रदेशः	राष्ट्रीय	19-02-2022
3.	सीतारामयोःजन्मनःरहस्यम्	सीतारामयोःजन्मनःरहस्यम्	संस्कृतसंस्कृतिविकाससंस्थानम्,आन्ध्रप्रदेशः	राष्ट्रीय	25-03-2023
4.	विश्वामित्रयज्ञस्यमहत्त्वम्	विश्वामित्रयज्ञस्यमहत्त्वम्	संस्कृतसंस्कृतिविकाससंस्थानम्,आन्ध्रप्रदेशः	राष्ट्रीय	26-03-2023
5.	सीतारामयोःपरिणयः	सीतारामयोःपरिणयः	संस्कृतसंस्कृतिविकाससंस्थानम्,आन्ध्रप्रदेशः	राष्ट्रीय	27-03-2023
6.	श्रीरामस्यपट्टाभिषेकः	श्रीरामस्यपट्टाभिषेकः	संस्कृतसंस्कृतिविकाससं	राष्ट्रीय	29-03-2023

			स्थानम्,आन्ध्र प्रदेशः		
7.	पुराणेतिहासपरिचयः	सेतुपाठ्यक्रम	राष्ट्रियसंस्कृत विश्वविद्यालयः, तिरुपतिः	राष्ट्रीय	2022-10-31 तः-11-04 2022

JOURNAL & BOOKS					
S. No.	**पेपर का शीर्षक**	**जर्नल का नाम**	**क्या सहकर्मी द्वारा समीक्षा की गई/यूजीसी सूचीबद्ध है**	**वॉल्यूम और अंक/आईएसएसएन/आईएसबीएन**	**प्रकाशन का वर्ष**
01.	भारतीयसंस्कतौश्रीमद्भागवतोक्तभक्तिरसः	श्रीगौतमगौरवम्	अध्यायबद्ध पुस्तकें	81-937484-3-3	अगस्त2022
02.	पुराणवाङ्मयेषु पिता	मधुस्मृतिः	अध्यायबद्ध पुस्तकें	978-93-5777-152-8	सितम्बर2022
03.	पुराणेषुजलविज्ञानम्	ज्ञानसूर्यम्	अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक रेफरीड रिसर्च जर्नल (प्रभाव कारक-5.016)	V	सितंबर-अक्टूबर2022
04.	वाल्मीकिरामायणेधर्मस्यावधारणा	शोधनवनीत	षाण्मासिकीअन्ताराष्ट्रिया-शोधपत्रिका	II	जुलाई-दिसंबर2022
05.	आधुनिकानुसन्धानदृष्ट्यापुराणेषुवास्तुविचारः	शोधसमीक्षा	एक नेशनल पीयर रिव्यूड रेफरीड रिसर्च जर्नल/यूजीसी केयर लिस्टेड (प्रभाव कारक-5.037)	XII	जनवरी-जून2022

जर्नल, पुस्तकें लिखित/पुस्तक संपादित					
S. No.	**पुस्तक / जर्नल का शीर्षक**	**चाहे किताबें लिखी गई हों या पुस्तक संपादित की गई हों**	**वर्ष और प्रकाशन के स्थान के साथ अंतर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय द्वारा प्रकाशित**	**प्रकाशक & ISBN / ISSN / वर्गीकरण**	**क्या सहकर्मी समीक्षा/ यूजीसी सूचीबद्ध**

1.	शोधसमीक्षा(JOURNAL)	एसोसिएट एडिटर	राष्ट्रीय	रथ सेवा प्रतिष्ठान, क्योंझर, ओडिशा	यूजीसी देखभाल सूची

पुरस्कार प्राप्त हुआ		
पुरस्कार का नाम	**द्वारा दिया गया**	**खजूर**
महा माता सावित्रीबाई फुले सर्वश्रेष्ठ शिक्षक एआरडी-2023	डॉ. बी. आर. अम्बेडकर अध्ययन केंद्र,	31 जनवरी 2023
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रशंसा प्रमाण पत्र	डॉ. बी. आर. अम्बेडकर अध्ययन मंडल,	08 मार्च 2023

नियुक्तियाँ

रिपोर्ट के अंतर्गत वर्ष के दौरान निम्नलिखित नियुक्तियां की गई हैं।

गैर-शिक्षण

S. No.	कर्मचारी का नाम	औहदा औहदा
1.	प्रोफेसर जी.एस.आर. कृष्ण मूर्ति	कुलपति
2.	सुश्री ए. रजनी	एल.डी. क्लर्क
3.	श्री के. मुरली	व्यावसायिक सहायक

प्रचार

a) शिक्षण स्टाफ: यूजीसी कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत निम्नलिखित शिक्षण कर्मचारियों को पदोन्नत किया गया था।

S. No.	कर्मचारी का नाम	औहदा
01	डॉ. नारायण नारायण	एसोसिएट प्रोफेसर से प्रोफेसर स्तर **-13** ए से एकैड स्तर **-14** तक
02.	डॉ. सीतांशुभूषण पांडा	सहायक प्रोफेसर से एसोसिएट प्रोफेसर स्तर **-12** से स्तर **-13** ए
03.	डॉ. परमिता पांडा	सहायक प्रोफेसर से एसोसिएट प्रोफेसर स्तर **-12** से एकैड स्तर **-13** ए
04.	डॉ. ज्योति डी. ज्योति	सहायक प्रोफेसर से एसोसिएट प्रोफेसर स्तर **-12** से एकैड स्तर **-13** ए
05.	डॉ. निरंजन मिश्रा	सहायक प्रोफेसर से एसोसिएट प्रोफेसर स्तर **-12** से एकैड स्तर **-13** ए
06.	डॉ. नल्लन्ना	सहायक प्रोफेसर से एसोसिएट प्रोफेसर स्तर **-12** से एकैड स्तर **-13** ए

07.	डॉ. टी.एस.आर. नारायणन	सहायक प्रोफेसर से एसोसिएट प्रोफेसर स्तर -**12** से एकैड स्तर -**13** ए
08.	डॉ. लता मंगेश	सहायक प्रोफेसर स्तर -**11** से एकैड स्तर – **12**
09.	डॉ. सुधांशु शेखर महापात्र	सहायक प्रोफेसर स्तर -**11** से एकैड स्तर – **12**
10.	डॉ. चंदनलाल नागराजू	सहायक प्रोफेसर स्तर -**11** से एकैड स्तर – **12**
11.	डॉ. लीनाचंद्र के.	सहायक प्रोफेसर स्तर -**11** से एकैड स्तर – **12**
12.	डॉ. अजमीरा चंदूलाल	सहायक प्रोफेसर स्तर -**11** से एकैड स्तर - **12**
13.	डॉ. ज्ञानरंजन पांडा	सहायक प्रोफेसर स्तर -**11** से एकैड स्तर – **12**
14.	डॉ. श्वेता पद्मा सत्पति	सहायक प्रोफेसर स्तर -**11** से एकैड स्तर – **12**
15.	डॉ. रंगरामानुजाचार्य प.प.प.	सहायक प्रोफेसर स्तर -**11** से एकैड स्तर – **12**

b) गैर-शिक्षण कर्मचारी: वर्ष के दौरान एमएसीपी के तहत निम्नलिखित गैर-शिक्षण कर्मचारियों को पदोन्नत / वित्तीय उन्नयन की अनुमति दी गई थी।

क्र सं	कर्मचारी का नाम	पद नाम
	डी पी सी	
1	श्री एम. राणा प्रताप सिंह	अनुभाग अधिकारी
2	श्री के.एम.सुब्रहमान्यम	सहायक
3	श्री एम वी ए सत्यबालाजी	उच्च श्रेणी क्लर्क
	एम ए सी पी	
1	श्री पी. मल्लिकार्जुन रेड्डी	ग्रुप 'सी' एमटीएस लेवल-3 से लेवल-4

वर्ष **2022-23** के लिए सेवानिवृत्ति

(अ) शिक्षण

क्र सं	कर्मचारी का नाम	औहदा	सेवानिवृत्ति की तारीख
01.	प्रो नरसिंहाचार्य पुरोहित	प्राध्यापक	31.05.2022

(आ) गैर-शिक्षण

क्र. सं.	कर्मचारी का नाम	औहदा	सेवानिवृत्ति की तारीख
01.	श्री पी. मधुसूदन	व्यावसायिक सहायक	23.11.2022 (VRS)
02.	श्री डी.एस.पी. रामकृष्ण	अनुभाग अधिकारी	30.11.2022

सहायक रजिस्ट्रार श्री वी. सरथकुमार द्वारा प्रस्तुत इस्तीफे के परिणामस्वरूप, उन्हें **28.12.2022** ए.एन.

निधन-सूचना

1. डॉ. सीतांशुभूषण पांडा का **22** जनवरी **2022** को निधन हो गया।
2. डॉ. सुजाता मुनुकुटला का **31** जुलाई **2022** को निधन हो गया।

V. विशेष विशेषताएं

A. स्वतंत्रता दिवस समारोह

एस.बी.रघुनाथाचार्य ओपन एयर ऑडिटोरियम में 76वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। कुलपति प्रोफेसर ई सुरेश कुमार ने तिरंगा फहराया और सभा को संबोधित किया। कमांडर चल्ला वेंकटेश्वर (सेवानिवृत्त), रजिस्ट्रार और अकादमिक मामलों के डीन ने इस खुशी के अवसर पर संस्थान के सभी सदस्यों को बधाई दी। छात्रों द्वारा देशभक्ति गीत गाए गए। विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों और छात्रों को मिठाई वितरित की गई। छात्रों ने 14 और 15 अगस्त 2022 के दौरान स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारी में सक्रिय रूप से भाग लिया। एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक, कार्यक्रम अधिकारी, स्वयंसेवक, संकाय सदस्य और विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने भाग लिया और इसे एक बड़ी सफलता बना दिया।

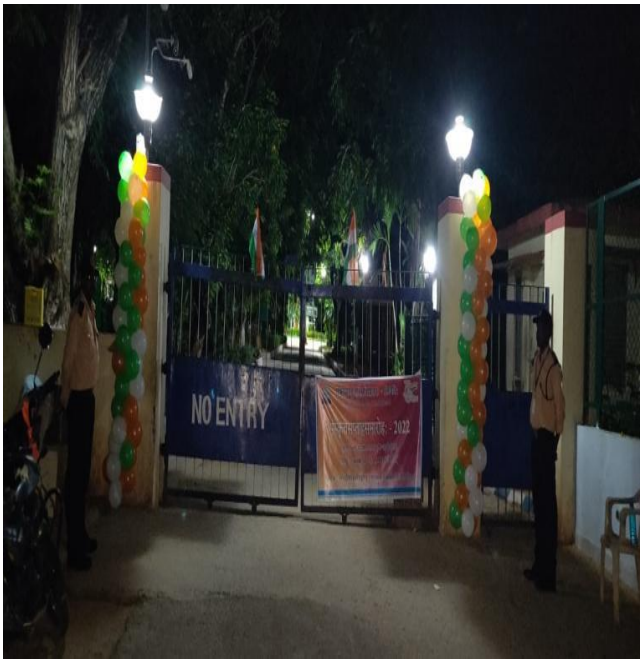

A. गणतंत्र दिवस समारोह

26 जनवरी 2023 को विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस मनाया गया। जी.एस.आर. कृष्ण मूर्ति, कुलपति ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सभा को संबोधित किया। ए श्रीपद भट, डीन, अकादमिक मामलों, स्कूल ऑफ स्टडी के डीन, रजिस्ट्रार, टीचिंग, नॉन-टीचिंग स्टाफ और विश्वविद्यालय के छात्रों ने समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और छात्रों ने विभिन्न भाषाओं में देशभक्ति के गीत गाए। समारोह का समापन कर्मचारियों और छात्रों को मिठाई वितरित करने के साथ हुआ। इस अवसर पर विभिन्न राज्यों के एनएसयू छात्रों द्वारा अपने पारंपरिक परिधानों के साथ मार्चपास्ट, एनएसएस छात्रों द्वारा पिरामिड, दीपक योग प्रदर्शन, कर्रासामू और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।.

C. धूमधाम से मनाई गई अंबेडकर जयंती

भारतीय संविधान के जनक, भारत रत्न डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की 131 वीं जयंती 14 अप्रैल 2022 को राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में मनाई गई।

दीक्षांत समारोह: **02** मार्च **2023** को आयोजित राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का दूसरा दीक्षांत समारोह।

विद्यावारिधि (पीएचडी) पुरस्कार विजेता छात्र सूची 2021-2022

क्र.सं.	वी.वी.सं.	छात्र का नाम	विषय	मार्गदर्शक	उपाधि
1.	वी वी-800	सुश्री यानमंद्र एन.एल.बी.टी.एस देवी	साहित्य	प्रो सी. ललिता रानी	श्रीमन्महाभारतस्य आदिपञ्चक ग्रन्थिश्लोकानुशीलनम्
2.	वी वी -810	श्री तपन शील	सांख्य योग	डॉ. ज्योति	गौडपादभाष्य- साख्यसारयास्त त्मकमध्ययनम्
3.	वी वी -804	श्री पोंडारा श्रीनिवास राव	साहित्य	प्रो के राजगोपालन	ङ्गहाकविसम्राडचिन्यानन्दविरचितस्य श्रीहरिसम्भवमहाकाव्यस्य आलङ्कारिकमध्ययनम्
4.	वी वी -771	श्री कौशिक शर्मा पी.एस.एस.	ज्योतिष	प्रो.ए.श्रीपदा भट	श्रीब्रह्मदेवविरचितकरणप्रकाशग्रन्थर य श्रीशकरनारायणविरचितकरणाभरण याख्यानस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्
5.	वी वी -799	श्री बुलुसु अपर्णा	साहित्य	प्रो सी. ललिता रानी	"संस्कृतवाङ्मये अवधानकलाया- प्राशस्त्यम् - एक विशिष्टमध्ययनम्"
6.	वी वी -781	श्री सी. निखिल	ज्योतिष	प्रो राधाकांत ठाकुर	विवाहे ग्रहाणां शुभाशुभफलनिरूपणम्"
7.	वी वी -780	श्री वी शिवप्रसाद	ज्योतिष	प्रो.राधाकांत ठाकुर	भोजराजप्रणीतस्य भुजबलनिबन्धस्य सम्पादनम् अध्ययन
8.	वी वी -786	श्री संघमित्रा स्वैन	अद्वैत वेदांत	प्रो वी पुरंधरा रेड्डी	अद्वैततत्त्वप्रतिपादने आख्यायिकानायोगः - एक अध्ययनम्
9.	वी वी -812	श्री सुभालक्ष्मी पांडा	धर्मशास्त्र	प्रो पी.टी.जी.वाई. संपतकुमाराचार्युलु	आचारविषये नीलकण्ठगोपालन्यायपञ्चाननभट्टाचार्य मतयोः तुलनात्मकध्ययनम्
10.	वी वी -814	श्री एस.वी.एस.पी.एस. कृष्णा भट्टाचार्युलु	साहित्य	प्रो सी. ललिता रानी	श्रीनीलकण्ठदीक्षितविरचितस्य नलचरित्रनाटकस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्
11.	वी वी -788	श्री नेपाल दास	अद्वैत वेदांत	प्रो के विश्वनाथ	महावाक्यरत्नावल्याः किरणावलिटीकायाः सम्पादनं पाठसमीक्षात्मकमध्ययनच
12.	वी वी -815	श्री अजय कुमार	साहित्य	प्रो सी. ललिता रानी	पञ्चमहाकाव्येषु योगतत्त्वानां परिशीलनम्"

13.	वी वी -802	सुश्री गंधम लक्ष्मी तुलसी	साहित्य	डॉ. श्वेतापद्म सतपथी	श्रीभट्टलक्ष्मीधरविरचितस्य चक्रपाणिविजयमहाकाव्यस्य आलङ्कारिकामध्ययनम्
14.	वी वी -797	श्री विनायक भट	ज्योतिष	प्रो राधाकांत ठाकुर	महीधरकृतस्य बृहज्जातकविवरणस्य पाठसमीक्षात्मकं सम्पादन
15.	वी वी -792	श्री भरत ऐथल	ज्योतिष	प्रो राधाकांत ठाकुर	चोलविपश्चिद्विरचितायाः सूर्यसिद्धान्तटीकायाः पाठसमीक्षात्मकं सम्पादनम् अध्ययन
16.	वी वी -818	श्री टी.के. नरसिम्हन	न्याय	प्रो ओ.एस. रामलाल सरमा	महामहोपाध्याय काञ्ची श्रीकृष्णताताचार्यकृत वावदूककुतूहलग्रन्थस्य सत्प्रतिपक्षक्रोडपत्रस्य विमर्शात्मकं सम्पादनम्"
17.	वी वी -837	श्री अनूप बिस्वास	शिक्षा	प्रो पी वेंकट राव	स्नातकस्तरीयसंस्कृतच्छात्राणां व्यक्तित्वविकासे योगशिक्षायाः प्रभावः
18.	वी वी -820	श्री प्रिंस चक्रवर्ती	अद्वैत वेदांत	प्रो के विश्वनाथ	वङ्गीयनवजागरणे उपनिषत्सिद्धान्तानां प्रभावः
19.	वी वी -805	श्री अदुनुरी राकेश	सांख्य योग	डॉ. ज्योति डी.	स्वास्थ्यसंरक्षणे हठयोगस्य प्रभाव:'
20.	वी वी -826	श्री पंकज शर्मा	ज्योतिष	प्रो ए श्रीपाद भट	समरसिंहविरचितताजिकतन्त्रसारस्य द्वितीयतन्त्रस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्"
21.	वी वी -830	सुश्री मितारानी दास	अद्वैत वेदांत	प्रो के. गणपति भट	श्रीजगन्नाथस्तोत्रकाव्येषु अद्वैततत्त्वान्वेषणम् ”
22.	वी वी -839	सुश्री सागरिका मोहंती	धर्मशास्त्र	प्रो पी.टी.जी.वाई. संपतकुमाराचार्युलु	व्यवहारविषये नीलकण्ठ-गजपतिप्रतापरुद्रदेवमतयोः समीक्षणम्”
23.	वी वी -829	श्री एस. सुनील	द्वैत वेदन	डॉ नारायण	माध्वग्रन्थेषु लिङ्गपुराणोक्तप्रमेयाः एकं समीक्षात्मकमध्ययनम्
24.	वी वी -832	श्री पलाश मंडल	शिक्षा शास्त्र	डॉ ए सुनीता	शिक्षाशास्त्रिच्छात्राणां शिक्षाधिकाराधिनियमाभिचेतनायाः अध्ययनम् "
25.	वी वी -742	सुश्री तपस्विनी दास	धर्मशास्त्र	डॉ. सीतांशु भूषण पांडा	"व्यासगौतमोक्तसंस्काराणां तुलनात्मकमध्ययनम्
26.	वी वी -825	सुश्री रोशिनी वेंकटेश्वरन	फलित ज्योतिष	प्रो उन्नीकृष्णन नामपियाथिरी	"योगीश्वरोत्पलपरिमळव्याख्योपेतस्य बृहत्संहिताग्रन्थस्य रङ्गमञ्चः वज्रलेपलक्षणप्रकरणमारभ्य दीपलक्षणप्रकरणान्तं समीक्षात्मकमध्ययनम्
27.	वी वी -819	श्री बी.आर.महेंद्र सोमाया जी	द्वैत वेदांत	प्रो नरसिंहाचार्य पुरोहित	" द्वैतवेदान्तपरत्वेन माण्डूकोपनिषदः समीक्षात्मकमध्ययनम्
28.	वी वी -835	श्री हरिपद बेरा	व्याकरण	आर.एल.नरसिम्हा शास्त्री	पाणिनीये धातुप्रत्ययागमादेशेषु इत्संज्ञाप्रयोजनविचारः ",
29.	वी वी -828	सुश्री अंजीता साहू	पुरानेतिहासा	डॉ. सोमनाथ दास	भारतीयसंस्कृतौ स्कन्दोपासनायाः पौराणिकमध्ययनम् ”

30.	वी वी -831	श्री असित कुमार जाना	शिक्षा शास्त्र	प्रो पी वेंकट राव	"द्ववर्षीयशिक्षाशास्त्रिपाठ्यक्रमान्तर्गवद्यालयप्रशिक्षुतायां छात्राध्यापकानाम् अभिवृत्तिः
31.	वी वी -836	श्री बिस्वजीत बर्मन	साहित्य	प्रो जी.एस.आर. कृष्ण मूर्ती	" आधुनिकगद्यसाहित्ये पण्डितक्षमारावमहोदयायाः कथमुक्तावलीगद्यकाव्यस्य सांस्कृतिकं सामाजिक साहित्यिकं चाध्ययनम् "
32.	वी वी -822	श्री गंडिकोटा चेन्नैया	साहित्य	प्रो रानीसदाशिव मूर्ति	" सुभाषितरत्नभाण्डागारे चित्रप्रकरणे सङ्केतप्रक्रियाणां विशिष्टमध्ययनम्
33.	वी वी -807	श्री तत्तापार्थ सारथी	पुरानेतिहासा	प्रो टी वी राघवाचार्युलु	"श्रीब्रह्माण्डपुराणान्तर्गतस्य अर्थपञ्चकस्य पाठसमीक्षात्मकं सम्पादनम् अध्ययनःञ्च
34.	वी वी -854	श्री सौरव दास	व्याकरण	डॉ. पंकज कुमार व्यास	" अष्टाध्यायीव्याख्यायाः अत्रम्मप्रणीतमिताक्षरायाः
35.	वी वी -796	श्री देबाशीष अग्रवाल	पुरानेतिहासा	डॉ. परमिता पांडा	प्रथमद्वितीयाध्यायः समीक्षात्मकमध्ययनम्"
36.	वी वी -845	सुश्री सुमित्रा	पुरानेतिहासा	डॉ. परमिता पांडा	"महाभारते वर्णितकर्णचरित्रस्य सामाजिकमध्ययनम्
37.	वी वी -827	श्री सुकांत प्रमाणिक	व्याकरण	डॉ. यशस्वी	वाक्यपदीयदिशा उपगर्हस्याध्ययनम्
38.	वी वी -852	सुश्री शेवली चक्रवर्ती	शिक्षा शस्त्र	प्रो के. कादंबिनी	पश्चिमवङ्गप्रदेशस्थानां छात्राध्यापकानां शिक्षणकौशलविकासे वृत्तिनैपुण्यविकासकार्यक्रमाणां प्रभाव:
39.	वी वी -848	सुश्री गंटा नागा स्वाति	शिक्षा शास्त्र	प्रो एस. मुरलीधर राव	मन्दाधिगन्तृणां छात्राणां संस्कृताधिगमविकासे योगप्रभावः
40.	वी वी -846	सुश्री बी ममता	अद्वैत वेदांत	प्रो के. गणपति भट	योगवेदान्ततत्त्वयो: आधुनिक सामाजिक उपयोगिता
41.	वी वी -851	श्री समीर साहा	साहित्य	प्रो जी.एस.आर. कृष्ण मूर्ति	मम्मटस्य प्रतिभास्रोतः तदनन्तरवर्तिषु तस्य प्रभावश्च
42.	वी वी -834	सुश्री एस अनुषा	साहित्य	प्रो रानी सदाशिव मूर्ति	बृहत्वव्यां लोकव्यवहाररीतयः
43.	वी वी -850	श्री व्यापरला गोवर्धन रेड्डी	अद्वैत वेदांत	प्रो के. गणपति भट	ङ्ग अद्वैतवेदान्तयोगशास्त्रयोः विरोधाऽविरोधसमीक्षा'
44.	वी वी -823	श्री भूपासमुद्रम गिरिधर	साहित्य	प्रो एस सुदर्शन सरमा,	काव्यशास्त्रग्रन्थेषु चमत्कारपरामर्शः
45.	वी वी -860	सुश्री के. मनोगना	अद्वैत वेदांत	प्रो के. गणपति भट	ऋग्वेदसंहितायाः प्रथमाष्टके उपनिषत्सिद्धान्तविमर्शः "
46.	वी वी -853	श्री ईश्वर बनर्जी	साहित्य	श्वेत पद्म सत्पथी	"अभिज्ञानशाकुन्तलस्य वङ्गीयसंस्कृतटीकासु अभिज्ञानकौमुद्याः विशिष्टमध्ययनम् "
47.	वी वी -844	सुश्री सस्मिता बारिक	पुरानेतिहासा	प्रो के. सूर्यनारायण	"भारतीयसंस्कृतौ सूर्योपासना- एक पौराणिकमध्ययनम्"
48.	वी वी -824	सुश्री महाश्वेता गदेई	पुरानेतिहासा	पी.टी.जी. रंगरामानुजाचार्युलु	साम्प्रतिकसमाजे ईश्वरगीताया: लोकोपकारकत्वम्" २.

49.	वी वी -833	श्री राधाकृष्ण बी	ज्योतिष	प्रो ए श्रीपदा भट,	"शङ्करनारायणविरचित-तन्त्रदर्पणाभिधान- वार्षिकतन्त्रव्याख्यानस्य ग्रन्थसम्पादनम् अध्ययनञ्च"
50.	वी वी -791	श्री राजकमल के.	फलिथा ज्योतिष	डॉ. कृष्णेश्वर झा	ज्योतिश्शास्त्रानुसारेण मानसरोगाणां तच्चिकित्सानां च प्रायोगिकमध्ययनम्",
51.	वी वी -838	श्री पी.आर. मोहन सुंदरम	पुरानेतिहासा	प्रो सीएचपी सत्यनारायण,	"पुराणेतिहाससंवर्णितगुरुशिष्यसम्बन्ध स्य सामाजिकोपयोगिता"
52.	वी वी -856	श्री परमेश्वर	शिक्षा शास्त्र	शिक्षा शास्त्र	"संस्कृत- संस्कृतेतरच्छात्राध्यापकानां राष्ट्रियैकताविषयकाभिवृत्तेः तौलनिकमध्य यनम्"
53.	वी वी -842	श्री नंददुलाल मंडल	शिक्षा शास्त्र	प्रो रजनीकांत शुक्ला।	माध्यमिकस्तरीयविशिष्टच्छात्राणामधिग मोपलब्धौ शिक्षणाधिगमसामग्रीप्रभावः
54.	वी वी -861	सुश्री सावित्री परीदा	धर्मशास्त्र	प्रो टी वी राघवाचार्युलु	"श्राद्धविषये कुल्लूकभट्टविज्ञानेश्वरमतयोस्तुलनात्मक म ध्ययनम्"
55.	वी वी -843	सुश्री निहारिका मुदुली	धर्मशास्त्र	प्रो उन्नीकृष्णन नामपियाथिरी	"जन्मकुण्डलीपरिशीलनपुरससर भारतीयज्योतिषशास्त्रानुसारेण वियोगानां निरूपणम्
56.	वी वी -821	श्री नारायण हेगड़े	Sankhya Yoga	प्रो सीएचपी सत्यनारायण,	"श्रीशङ्करभगवत्पादानां भाष्येतरकृतिषु योगविन्यासः"
57.	वी वी -858	सुधामयी पति	धर्मशास्त्र	डॉ.पी.टी.जी.वाई. संपत कुमाराचार्युलु	"संस्कारतत्त्व-संस्कारसारयोः तलनात्मकमध्ययनम
58.	वी वी -849	श्री कार्तिक हलदर	साहित्य	प्रो के. सूर्यनारायण	श्रीवेङ्कटाचार्यविरचितसन्सूपरिणयन पटकस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्
59.	वी वी -862	सुश्री सहेली मजूमदार	शिक्षा शास्त्री	प्रो राधा गोविंद त्रिपाठी	संस्कृतच्छात्राध्यापकानां संस्कृतशिक्षणयोग्यताविकासे सूक्ष्मशिक्षणस्य प्रभावः
60.	वी वी -772	मनोज कुमार दास	धर्मशास्त्र	प्रो राधकांत ठाकुर	नीलकण्ठभट्टकृतदानमयूखस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्"
61.	वी वी -840	जैस्मीन पोथल	धर्मशास्त्र	के.ई. देवनाथन	"प्रायश्चित्तविषये कुल्लूकभट्ट विज्ञानेश्वरमतयोः तुलनात्मकमध्ययनम्"
62.	वी वी -841	अर्चना मंजरी सामल	धर्मशास्त्र	के.ई. देवनाथन	"राजधर्मविषये विज्ञानेश्वर - कौटिल्यमतयोस्तुलनात्मकमध्ययनम्
63.	वी वी -855	प्रताप कुमार मेहर	साहित्य	डॉ. भारत भूषण रथ	"प्रो. हरिदत्तशर्मविरचितस्य वैदेशिकाटनमहाकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्"
64.	वी वी -779	झांसी रानी मलिक	धर्मशास्त्र	प्रो राधकांत ठाकुर	प्रायश्चित्ते विज्ञानेश्वर - रघुनन्दनमतयोः तुलनात्मकमध्ययनम्
65.	वी वी -871	रागी वेंकटचारी	साहित्य	डॉ. सी.सी.नागराजू	विश्वेश्वरप्रणीतनवमालिकानाटिकाया : पाठसम्पादनं नाट्यशास्त्रीयं सामाजिकःञ्चाध्ययनम्"
66.	वी वी -847	राजेश कुमार कर	ज्योतिष	डॉ. कृष्णेश्वर झा	अग्निष्टोमसोमयागस्य (सामवेद) औद्रात्रप्रयोगसमीक्षा
67.	वी वी -863	सी.एस. श्रीकृष्णन	वेदभ श्याम	प्रो के. गणपति भट	अग्निष्टोमसोमयागस्य (सामवेद) औद्रात्रप्रयोगसमीक्षा

68.	वी वी -869	टी. सचिन शर्मा	साहित्य	प्रो सत्यनारायण आचार्य	डॉ. रमेशचन्द्रशुक्लप्रणीतस्य
69.	वी वी -882	श्री सिद्धार्थ शंकर मंडल	शिक्षा शास्त्र	प्रोफेसर एस दक्षिणा मूर्ति सरमा	"उच्च माध्यमिकस्तरस्य संस्कृतशिक्षा"। संस्कृतभाषाधिगमे मनोवैज्ञानिककास्काणां सर्वेक्षणात्मकाध्ययनम्"
70.	वी वी -883	श्री आर. कोदंडपाणि	शिक्षा शास्त्र	प्रोफेसर एस दक्षिणा मूर्ति सरमा	"संस्कृत व्याकरणकारकाधिगमे सूचनासम्प्रेषणप्रविधेः प्रभावः "
71.	वी वी -866	श्री अवस्थी शैलेश कुमार	शिक्षा शास्त्र	प्रो प्रहलाद आर. जोशी	भारते सर्वकारेतरसंस्थानां संस्कृतसंवर्धने योगदानम् "
72.	वी वी -875	श्री पोलोजू श्रीकांत	शिक्षा शास्त्र	प्रोफेसर के. कादंबिनी	उच्चस्तरे संस्कृतच्छात्राणाम् आत्मसम्प्रत्यय- उपलब्ध्योः अध्ययनम्।"
73.	वी वी -895	सुश्री दीपानविता दास	शिक्षा शास्त्र	डॉ. सीताराम शर्मा	उच्चमाध्यमिकस्तरीयच्छात्राणां संस्कृतभाषाधिगमे अभिप्रेरणाकारकाणाम् अध्ययनम्
74.	वी वी -867	सुश्री ए. सरिता	Vyakarana	प्रो जे रामकृष्ण	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुद्यां सामर्थ्यात्-असिद्धत्वादित्येवम्प्रतिपादितानामंशानां समीक्षात्मकमध्ययनम्"
75.	वी वी -877	सुश्री ए रजिता	Vyakarana	प्रो जे रामकृष्ण	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुद्यां प्रस्तुतानांपरिभाषणां समीक्षात्मकमध्ययनम्
76.	वी वी -859	श्री हरीश चंद्र बर्मन	अद्वैत वेदांत	प्रो वी पुरंदरा रेड्डी	श्वेतश्वतरपनिषदि आत्मतत्त्वयोः परिशीलनात्मकमध्ययनम्
77.	वी वी -876	सुश्री अनुराधा बेहरा	साहित्य	डॉ. प्रदीप कुमार बाग	आचार्यकेशवशर्मप्रणीतस्य हिमानी महाकान्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम
78.	वी वी -758	सुश्री रूबिरानी सामंत	शिक्षा शास्त्र	प्रो प्रहलाद आर. जोशी	प्रमुखधर्मशास्त्रकर्तृणां शैक्षिकं योगदानम्
79.	वी वी -891	सुश्री सुभाश्री प्रधान	साहित्य	डॉ. श्वेतापद्म सतपथी	"पद्मनाभमिश्रविरचितवीरभद्रदेवचम्पूकाव्यस्यसमीक्षात्मकमध्ययनम्"
80.	वी वी -870	श्री वैसाखान के. बी.	ज्योतिष	प्रो वी. उन्नीकृष्णन नामपियाथिरी	केरलीयज्योतिषशास्त्रानुसारं देवतानिरूपणप्रतिष्ठाविषयकमध्ययनम
81.	वी वी -864	सुश्री इतिश्री पाधी	साहित्य	प्रो जी.एस.आर. कृष्ण मूर्ति	कालिदासस्य श्रव्यकाव्येषु कालौचित्यानिर्वहणम्
82.	वी वी -887	श्री मिलन कुमार मिश्र	पुरानेतिहासा	वी.एस. विष्णु भट्टाचार्युलु	पुराणवाङ्मयेसङ्ग्रामसैन्यव्यवस्थयोःएकमध्ययनम्
83.	वी वी -878	सुश्री अर्चना खमारी	साहित्य	प्रो सत्यनारायण आचार्य	श्रीरामाभिरामीयमहाकान्यमधिकृत्य साहित्यशास्त्रीयमध्ययनम्
84.	वी वी 874	श्री किरान शंकर भट	साहित्य	प्रो सी. रंगनाथन	आचार्य एच्.वि. नागराजवर्यविरचितशतककाव्यानां साहित्यिकदृष्ट्या
85.	वी वी -888	सुश्री लिशरानी बिन्धानी	धर्मशास्त्र	डॉ सितांशु भूषण पांडा	"गौतमधर्मसूत्रेप्रतिपादितानांसंस्काराणांविषयेमिताक्षरमस्करीटीकयोःतुलनात्मकमध्ययनम्"
86.	वी वी -873	श्री करणम रामू	द्वैत वेदांत	प्रो नरसिंहाचार्य पुरोहित	श्रीमदनुव्याख्यानजिक्षसाधिकरणलघुप्रकाशिकायाः पाठसमीक्षात्मकसम्पादनमध्ययनञ्च

87.	वी वी -912	श्री देबाशीष पॉल	विश्वाद्वैत वेदांत	प्रो सी. राघवन	“श्रीपरवस्तुवेदान्ताचार्यविरचितमहाभारत तात्पर्यरक्षयाःपाठसमीक्षात्मकंसम्पादनम्अध्ययनम्च।“
88.	वी वी -880	श्री बिस्वजीत मोदक	साहित्य	डॉ. ज्ञानरंजन पांडा	सयाजीगौरवमहाकाव्यम्एकं समालोचनात्मकम् अध्ययनम्
89.	वी वी -884	सुश्री दीपिका बेहरा	पुराणति ह ास	प्रो वी.एस. विष्णु भट्टाचार्युलु	"प्रसिद्धपुराणेषु द्वादशीव्रतमाहात्म्यमेकं विश्लेषणात्मकमध्ययनम्"
90.	वी वी -881	श्री बिस्वजीत बर्मन	साहित्य	प्रो के. सूर्यनारायण	विश्वनाथकृतसङ्गीतरघुनन्दनकाव्यस्य व्यङ्ग्यार्थचन्द्रिकाटीकायाः नवमसर्गतः आसमाप्ति सम्पादनम्म् आलङ्कारिकमध्ययनच
91.	वी वी -892	श्री शंकर बेरा	शिक्षा शास्त्र	प्रो प्रहलाद आर. जोशी	“उच्चमाध्यमिकस्तरीयच्छात्राणांसंस्कृतभाषादक्षताविकासेअभिरुच्युत्पादनेचस्फूर्त्तक क्षायाःप्रभावः”
92.	वी वी -885	सुश्री सुसमा साहू	साहित्य	प्रो सत्यनारायण आचार्य	महाप्रभोः श्रीलिङ्गराजदेवस्य भक्तिसाहित्यानुशीलनम्"
93.	वी वी -879	श्री अधीर चंद्र दास	साहित्य	प्रो सत्यनारायण आचार्य	पाण्डितकाशीनाथगोपालगोरेविरचितस् य श्रीमदनिरुद्धायनमहाकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम
94.	वी वी -897	श्री दीपक महालिक	साहित्य	डॉ. प्रदीप कुमार सिंह	“गोस्वामिप्रबोधानन्दसरस्वतीविरचितसंगीतमाधवस्यसमीक्षात्मकमध्ययनम्”
95.	वी वी -872	श्री निखिल केशरी	साहित्य	प्रो सत्यनारायण आचार्य	संस्कृतसाहित्यक्षेत्रे आचार्य प्रमोदचन्द्र मिश्रस्य अवधानम्"
96.	वी वी -865	श्री अमित सरकार	साहित्य	प्रो वी पुरंदरा रेड्डी	औपनिषदृष्ट्या श्रीमद्भागवते षष्ठामस्कन्धयोः समीक्षात्मकमध्ययनम
97.	वी वी -899	सुश्री कमलिनी मोहराना	साहित्य	डॉ. ज्ञानरंजन पांडा	“डा.शिवसागरत्रिपाठिविरचितस्यभ्रष्टाचार सप्तशतीतिप्रबन्धकाव्यस्यसमीक्षात्मकम ध्ययनम्”
98.	वी वी -893	श्री विस्समसेट्टी जयकृष्ण	पुरानेति हासा	प्रो टी वी राघवाचार्युलु	“श्रीविष्णुधर्मोत्तरपुराणेधर्मक्रियाःएकमध्ययनम्”
99.	वी वी -902	श्री तथागत मंडल	अद्वैत वेदांत	प्रो गणपति भट	“रामप्रसादकमलाकान्तयोःशाक्तपदावलीषुदार्शनिकभावना”
100.	वी वी -920	सुश्री सोमा मोंडल	अद्वैत वेदांत	प्रो गणपति भट	“श्रीमद्भगवद्गीतायाःगूढार्थदीपिकामवलम्ब्य “तत्त्वमसि” महावाक्यार्थविचारः।”
101.	वी वी -908	श्री संतोष कुमार डी.एस.	द्वैत वेदांत	प्रो नारायण	“श्रीमन्महाभारतान्तर्गतमोक्षधर्मपर्वतथामाध्वदर्शनम्एकंविशिष्टध्ययनम्”
102.	वी वी -903	श्री सुप्रिया गोस्वामी	अद्वैत वेदांत	प्रो के विश्वनाथ	“ईशावास्यकेनोपनिषदोःशंकराचार्यारविन्दसिद्धान्तयोःतौलनिकमध्ययनम्”
103.	वी वी -896	सुश्री सश्मिता पाधी	धर्मशास्त्र	प्रो पी.टी.जी. संपतकुमाराचार्युलु	“तिथिनिर्णयप्रसङ्गेकमलाकरभट्ट-रघुनन्दनमतयोःतुलनात्मकमध्ययनम्”
104.	वी वी -894	श्री चेम्बेती पुरुषोत्तम	कंप्यूटर विज्ञान	प्रो जी श्रीधर	“गुणवत्तापूर्णजालविन्यासस्यकृतेगुणात्मकं परिमाणात्मकञ्चरूपरेखायाम्अवदानम्।”
105.	वी वी -909	सुश्री आर. नागहर्षिनी	न्याय	ओ.एस. रामलाल शर्मा	“न्यायवैशेषिकदर्शनयोःइन्द्रियैन्द्रियकज्ञान सम्बद्धविचाराणांदर्शनान्तरीयविचारैस्सहतुलनात्मकमध्ययनम्।“

106.	वी वी -907	सुश्री संजीता पांजा	साहित्य	प्रो सत्यनारायण आचार्य	“महामहोपाध्यायडा . जयमन्तमिश्रप्रणीतस्यकालिन्दीपरिणयमहाकाव्यस्यसाहित्यिकंसांस्कृतिकञ्चाध्ययनम्। “
107.	वी वी -900	श्री देबाशीष नट्टा	साहित्य	डॉ. नागराजू सीएच	“स्वातन्त्र्योत्तरसंस्कृतकथासाहित्यरचनाधाराएकमध्ययनम्”
108.	वी वी -910	श्री सुरे रामतिरुमाला रेड्डी	साहित्य	डॉ. नागराजू सीएच	“डिण्डिमकविराजनाथप्रणीतस्यसालुवाभ्युदयमहाकाव्यस्यपाठसम्पादनंसविशेषमध्ययनञ्च।”
109.	वी वी -857	सुश्री दिब्यारानी त्रिपाठी	पुरानेतिहासा	डॉ. रंगा रामानुजाचार्युलु	श्रीमद्भागवते उपदिष्टानां गीतानां सामाजिकमध्ययनम्"
110.	वी वी -868	श्री आलोक चन्द्र परीदा	वेदभ श्याम	प्रो के. ई. देवनाथन्	शतपथब्राह्मणप्रतिपादितानां सोमयागसम्बन्धिनीनामाख्यायिकानां समीक्षात्मकमध्ययनम्"
111.	वी वी -904	श्री अभिषेक मुखर्जी	व्याकरण	प्रो के. सूर्यनारायण	श्रीललितासहस्रनामस्तोत्रेसमस्तपदप्रयोगपरिशीलनम्
112.	वी वी -890	श्री बुंगा जनार्दन	सांख्य योग	प्रो पुरंदरा रेड्डी	“शैवपुराणेषुसांख्ययोगतत्त्वविचारः”
113.	वी वी -889	श्री सोमेन दास	साहित्य	डॉ. लीना चंद्रा के.	“पण्डितकाशीनाथगोपालगोरेवविरचिताश्रीकलिगीता(व्यङ्ग्यात्मकंकाव्यम्) एकमध्ययनम्”
114.	वी वी -911	सुश्री गीतांजलि महाराणा	धर्मशास्त्र	डॉ. सितांशु भूषण पाडा	“स्मृतिग्रन्थोक्तप्रायश्चित्तानाम्एकंसमीक्षणम्।“
115.	वी वी -901	श्री पवित्र कुमार नंदा	वेदभ श्याम	डॉ. निरंजन मिश्रा	“ऋग्वेदीयप्रथममण्डलस्यसायणाचार्यकपालिशास्त्रिभाष्ययोःतुलनात्मकमध्ययन्म्”
116.	वी वी -919	सुश्री सोनाली साहा	व्याकरण	आर.एल.नरसिम्हा शास्त्री	“प्रक्रिया सर्वस्वेतद्धितभागस्थकाशिकासिद्धान्तकौमुदीभ्यांसमीक्षीत्मकनध्ययनम्।“
117.	वी वी-898	श्री अनूप कुमार खान	अनुसंधान और प्रकाशन	डॉ. सोमनाथ दास	“बालकृष्णविरचितविद्वद्भूषणमितिग्रन्थस्य सटीकसम्पादनम्”
118.	वी वी-906	श्री अरवेती आरवी नागेंद्र कुमार	साहित्य	प्रो एस सुदर्शन शर्मा	“साहित्य - अकादेमीयुवपुरस्कारसभाजितानांसंस्कृतकव्यानांसमीक्षणम्(2011 तः2017 पर्यन्तम्)”

समेकित पदक सूची- **2021-22** स्वर्ण पदक

क्र सं.	पुरस्कार का नाम	स्थापित	सम्मानित होने वाले छात्र का नाम	कक्षा का नाम
01	1. डॉ. आर. एन. अरलीकट्टी एंडोमेंट कैश प्राइज – रु. 500.00	स्वर्ण पदक	सुश्री वेदश्री	शिक्षाशास्त्री (बिस्तर।)
	2. नवजीवन पुरस्कार स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
	3. विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
02	1. श्री शंकर दयाल शर्मा स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक	एमएस। एन। मौनिका डी/ओ श्री. आर। नागराजा और अनुसूचित जनजाति। बी। विजय रोल नंबर: 20050022	आचार्य संख्या योग
	3. विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
03	1. श्री श्रीधराचार्य	स्वर्ण पदक	श्री। यारमसेट्टी उमा महेश्वर राव पुत्र श्री. यर्रामासेट्टी शिवनारायण और अनुसूचित जनजाति। यर्रामासेट्टी धन लक्ष्मी रोल नंबर: 19010101	Sastri (B.A.) Vyakarana
	2. डॉ। एम. अनंतशयनम आईएमजीआर नकद पुरस्कार यह है. 5000-00	नकद		
	3. प्रो टी.एस. गंगाधरन स्मारक रुपये का नकद पुरस्कार. 5000-00	नकद		
	4. डॉ. मल्लादी डी.बालासुब्रह्मण्यम बेस्ट & डायनामिक स्टूडेंट गोल्ड मैडल	स्वर्ण पदक		
	5 विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
04	1. श्री आचार्य विनोभा भावे सर्वमंगल स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक	द्रव्यमान। शेष संध्या श्रीनिधि एस.वी. डी/ओ श्री. शेषावतारम एस.वी. & युगल। क। कादम्बनी रोल नंबर: 20000001	प्रक-शास्त्री
	2. डॉ। एम. अनंतशयनम आईएमजीआर नकद पुरस्कार यह है. 5000-00	नकद		
05	1शमत. महालक्ष्मी बेस्ट & डायनामिक स्टूडेंट गोल्ड मैडल	स्वर्ण पदक	मर. अक्षय भूषण स/ो श्री. कामता नाथ ार्य & शमत. सीता ार्य रोल न: 20050050	आचार्य धर्म सस्त्र
	2. विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		

06	1. शमत. सब वेंकटलक्ष्मी & श्री सबल नरसिम्हाचर्य गोल्ड मैडल	स्वर्ण पदक	महीने. सागरिका सरकार डॉ. एवं श्री. निरंजन सरकार एवं बराबर। सपनों की सरकार रोल नंबर: TO050082	आचार्य साहित्य (के.वर्ग)
	2. श्रीमती. कमलाम्मा और श्री. अच्युत देवराज भट्टर स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
	3. विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
07	1. वराहमिहिर प्रशस्ति गोल्ड मैडल	स्वर्ण पदक	मरना दसारी जयेन्द्र वीरा सरस्वती से पुत्र श्री. दसारी सूर्यनारायण और सेंट दसारी वेंकट रत्नम रोल नंबर: 20050003	आचार्य सिद्धांत ज्योतिष
	2. विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
08	1. श्रीमती. शेषरत्नम और प्रो. के. दक्षिणामूर्ति स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक	मर. लोकनाथ पांडा स/ो श्री. जगदीश पांडे & शमत. आशालता पांडा रोल न: 20050030	आचार्य अद्वैत वेदांत
	2. महामहोपाध्याय मद्दुलापल्ली माणिक्य शास्त्री स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
	3. श्री नीलमराजू वेंकट नरसिम्हा राव और नीलमराजू भानुमति शुद्ध स्वर्ण पदक	शुद्ध स्वर्ण पदक		
	4. ब्रह्माश्री गोदा सुब्रमण्यम शास्त्री मेमोरियल नकद पुरस्कार रु. 5000-00	शुद्ध स्वर्ण पदक		
	5. श्री अप्पैया दीक्षितेन्द्र नकद पुरस्कार रु. 5000-00	नकद		
	6. विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
09	प्रो यू. शंकर भट्ट स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक	द्रव्यमान। सुलेखा दास डी/ओ श्री. श्याम सुन्दर दास एवं युगल शिप्रा दास रोल नंबर: 20050139	आचार्य साहित्य (अ. वर्गा)
10	1. भगवान श्री स्वामीनारायण स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक	श्री। सी। अभिलाष पुत्र श्री. सीवी। श्रीनिवास और युगल सीवी। देवी लक्ष्मी रोल नंबर: 20050046	आचार्य विशिष्टाद्वैत वेदांत
	2. विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
11	1. टी टी डी स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक	एमएस। लिंगारेड्डी उमा माहेश्वरी डी/ओ श्री. एल वेंकट कृष्ण रेड्डी और श्रीमती. एल. लक्ष्मी देवी रोल नंबर: 20050044	आचार्य धर्म
	2. श्वेता गयी शुद्ध स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
	3. विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		

12	1. श्री एसबीटी रामानुजाचार्युलु स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक	द्रव्यमान। सुरीमल्ला श्रावणी डी/ओ श्री. सुरीमल्ला श्री राम मूर्ति और युगल सुरिमला कुमारी रोल नंबर: 20050010	आचार्य कहानी
	2. महामहोपाध्याय मद्दुलापल्ली माणिक्य शास्त्री स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
	3. विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
13	श्री पंडित वेदांतम जगन्नाथाचार्य स्वामी और श्रीमती लक्ष्मी नरसम्मा स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक	मर. अर्पण भट्टाचार्यया स/ो श्री. ाषित बरन भट्टाचार्यया & शमत. मनाशी भट्टाचार्यया रोल न: 19010006	शास्त्री धर्म
	2. अकेले कृष्ण शास्त्री और मनोरमा शुद्ध स्वर्ण पदक	शुद्ध स्वर्ण पदक		
14	वेम्पारा के सत्यनारायण मूर्ति और सुब्बालक्ष्मी पूरा स्वर्ण पदक	शुद्ध स्वर्ण पदक	मर. ेस्वर डैश स/ो श्री. सुधांसु डैश & शमत. सरस्वती देश रोल न: 19010103	शास्त्री वेदभाष्यम्
15	1. अकेलेया विश्वेश्वर राव और बालात्रिपुरा सुंदरी शुद्ध स्वर्ण पदक	शुद्ध स्वर्ण पदक	मर. रितेश पाठक स/ो श्री. राजकुमार पाठक & शमत. सरला पाठक रोल न: 20050018	आचार्य वेदभाष्यम्
	2. विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
16	श्री बाबूराव पीड़ा & वेंकटा राजेस्वरी पीडा प्योर गोल्ड मैडल	शुद्ध स्वर्ण पदक	मरना संजय कुमार राठ पुत्र श्री. निरंजन रथ एवं सेंट ज्योत्सना रथ रोल नंबर: 20190033	म.फील वेद-भाष्यम
17	1. आचार्य रामानुज देवनाथन स्मारकस्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक	एमएस। गुंटुपल्ली विद्यासुधा डी/ओ श्री. गुंटुपल्ली उठे और अनुसूचित जनजाति। गुंटुपल्ली सुब्बायम्मा रोल नंबर: 20060002	शिक्षा आचार्य (एम.एड.)
	2. आचार्य चन्द्रशेखर पांडे स्मृति नकद पुरस्कार रु. 11,000-00	नकद		
	3. विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
18	श्रीमती. मेडी लीलावतम्मा स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक	द्रव्यमान। संतुष्ट मिश्रण श्री/श्री. विभूतिभूषण मिश्र एवं युगल भाग्यबती मिश्रा रोल नंबर: 19010080	शास्त्री साहित्य

19	1. शमत. राजराजेस्वारी & महामहोपाध्याय प्रचार्य सलाका रघुनाथा सरमा गोल्ड मैडल	स्वर्ण पदक	श्री। सौरव राउत पुत्र श्री. गणेश रूट और श्रीमती. शांति लता रूट रोल नंबर: 20050055	आचार्य व्याकरण
	2. महामहोपाध्याय व्याकरण वागीसा ब्रह्माश्री पेरी सूर्यनारायण शास्त्री नकद पुरस्कार रु. 5,000-00	नकद		
	3. श्री एस.वी. नागेश्वर राव और श्रीमती। एस. पुष्पलता मेमोरियल नकद पुरस्कार रु. 5,000-00	नकद		
	4. विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
20	विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक	मरना अंतहीन के.एच. पुत्र श्री. हरि नारायणन के.आर. & बराबर। जौहर के.वी. रोल नंबर: TO050006	आचार्य फलिता ज्योतिष
21	विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक	श्री। सब्यसाची बिशी पुत्र श्री. उकु बिशी और श्रीमती. उमाबिशी एल: 20050041	आचार्य पुराणेतिहास
22	विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक	एमएस। पूर्णश्री गार्गी अय्यर पी डी/ओ श्री. परमेश्वरन वी और amp; श्रीमती. पी.एस. सुमम रोल नंबर: 20250001	एम.ए. संस्कृत बातचीत
23	1. श्री। वनमामलाई रामानुज जीयर स्वामी स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक	श्री। रघुनन्दन एम.एस. पुत्र श्री. सुधींद्र राव एम.एस. श्रीमती. पद्मिनी एस रोल नंबर: 20050033	आचार्य द्वैत वेदान्त
	शुद्ध स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
	3. विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
	4. आचार्य टोपर (आल सस्तस) कुलाधिपति स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		

समेकित पदक सूची- 2021-22

क्र.सं	पुरस्कार का नाम	स्थापित	सम्मानित होने वाले छात्र का नाम	कक्षा का नाम

01	1. डॉ. आर.एन. अरलीकट्टी बंदोबस्ती नकद पुरस्कार - रु. 500.00	नकद	मर. चापाटि षण्मुख जानकी रमण स/ो श्री. चापाटि सत्यनारायण राव शमत. चापाटि देवसेना रोल न: 19070003	शिक्षाशास्त्री (बिस्तर।)
	2. नवजीवन पुरस्कार स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
	3. विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
02	1. श्री। वनमामलाई रामानुज जीयर स्वामी स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक	श्री। गोपीनाथ रघु रमण पुत्र श्री. आर. गोपीनाथ श्रीमती. जी.निर्मला रोल नंबर: 19050140	आचार्य विशिष्टाद्वैत वेदांत
	2. भगवान श्री स्वामीनारायण स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
	3. विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
03	1. श्री शंकर दयाल शर्मा स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक	मर. ब्रह्मानंद पधान स/ो श्री. सारंगधर प्रधान & शमत. प्रतिमा प्रधान रोल न: 19050141	आचार्य कहानी
	2. श्री एसबीटी रामानुजाचार्युलु स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
	3. महामहोपाध्याय मद्दुलापल्ली माणिक्य शास्त्री स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
	4. विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
04	1. श्री श्रीधराचार्य स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक	एमएस। एस. सुमति डी/ओ श्री. ए सुब्रमण्यन और श्रीमती। एस.सरस्वती रोल नंबर: 18010089	शास्त्री (बी.ए.) व्याकरण
	2. डॉ. एम. अनंतसायनम अयंगर	नकद		
	3. प्रोफेसर टी.एस.गंगाधरन स्मारक	नकद		
	4. विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
05	1. श्री आचार्य विनोबा भावे सर्वमंगला स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक	द्रव्यमान। सातवीं जानकी डी/ओ श्री. एडिडा श्रीनिवास राव और युगल। सातवीं वाणीश्री रोल नंबर: 19000049	प्रक-शास्त्री
	2. डॉ. एम. अनंतसायनम अयंगर	नकद		
06	1. श्रीमती महालक्ष्मी सर्वश्रेष्ठ और गतिशील छात्र स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक	द्रव्यमान। आर। प्रिय डी/ओ श्री. सी. राघवन और युगल आर। सुधा रोल नंबर: 19050097	आचार्य व्याकरण
	2. श्रीमती राजराजेश्वरी और महामहोपाध्याय प्रचाराचार्य सलाका रघुनाथ सरमा स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
	3. महामहोपाध्याय व्याकरण वागीसा ब्रह्माश्री पेरी सूर्यनारायण शास्त्री नकद पुरस्कार रु. 5000-00	नकद		

	4. विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
07	1. शमत. सब वेंकटलक्ष्मी & श्री सबल नरसिम्हाचर्य गोल्ड मैडल	स्वर्ण पदक	मर. भारत पधान स/ो श्री. अमरा पधान & शमत. किशोरी पढ़ें रोल न: 19050040	आचार्य साहित्य
	2. श्रीमती. कमलाम्मा और श्री. अच्युत देवराज भट्टर स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
	3. विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
08	1. वराहमिहिर प्रशस्ति गोल्ड मैडल	स्वर्ण पदक	द्रव्यमान। अह्निमा कृष्णा एल.जी. डी/ओ श्री. लीला कृष्णन और युगल। पुष्पावती रोल नंबर: 19050123	आचार्य फलिथा ज्योतिष
	2. विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
09	1. श्रीमती. शेषरत्नम और प्रो. के. दक्षिणामूर्ति स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक	मर. बिराज सिंघा स/ो श्री. अर्नब कुमार सिन्हा & शमत. राजेस्वरी सिंघा रोल न: 19050137	आचार्य अद्वैत वेदांत
	2. महामहोपाध्याय मद्दुलापल्ली माणिक्य शास्त्री स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
	3. श्री नीलमराजू वेंकट नरसिम्हा राव और नीलमराजू भानुमति शुद्ध स्वर्ण पदक	शुद्ध स्वर्ण पदक		
	4. विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
10	प्रो यू. शंकर भट्ट स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक	महीने. ताराबती मोहंत डॉ. एवं श्री. बैंकिंग पैलेस मोहनत और बराबर। मनी मोहंत रोल नंबर: 19050088	आचार्य साहित्य
11	एक अच्छा योगाभ्यासी स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक	मस. दीप्तिमयी बेहेरा डी/ो श्री. ह्रुदनन्दा बेहरा & शमत. पद्मिनी बेहेरा रोल न: 20130009	प.ग. दिप इन योग विज्ञान
12	वेम्पारा के सत्यनारायण मूर्ति और सुब्बालक्ष्मी पूरा स्वर्ण पदक	शुद्ध स्वर्ण पदक	श्री। कालिदिंडी तेजस्वी लक्ष्मी नरसिम्हा साईस्वरा वर्मा पुत्र श्री. कालिदिंडी गंगा सुब्रह्मण्य प्रसाद राजू और श्रीमती. के. पार्वती	शास्त्री वेदभाष्यम

			रोल नंबर: 18010097	
13	1. अकेलेया विश्वेश्वर राव और बालात्रिपुरा सुंदरी शुद्ध स्वर्ण पदक	शुद्ध स्वर्ण पदक	मर. श्रीकांत कुमार दाश स/ो श्री. कैलाश चन्द्र दाश & शमत. अमूल्य देश रोल न: 19050146	आचार्य वेदभाष्यम्
	2. विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
14	1. आचार्य रामानुज देवनाथन स्मारक स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक	रामपुरम देवी कल्याणी डी/ओ श्री. जी. राजेंद्र बाबू और श्रीमती। एस मीरा बाई रोल नंबर: 19060001	Siksha Acharya (M.Ed.)
	2. आचार्य चन्द्रशेखर पांडे स्मृति नकद पुरस्कार रु. 11,000-00	नकद		
	3. विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक		
15	ब्रह्माश्री गोदा सुब्रमण्यम शास्त्री मेमोरियल नकद पुरस्कार रु। 5,000-00	नकद	1. द्रव्यमान। टी। सुभासिनी डी/ओ श्री. टी। पुलया और युगल टी। सविथ्रम्मा रोल नंबर: 19050138 2. मर. लक्ष्मीकांता लस्कर स/ो श्री. दसुरथी लस्कर & शमत. रेहा लस्कर रोल नंबर: 19050139	Acharya अद्वैत वेदांत
16	डॉ. मल्लादी डी. बालासुब्रह्मण्यम बेस्ट & डायनामिक स्टूडेंट गोल्ड मैडल	स्वर्ण पदक	द्रव्यमान। यनमाला पूजा रेड्डी डी/ओ श्री. यनमाला नागार्जुन रेड्डी और युगल के। वी। देवी सुब्बालक्ष्मी रोल नंबर: 18030007	बी ० ए। (सम्मान)
17	श्रीमती. मेडी लीलावतम्मा स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक	मरना सुभम गिरी पुत्र श्री. नीलकंठ गिरि और समत। बिनोदिनी गिरि रोल नंबर: 18010070	शास्त्री साहित्य
18	विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक	श्री। सिद्धार्थ शंकर पांडा पुत्र श्री. चन्द्र शेखर पांडा और श्रीमती. सुकांति पांडा रोल नंबर: 19050142	आचार्य मीमांसा
19	विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक	महीने. कौन हैं संध्या रानी? डॉ. एवं श्री. अरुण कैर और बराबर। सविता कौन है? रोल नंबर: 19050Ga6	आचार्य धर्म सस्त्र
20	विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक	स्वर्ण पदक	एमएस। रीनू ने धोखा दिया	

			डी/ओ श्री. उकीला बुधिया एवं श्रीमती. जयंती बुधिया **रोल नंबर:** 19050111	**आचार्य पुराणेतिहास**
21	**विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक**	**स्वर्ण पदक**	**एमएस। मनोरमा मैं हूँ** **डी/ओ श्री. बाबू चरण नायक - यही समय है (आधिकारिक वीडियो)** **श्रीमती. मुझे विश्वास है** **रोल नंबर:** 19050134	**आचार्य संख्या योग**
22	1. **शमत. सब विजयलक्ष्मी** & **स्री सब रघुनाथाचार्य ाचार्य गोल्ड मैडल**	**स्वर्ण पदक**	**एमएस। गांडे राजेश्वरी** **पुत्र श्री. गांडे चन्द्रशेखर और अनुसूचित जनजाति। गन्दे पद्मरानी** **रोल नंबर:** 19050151	**आचार्य धर्म**

पुरस्कार विजेताओं की सूची

एम.फिल – 2021-2022

क्र.सं.	छात्र का नाम	छात्र का
1	गणेश तुमुला	20190001
2	गुरुप्रसाद मठपति	20190002
3	श्री कांता बिस्वास	20190004
4	सुसांता हलदर	20190005
5	मदिराजू साईं कृष्ण	20190006
6	एस सत्य कृष्ण	20190007
7	सुदीप दास	20190008
8	एम एन वी सुब्रमान्य शर्मा	20190009
9	ज्योतिर्मयी महापात्र	20190011
10	अनिमेष मंडल	20190012
11	माली बिस्वास	20190013
12	स्नेहा जल	20190014
13	अजय बेहेरा	20190017
14	देबासिस डैश	20190018
15	रंजन होता	20190019
16	गायत्री नायक	20190020
17	राजेंद्र साहू	20190021
18	देशपांडे श्रेय सदाशिव	20190022
19	कार्तिक स्वामी	20190023
20	पूर्णिमा मंडल	20190024
21	सरस्वती नाथ	20190026
22	सुकान्त कुमार बारिक	20190029
23	साईस्वरी सारंगी	20190030
24	जीवन कुमार बेहरा	20190031

25	अलोक कुमार पधान	20190032
26	संजय कुमार रथ	20190033
27	रजत रिपाठय	20190034
28	सतीनाथ मिश्रा	20190035
29	युवा चुया	20190036
30	अरुन्धती नायक	20190037
31	प्रवीण कुमार पांडे	20190038
32	तृषा पॉल	20190039
33	अमिताभ मंडल	20190040
34	आशीष कुमार पांडा	20190041
35	शाश्वती प्रधान	20190042
36	भाबेश मिश्रा	20190044
37	डेबिस्मिता रूट	20190045
38	कामिनेनी शिवशंकर	20190046
39	प्रज्ञरंजन शतपथी	20190047
40	लालबहादुर बारीक	20190048
41	प्रगति मिश्रा	20190049
42	रश्मिता राउतराय	20190050
43	राजीब मंडल	20190051
44	देबजानी नाइक	20190052
45	जलिस्मिता महापात्रा	20190053
46	अर्चना बेहरा	20190054
47	पट्टापबन नायक	20190055
48	स्मृतिरेखा बारिक	20190056
49	सुभ्रा बैद्य	20190057
50	रोजलीन साहू	20190058
51	ईश्वरम्मा पांडा	20190059
52	सस्मिता प्रधान	20190060
53	सोनालिका गाइगौरिया	20190061
54	मानसी पधान	20190062
55	पी शिव प्रसाद	20190064
56	स्वाति श्रिया पटनायक	20190065
57	हीरालाल मेहर	20190068
58	नंदिनी डेहरी	20190069
59	बुधेश्वर महतो	20190070
60	विश्वजीत टोपनो	20190071
61	रजनीगंधा साहू	20190072
62	गोपाल पधान	20190073
63	टिकेश्वर बड़ी	19190008

VI. PROJECTS

A. Orissa Chair

ओडिशा सरकार ने राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति में ओडिशा पीठ की स्थापना की। गहन शोध करने, भगवान श्री जगन्नाथ पर प्रकाशन प्रकाशित करने और हमारे देश की सांस्कृतिक विरासत में श्री चैतन्य महाप्रभु और कवि श्री जयदेव द्वारा किए गए योगदान को उजागर करने के लिए 50 लाख रुपये का बीज अनुदान मंजूर किया गया था। पीठ का औपचारिक उद्घाटन 14 अक्टूबर 2000 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और केंद्रीय संस्कृत बोर्ड, भारत सरकार के अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री रंगनाथ मिश्रा द्वारा किया गया था।

ओडिशा चेयर गतिविधियाँ इस प्रकार हैं:

1. उत्कल दिवस 1 अप्रैल 2022 को ओडिशा पीठ द्वारा ऑनलाइन के माध्यम से मनाया गया। इस संबंध में ओडिशा चेयर ने ओडिशा संस्कृति सहयोग और उत्कल परिषद, तिरुपति के बारे में एक विशेष वार्ता का आयोजन किया। माननीय एमपी और भारत के पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री. प्रताप चंद्र सारंगी मुख्य अतिथि के रूप में, प्रोफेसर हरेकृष्ण सत्पथी पूर्व वीसी एनएसयू तिरुपति और केआईएसएस विश्वविद्यालय मुख्य वक्ता के रूप में, श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, गुजरात के पूर्व कुलपति प्रोफेसर गोपबंधु मिश्रा को समारोह के अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

2. ओडिशा चेयर ने पद्मश्री पुरस्कार विजेता स्वामी बाबा बलिया द्वारा 15.06.2022 को एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया, जो एक आध्यात्मिक नेता हैं और पूरे भारत में पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने कहा कि समाज का नेतृत्व दिव्य आत्मा ही कर सकती है। उन्होंने छात्रों को आध्यात्मिक मार्ग पर जाने का सुझाव दिया और प्रोत्साहित किया। तत्कालीन कुलपति ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। पीठके निदेशक डॉ. ज्ञानरंजन पांडा ने विशेष व्याख्यान का समन्वय किया और डॉ. प्रसन्न कुमार पांडा और श्री प्रभात कुमार त्रिपाठी इस कार्यक्रम से जुड़े थे।

3. अध्यक्ष द्वारा श्री जगन्नाथ महाप्रभु का कार उत्सव मनाया गया। तत्कालीन कुलपति ने महोत्सव का उद्घाटन किया। 01 जुलाई 2022 को रजिस्ट्रार कमांडर चल्ला वेंकटेश्वर (सेवानिवृत्त), उप रजिस्ट्रार श्री कृष्ण राव वाई.वी., प्रोफेसर जीएसआर कृष्ण मूर्ति डीन ए.ए. और ओडिशा चेयर के सलाहकार, ओडिशा चेयर के सलाहकार प्रोफेसर राधा गोविंदा त्रिपाठी, श्री मुनीश मलिक वित्त अधिकारी, सभी विश्वविद्यालय शिक्षण और गैर-शिक्षण और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। पीठ के निदेशक डॉ. ज्ञानरंजन पांडा ने रथ यात्रा का समन्वय किया।

4. उपाकर्म संस्कार (श्राबाणा पूर्णिमा) 11.08.2022 को ओडिशा पीठ द्वारा मनाया गया। इस कार्यक्रम में कई छात्रों ने भाग लिया।

5. 18.08.2022 को ओडिशा चेयर द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पूजा मनाई गई। अर्थात। गुरूवार। कार्यक्रम में कई स्टाफ और छात्रों ने भाग लिया।

6. 1 सितंबर 2022 को ओडिशा चेयर द्वारा नुआखाई उत्सव मनाया गया। इस संबंध में, ओडिशा चेयर ने उत्कल परिषद, तिरुपति के सहयोग से ओडिशा संस्कृति के बारे में एक विशेष वार्ता का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ओम प्रियदर्शी छोटाराय, एनएसयू के प्रॉक्टर प्रोफेसर सत्यनारायण आचार्य मुख्य वक्ता थे, एनएसयू के छात्र कल्याण के डीन प्रोफेसर राधागोविंद त्रिपाठी समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। प्रोफेसर जीएसआर कृष्ण मूर्ति ने समारोह के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। पीठ के निदेशक डॉ. ज्ञानरंजन पांडा ने नुआ खाई उत्सव का समन्वय किया।

7. कैलेंडर और श्री जगन्नाथ अष्टक पुस्तक का प्रकाशन और उद्घाटन 29 दिसंबर 2022 को पमुखा स्वामी महाराज शताब्दी समारोह के अवसर पर अहमदाबाद में हमारे माननीय कुलपति प्रोफेसर जीएसआर कृष्ण मूर्ति की उपस्थिति में एमएम भद्रेश दास स्वामी महाराज द्वारा किया गया था। इस सम्मेलन में ओडिशा चेयर के निदेशक डॉ. ज्ञानरंजन पांडा उपस्थित थे।

8. 05 फरवरी 2023 को ओडिशा चेयर द्वारा स्कंद पुराण पारायण और अखंड हरिनाम संकीर्तन मनाया गया। कृष्ण मूर्ति, कुलपति, श्री वाईवी कृष्ण राव, उप रजिस्ट्रार, प्रो सत्य नारायण आचार्य, प्रॉक्टर और ओडिशा चेयर के सलाहकार, प्रोफेसर राधागोविंद त्रिपाठी और कई संकाय सदस्यों और छात्रों ने इस समारोह में भाग लिया। इस कार्यक्रम से डॉ. ज्ञानरंजन पांडा, चेयर कोऑर्डिनेट के निदेशक और डॉ. प्रसन्न कुमार पांडा और श्री प्रभात कुमार त्रिपाठी जुड़े हुए हैं।

9. 28 मार्च 2023 से 30 मार्च 2023 के दौरान भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की वित्तीय सहायता से ओडिशा चेयर द्वारा श्री चैतन्य दर्शन: – अन्य दर्शनों के साथ एक संवाद पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में अक्षरा पुरुषोत्तम धाम नई दिल्ली के बीएपीएस शोध संस्थान के प्रमुख आचार्य महामहोपाध्याय साधु भद्रेश दास मुख्य अतिथि थे, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय और केआईएसएस विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो हरेकृष्ण सत्पथी संगोष्ठी के मुख्य वक्ता थे। पूर्णप्रज्ञा विद्यापीठ, बंगलौर के पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर हरिदास भट मुख्य वक्ता थे। आईसीपीआर के सदस्य सचिव प्रोफेसर सच्चिदानंद मिश्रा सम्मानित अतिथि थे। प्रोफेसर जी.एस.आर.कृष्ण मूर्ति, माननीय कुलपति इसके अध्यक्ष थे। ओडिशा चेयर के निदेशक डॉ. ज्ञानरंजन पांडा ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया। ओडिशा चेयर के

सलाहकार प्रोफेसर राधा गोविंदा त्रिपाठी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। प्रोफेसर सी रंगनाथन, निदेशक, सेंटर ऑफ डिस्टैंक ...

10. 28 मार्च 2023 को अतिथियों द्वारा सेमिनार स्मारिका का विमोचन किया गया।

ख. श्री रामानुजाचार्य परियोजना

श्री रामानुजाचार्य परियोजना संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा श्री रामानुजाचार्य की 1000 वीं जयंती के अवसर पर संत श्री रामानुजाचार्य से संबंधित पांडुलिपियों को डिजिटाइज, संपादित और प्रकाशित करने के लिए 118.33 लाख रुपये की राशि के साथ वित्त पोषित प्रतिष्ठित परियोजनाओं में से एक है।

C. पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी)

परियोजना को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित किया गया है। परियोजना का उद्देश्य शिक्षकों और शिक्षण से संबंधित कमियों को दूर करना है:

शिक्षकों की कमी को पूरा करना, संस्थागत तंत्रो का सृजन और सुदृढ़ीकरण, शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार करना और प्रशिक्षण, पुन: प्रशिक्षण, पुनश्चर्या और अभिविन्यास कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षकों और संकाय को सशक्त बनाना, शिक्षक शिक्षकों का पर्याप्त आधार तैयार करना, अकादमिक नेतृत्व पदों के लिए संकाय तैयार करना, पाठ्यक्रम विकास, मूल्यांकन और शिक्षण और अधिगम सामग्री के लिए क्षमता निर्माण।

संस्कृत विकास केंद्र:

यह समाज के साथ विश्वविद्यालय के जुड़ाव के महान कारण के साथ शुरू हुआ। बालकेंद्रम के अंतर्गत स्पोकन संस्कृत सिबिरम का आयोजन किया गया।

संस्कृत भाषा संवर्धन केंद्र:

आचार्य वी. मुरलीधर शर्मा, कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति ने इस केंद्र से संस्कृत भाषा संवर्धन केंद्र का उद्घाटन किया, सभी नागरिकों और बच्चों को संस्कृत भाषा और हमारी संस्कृति से संबंधित विचारों को पढ़ाया जाता है।

- संस्कृत भाषा संवर्धन केंद्र के मुख्य कार्य इस प्रकार हैं:
- बच्चों की कक्षाओं की योजना बनाना [बालकेन्द्रम]।
- ऑनलाइन संस्कृत कक्षाएं [बालगोकुलम]।
- मौखिक संस्कृत शिविरों का आयोजन।
- गीता जयंती जैसे उत्सवों का प्रदर्शन।
- नए प्रवेशकों के भाषा कौशल का विकास करें।
- अनुवर्ती कक्षा का निर्वहन।
- विशेष व्याख्यान।

VII. INFRASTRUCTURE & FACILITIES

केंद्रीय पुस्तकालय

राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय पुस्तकालय का नाम महामहोपाध्याय श्री पट्टाभिराम शास्त्री के नाम पर रखा गया है। पुस्तकालय में संस्कृत अध्ययन, पारंपरिक शास्त्र और शिक्षाशास्त्र पर सीखने के संसाधनों का सबसे बड़ा संग्रह है। पुस्तकालय छात्रों, शोध विद्वानों और विश्वविद्यालय के संकायों के अनुसंधान और शैक्षिक प्रयासों का समर्थन करता है, सूचना एकत्र करने, व्यवस्थित करने, संरक्षित करने और प्रसारित करने और आवश्यकता-आधारित सेवाओं के माध्यम से सभी प्रारूपों में अनुदेशात्मक कार्यक्रम प्रदान करता है और आधुनिक सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके ऑनलाइन सूचना संसाधनों तक पहुंच को सक्षम करता है।

विश्वविद्यालय पुस्तकालय एक ओपन-सोर्स एकीकृत पुस्तकालय प्रणाली (आईएलएस) (**KOHA-20.04)** के साथ स्वचालित है। पुस्तकालय ज्ञान संग्रह को व्यवस्थित करने के लिए कोलन वर्गीकरण (सीसी) प्रणाली का उपयोग कर रहा है। पुस्तकालय में सभी विषयों पर दस्तावेजों का एक अच्छा संग्रह है और पुस्तकों का कुल संग्रह लगभग **1,28,950** और **136** पत्रिकाएं हैं। पुस्तकालय में संस्कृत, तेलुगु, तमिल जैसी विभिन्न भाषाओं और देवनागरी, ग्रंथ, तेलुगु, कन्नड़, तिगलारी आदि जैसी विभिन्न लिपियों में पांडुलिपियों के **4007** से अधिक बंडल हैं। पुस्तकालय ने डीस्पेस एक ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर पैकेज पेश किया है जो डिजिटल परिसंपत्तियों के प्रबंधन के लिए उपकरण प्रदान करता है और आमतौर पर एक संस्थागत भंडार के आधार के रूप में उपयोग **किया जाता है।**

A. पुस्तकालय इनफ्लिबनेट का सदस्य बन गया जिसके द्वारा यह नेटवर्किंग के माध्यम से और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्कृत विद्वानों के बारे में संस्कृत के बारे में जानकारी और संदर्भ डेटा प्रदान करेगा।

B. Guest House, Hostels & Messes

(i) Guest House

विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस में ग्राउंड +2 मंजिल ेंं हैं। इसमें 19 कमरे हैं जिनमें 12 दो बिस्तर वाले कमरे, 05 तीन बिस्तर वाले कमरे और दो सुइट कमरे हैं। ग्राउंड फ्लोर में रसोई के साथ एक डाइनिंग हॉल भी उपलब्ध है। ये कमरे मुख्य रूप से एमओई, यूजीसी आदि के मेहमानों के लिए हैं जो आधिकारिक उद्देश्यों पर विश्वविद्यालय का दौरा करते हैं। उपलब्धता के आधार पर, स्टाफ मेहमानों को कमरे आवंटित किए जाते हैं। डाइनिंग हॉल की क्षमता को 36 तक बढ़ाने के लिए डाइनिंग हॉल में सात डाइनिंग टेबल जोड़े गए हैं और आगे, एक नया रेफ्रिजरेटर खरीदा और **स्थापित किया गया है।**

(ii) Boys Hostel

- विश्वविद्यालय पुरुष छात्रों के लिए 5 छात्रावास ोंं का रखरखाव कर रहा है, अर्थात् गरुड़चला, नीलाचला, वेदचला, शेषाचला और वेंकटचला। निम्नलिखित मुख्य विशेषताएं हैं:
- नवनिर्मित 501 क्षमता वाले वेंकटचला छात्रावास को पूरी तरह से सुसज्जित चारपाई, कुर्सियां, टेबल, वाटर कूलर आदि के साथ खोला गया है।
- मनोरंजन सुविधा के लिए डिश कनेक्शन के साथ पांच नए टेलीविजन प्रदान किए गए थे।
- 170 नई चारपाई खरीदी और नीलाचला (118) और शेषाचला (52) छात्रावासों में प्रदान की गई।

- गरुड़चला (98), नीलाचला (98), वेदचला (77) और शेषचला (36) को 309 कुर्सियां प्रदान की गई थीं।
- चार वाटर कूलर उपलब्ध कराए गए थे।
- वार्डनों को उनके छात्रावासों में कार्यकारी मेज, कुर्सी और आगंतुक कुर्सियां प्रदान की गई थीं।
-

• वेंकटचला छात्रावास में मुख्य वार्डन कार्यालय को कार्यकारी मेज, कुर्सी और आगंतुक कुर्सियां प्रदान की गई थीं।

(iii) Ladies hostel

- विश्वविद्यालय में एक छात्रावास के अलावा महिला छात्रों के लिए 4 अलग-अलग छात्रावास हैं, अर्थात् पद्मचला, विद्याचला, वकुलचला और सिम्हाचला।
- सिम्हाचला छात्रावास: इस वर्ष सिंहचला छात्रावास को महिला छात्रों की सुविधा के लिए महिला छात्रावास में बदल दिया गया है और इसे शिक्षाशास्त्री और विद्यावारिधि विद्वानों को आवंटित किया गया था।
- मनोरंजन सुविधा के लिए डिश कनेक्शन के साथ दो नए टेलीविजन प्रदान किए गए थे।
- 169 नई चारपाई खरीदी और सिम्हाचला (63) और वकुलचला (106) छात्रावासों को प्रदान किया।
- पदमाचला (57), विद्याचला (5), वकुलचला (33) और डॉरमेट्री (48) को 143 कुर्सियां प्रदान की गईं।
- चार वाटर कूलर उपलब्ध कराए गए थे।
- वार्डनों को उनके छात्रावासों में कार्यकारी मेज, कुर्सी और आगंतुक कुर्सियां प्रदान की गई थीं।

- सिंहचला छात्रावास में परीक्षण के आधार पर छह सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनें और भस्मक संस्थापित किए गए हैं, जिन्हें अब महिलाओं को आवंटित कर दिया गया है।

(iv) Messes

- वेंकटचला मेस इस शैक्षणिक वर्ष में जी + 1 मंजिल के साथ खोला गया था और इसमें एक संलग्न रसोई के साथ 04 डाइनिंग हॉल शामिल हैं।
- रोटी मशीनें: इस वर्ष 02 नई रोटी मशीनें खरीदी और स्थापित की गई हैं। ये पद्मावती मेस में स्थापित हैं और पद्मावती मेस और वेंकटचला मेस दोनों के लिए उपयोग किए जाते हैं।
- • वेंकटचला (4), पद्मावती (1) और श्रीनिवास (1) मेस में छह नए वाटर कूलर लगाए गए हैं।

घ. मनोविज्ञान प्रयोगशाला

वैज्ञानिक तरीके से शिक्षा के छात्रों के लिए प्रशिक्षण की सुविधा के लिए शिक्षा विभाग में राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की मनोविज्ञान प्रयोगशाला स्थापित की गई थी। प्रयोगशाला अच्छी तरह से कंप्यूटर, प्रोजेक्टर और फर्नीचर से सुसज्जित है। यह बीएड और एमएड छात्रों के लिए उनकी मानसिक और संज्ञानात्मक क्षमताओं के निर्माण में एक उपयोगी उद्देश्य की सेवा कर रहा है।

घ. भाषा प्रयोगशाला

संस्कृत और अंग्रेजी भाषा प्रशिक्षण दोनों के लिए भाषा प्रयोगशाला सुविधाएं। संस्कृत सॉफ्टवेयर 'भशिका' स्थापित किया गया है। सेंटर फॉर एक्सीलेंस प्रोग्राम के तहत इस सुविधा को अपग्रेड करने की प्रक्रिया की गई है। प्रयोगशाला का उपयोग भाषा सीखने, विषय सीखने, शैक्षणिक प्रशिक्षण और विभिन्न अन्य उद्देश्यों

जैसे प्रोग्राम किए गए निर्देश, कंप्यूटर सहायता प्राप्त निर्देश और कंप्यूटर एडेड लर्निंग के विकास के लिए किया जाता है।

घ. वर्णमाला गैलरी

अल्फाबेट गैलरी (लिपिविकास प्रदर्शिनी) की स्थापना 2003 में सेंटर फॉर एक्सीलेंस प्रोजेक्ट के तहत की गई थी। 2003 में शुरू की गई गैलरी का उद्देश्य भारत में वर्णमाला की उत्पत्ति, वृद्धि और विकास का पता लगाना है, जो शुरुआती समय (3000 ईसा पूर्व) से क्षेत्रीय लिपियों के विकास (9 वीं शताब्दी ए.डी.) तक है। सिंधु घाटी सभ्यता (3000 ईसा पूर्व से 1500 ईसा पूर्व) की लिपि से शुरू होने वाली गैलरी को उम्मीद है कि इसके लेखन और भाषा की व्याख्या की जटिलता को समझने की आवश्यकता है जैसा कि एमेरिटस वैज्ञानिक और पुरातत्वविद् डॉ एसआर राव द्वारा समझा गया है। चूंकि सिंधु लिपि शब्दार्थ लिपि, अवेस्तान और वैदिक-संस्कृत भाषाओं (ध्वन्यात्मकता, शब्दार्थ और व्याकरण में) से संबंधित थी, इसलिए द्रविड़ भाषाओं (जैसा कि पूर्व में विद्वानों द्वारा व्याख्या की गई थी) से अधिक, संस्कृत अवधारणाओं और विचारों के संदर्भ में ऋग्वेद के साथ इसकी उल्लेखनीय आत्मीयता को यहां चित्रित किया गया है।

सिंधु लेखन के ऐतिहासिक संदर्भ को वस्तुओं को प्रदर्शित करके प्रयास किया गया है, विशेष रूप से मुहरें जिन पर लिपि उत्कीर्ण की गई थी। ये मुहरें **1950-1980** के दौरान पुरातात्विक खुदाई के दौरान पश्चिमी भारत में लोथल जैसे सिंधु घाटी स्थलों में पाई गई हैं। गैलरी में अन्य सिंधु घाटी स्थलों, जैसे मोहनजोदड़ो (पाकिस्तान) और कालीबंगन (भारत) के साथ-साथ प्राचीन निकट पूर्वी स्थलों, जैसे किश और ब्राक, डॉ (सुमेर-एम इराक), हिसार और बहरीन से मुहरों के मॉडल भी शामिल हैं। सिंधु घाटी की मुहरों, सीलों, मूर्तियों, कांस्य के मॉडल हमें लोगों के जीवन में अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं और संस्कृत भाषा, वैदिक अवधारणाओं और परंपराओं के इतिहास को हम जितना जानते हैं उससे बहुत पहले की तारीख में ले जाते हैं।

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र

स्वास्थ्य केंद्र सभी विश्वविद्यालय कार्य दिवसों में सुबह 9.30 बजे से शाम 6.00 बजे तक कार्य करता है। आपातकालीन मामलों को 24x7 ऑन-कॉल आधार पर देखा जाता है। स्वास्थ्य केंद्र सामान्य बीमारियों के इलाज के लिए ओपीडी सुविधा प्रदान करता है। स्वास्थ्य केंद्र में रोगियों को प्रारंभिक आपातकालीन देखभाल प्रदान की जाएगी। स्वास्थ्य केंद्र में ऑक्सीजन, नेबुलाइजेशन और ईसीजी सुविधाएं उपलब्ध हैं। रोगियों को स्वास्थ्य केंद्र में इन-पेशेंट सुविधाएं (अवलोकन) प्रदान की जाती हैं। तीन बेड के साथ एक पुरुष वार्ड, तीन बेड के साथ एक महिला वार्ड और एक बेड के साथ क्रमशः एक पुरुष और महिला आइसोलेशन रूम हैं। इसके अलावा, विश्वविद्यालय के कर्मचारियों/आश्रितों के लिए दो बिस्तरों वाला एक कार्यकारी वार्ड है। रोगियों को विशेष उपचार/अस्पताल में भर्ती होने और अन्य सेवाओं के लिए निकटतम सरकारी अस्पताल/पैनल में शामिल अस्पतालों में भेजा जाएगा जो स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध नहीं हैं।

फार्मेसी बुनियादी दवाओं, इंजेक्शन, सर्जिकल उत्पादों, डिस्पोजेबल, आई.वी तरल पदार्थ आदि से लैस है। पर्चे के अनुसार रोगियों को दवाएं जारी की जाती हैं।

स्वास्थ्य केंद्र के संवर्धन के हिस्से के रूप में एक नैदानिक प्रयोगशाला स्थापित की गई थी। प्रयोगशाला में नियमित और बुनियादी जांच जैसे हेमेटोलॉजिकल, पैथोलॉजिकल, बायोकेमिकल और सीरोलॉजिकल परीक्षण किए जाते हैं।

आपातकालीन चिकित्सा स्थितियों से निपटने के लिए स्वास्थ्य केंद्र में एक एम्बुलेंस उपलब्ध है ताकि रोगी को स्वास्थ्य केंद्र से निकटतम सरकारी अस्पताल या स्थानीय रूप से सूचीबद्ध अस्पताल तक ले जाया जा सके।

स्वास्थ्य शिक्षा विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र का एक अभिन्न अंग है। समय-समय पर स्वास्थ्य सलाह जारी की जाती है।

वर्ष 2022-23 **के दौरान चिकित्सा संबंधी मुद्दों से संबंधित विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए/**

• गूगल मीट के माध्यम से एनएसएस द्वारा 08 मार्च 2022 को महिला स्वास्थ्य के मुद्दों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया

• 02 सितंबर 2022 को स्थानीय स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा कोविड-19 एहतियाती खुराक टीकाकरण अभियान चलाया गया।

• तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थानों (टीओएफईआई) पर जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 06 सितंबर 2022 को आयोजित किया गया था।

- 25 सितंबर 2022 को विश्व हृदय दिवस पर 5के वॉकथॉन आयोजित किया गया था.

• डॉ. अग्रवाल के नेत्र अस्पताल, तिरुपति के सहयोग से 13 अक्टूबर 2022 को नि: शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर की व्यवस्था की गई थी.

• बीएड छात्रों के लिए प्राथमिक चिकित्सा कक्षाएं 22 से 27 अक्टूबर 2023 तक आयोजित की गईं.

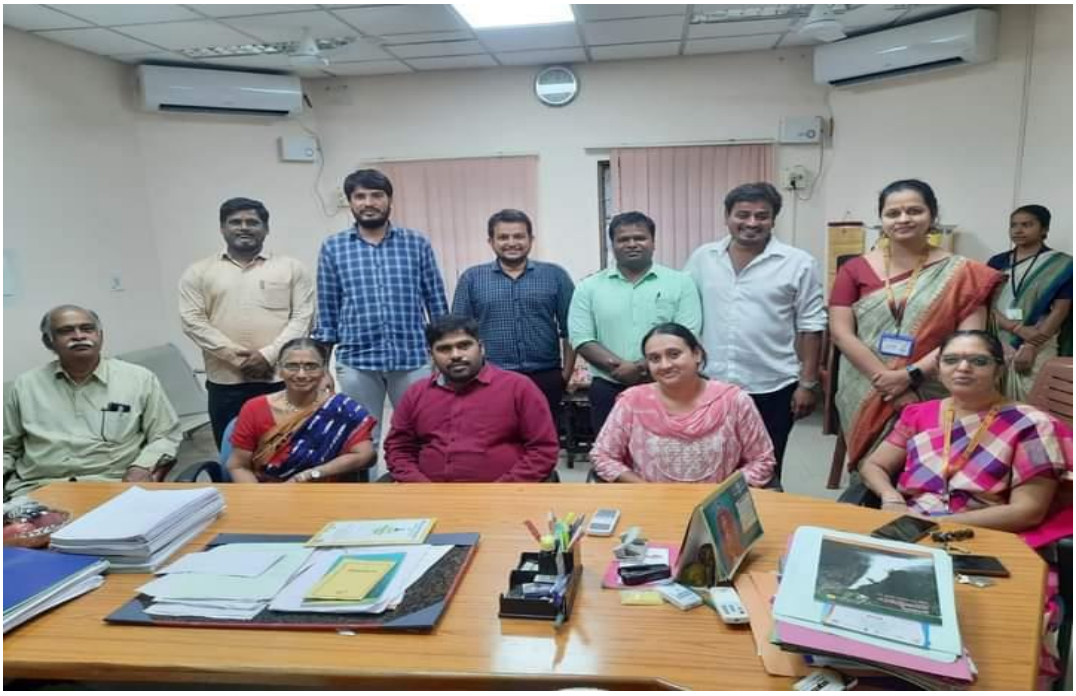

- बीएड छात्रों के लिए एड कक्षाएं 22 से 27 अक्टूबर 2023 तक आयोजित की गई थीं।

• 15 मार्च 2023 को स्थानीय स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से स्वास्थ्य केंद्र की टीम द्वारा डीवर्मिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

G. Staff-Quarters

विश्वविद्यालय में दो टाइप-वी क्वार्टर, आठ टाइप-4 क्वार्टर, चार टाइप-3 क्वार्टर, चार टाइप-2 क्वार्टर और आठ टाइप-1 क्वार्टर हैं, जिनमें विश्वविद्यालय के 26 कर्मचारी रहते हैं। दस गुरुकुलों क्वार्टरों में से, सात गुरुकुल क्वार्टर विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के लिए आवंटित किए गए हैं, दो गुरुकुल क्वार्टर शस्त्र परिरक्षण केंद्र को निर्धारित किए गए हैं और एक गुरुकुल क्वार्टर इंडोनेशियाई छात्रों द्वारा कब्जा कर लिया गया है।

H. Engineering

1. रिपोर्ट के तहत वर्ष के दौरान निम्नलिखित कार्य पूरे किए गए थे।
2. 2. 22.91 लाख रुपये की अनुमानित लागत से आवश्यक ध्वजारोहण तंत्र और प्रकाश व्यवस्था के साथ 30.5 मीटर (100 फीट) ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज मास्ट का डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग।
3. 3. 11.65 लाख रुपये की अनुमानित लागत से डाइनिंग हॉल में गैस बैंक के निर्माण और पुराने पेवर ब्लॉक बिछाने के साथ-साथ मौजूदा चरण में फ्लैगपोल के चारों ओर प्लेटफॉर्म का निर्माण।
4. अगामा प्रयोगशाला का निर्माण 16.20 लाख रुपये की अनुमानित लागत से किया गया था और इस सुविधा का उपयोग वर्ष के दौरान किया गया है।

***